@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

सोमवार, 2 फरवरी, 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 89 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2076-77, पेज (12) मूल्य 2.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वित्त मंत्री ने बजट 2026 पेश किया

कैंसर की दवाओं से लेकर विदेश में यात्रा करना हुआ सस्ता, शराब समेत ये चीजें हुईं महंगी

एजेंसी
नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से रविवार को बजट 2026 पेश किया गया है। इसमें कई ऐसी घोषणाएं सामने आई हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। बजट 2026 में कैंसर, विदेश यात्रा, व्यक्तिगत आयात के साथ कई अन्य चीजों पर टैक्स कम किया गया है, जिससे आम आदमी को काफी फायदा होगा। वहीं, कोयला, शराब और शेयर बाजार में सट्टेबाजी पर टैक्स बढ़ाया गया है, जिससे इन चीजों की लागत पहले के मुकाबले बढ़ जाएगी। बजट 2026 में कैंसर की 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटाई गई है। साथ ही 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाओं और विशेष भोजन को आयात शुल्क में छूट दी गई है। वहीं, व्यक्तिगत आयात पर टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर

दिया गया है और विदेशा यात्रा टूर पैकेज पर टीसीएस को 5 प्रतिशत/20 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत किया गया है। इसके अलावा, माइक्रोवेव ओवन, जूते, विदेश में पढ़ाई करना, सोलर एनर्जी से जुड़े चीजें, बैटरी, बायोफ्यूल मिली सीएनजी, हवाई जहाज के कलपुर्जे, चमड़े का निर्यात और बीड़ी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। दूसरी तरफ, आयात शुल्क में इजाफा होने से कबाड़ और खनिज आदि महंगे हो जाएंगे। बजट 2026 में सरकार ने शराब (मानव उपभोग के लिए) पर टीसीएस की दर एक प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत कर दी है। इसके अलावा, डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग कम करने के लिए सरकार ने बजट 2026 में फ्यूचर्स पर एसटीटी को मौजूदा 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है। ऑप्शंस पर अब एसटीटी बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके अलावा, सरकार ने बायबैक में शेयर सरेंडर करने पर सभी प्रकार के शेयरधारकों को होने वाले फायदे को कैपिटन गेन में लाने का प्रस्ताव रखा है। इससे अब बायबैक से होने वाली आय पर अधिक टैक्स लगेगा।

मोटर एक्सीडेंट मुआवजे के ब्याज पर माफ होगा पूरा टैक्स, पीड़ितों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी
नई दिल्ली । सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों और उनके परिवारों को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट 2026-27 पेश करते समय ऐलान किया कि मोटर एक्सीडेंट मुआवजे पर मिलने वाला ब्याज अब पूरी तरह इनकम टैक्स से मुक्त होगा। इस प्रस्ताव का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों को मुआवजे की पूरी राशि मिले और उसमें से कोई कटौती न हो। इसके तहत अब ऐसे ब्याज पर टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) भी नहीं काटा जाएगा। यह घोषणा संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार पेश किए गए केंद्रीय बजट में की गई।

इस आम बजट में टैक्स से जुड़े कई ऐलान किए गए। मौजूदा नियमों के तहत मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) द्वारा दिए गए ब्याज को टैक्स योग्य आय माना जाता था। अक्सर मुआवजा मिलने में देरी हो जाती है, जिससे ब्याज की रकम काफी बढ़ जाती है और पीड़ितों या उनके परिजनों को उस पर टैक्स देना पड़ता है।

विदेश में रहने वाले भारतीय भी कर सकेंगे इन्वेस्ट, एनआरआई की निवेश लिमिट 24 फीसदी हुई

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहली बार रविवार के दिन लोकसभा में आम बजट 2026-27 पेश किया। इस बजट में केंद्रीय मंत्री ने नॉन-रेसिडेंट इंडियंस (एनआरआई) और दूसरे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय लिस्टेड कंपनियों में व्यक्तिगत निवेश की सीमा को दोगुना करने का ऐलान किया है। अब तक ऐसा होता था कि एक अकेला एनआरआई किसी कंपनी के पेड-अप कैपिटल का 5-10 फीसदी तक मालिक हो सकता था। हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो 2026-27 का बजट पेश किया है, उसके तहत इस लिमिट को बढ़ाकर अब 10 फीसदी कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी एनआरआई के लिए कुल लिमिट बढ़ाकर 24 फीसदी करने का ऐलान किया गया। पहले कई एनआरआई निवेशकों को मुख्य रूप से विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर या खास एनआरआई रूट से भारतीय इक्विटी में निवेश करना पड़ता था। अब इसमें सुधार किया गया है, जिसके बाद एनआरआई और विदेशी नागरिकों सहित विदेशी निवासियों को एक रेगुलेटेड पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत सीधे भारतीय स्टॉक में निवेश करने की इजाजत मिलेगी। इसका मकसद घरेलू मार्केट में एक्सेस को आसान बनाना और भागीदारी को बढ़ाना है। इसके अलावा वित्त मंत्री सीतारमण ने घोषणा की है कि भारत में पांच साल तक रहने वाले विदेशी नागरिकों को नॉन-इंडिया कमाई पर राहत मिलेगी। यह विदेशी नागरिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। वहीं, व्यक्तिगत आयात पर टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

'छोटे व्यापारियों को बड़ा फायदा, भविष्य की मजबूत नींव', पीएम मोदी ने बजट को ऐतिहासिक बताया

'यह एक खास बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने और महंगाई को कंट्रोल करने को प्राथमिकता देता है'

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को देश का आम बजट 2026 पेश किया है। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट है। बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री ने तमाम सेक्टर्स के लिए कई बड़े ऐलान किए। इसी बीच, बजट को लेकर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इसमें

देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण ने लगातार 9वीं बार देश का बजट प्रस्तुत करके नया रिकॉर्ड बनाया है। यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दिखाता है। यह सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करता है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखकर इस बजट को पेश किया गया है। इससे छोटे व्यापारियों को काफी फायदा होगा।

ये विकसित भारत की गति को तेज करने वाला बजट है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। मित्रों, भारत जिस सुधार की रफ्तार पर आज चल रहा है, उसे इस बजट से नई ऊर्जा और गति मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा और नई गति मिलेगी। इस बजट से यूथ की उड़ान के लिए आसमान खुल गया है। भारत तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा है। बजट से भारत की ग्लोबल पोजीशन मजबूत होगी। ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है। उन्होंने कहा कि यह बजट भरोसे पर आधारित गवर्नेंस और मानव-केंद्रित आर्थिक ढांचे के विजन को दिखाता है।

अमित शाह ने बजट को 'विकसित भारत बजट' करार दिया, कहा- पीएम मोदी का संकल्प मजबूत

विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का विजन है

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का मजबूत संकल्प करार दिया है। अमित शाह ने बजट की सराहना करते हुए विकसित भारत बजट का टैग दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'बजट 2026-27 के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। इस बजट में न सिर्फ हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने का एक स्पष्ट ब्लूप्रिंट है, बल्कि उसे प्रोत्साहन देने का एक जमीनी विजन भी है, जो उसे हर कदम पर मदद करेगा।

विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का विजन है, जो विश्व में हर क्षेत्र में अग्रणी हो।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैन्युफैक्चरिंग से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक, स्वास्थ्य से लेकर टूरिज्म तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर एआई तक, स्पोर्ट्स से लेकर तीर्थों तक, विकसित भारत बजट हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं तथा किसानों के सपनों को शक्ति देकर उन्हें पूरा करने वाला बजट है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और अगले 25 वर्षों के रोडमैप को दर्शाने वाले इस बजट के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का हर भारतवासी की ओर से हार्दिक अभिनंदन।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिखा, 'केंद्रीय बजट 2026 किसानों, युवाओं और एमएसएमई पर केंद्रित एक निर्णायक रोडमैप पेश करता है।

रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 7.8 लाख करोड़ रुपए का आवंटन

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 में देश के रक्षा क्षेत्र के लिए 7.8 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया है। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के 6.81 लाख करोड़ रुपए की तुलना में करीब 15 प्रतिशत ज्यादा है। बजट में रक्षा बलों के लिए सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। यह रकम पूंजीगत खर्च का हिस्सा है और यह वित्त वर्ष 2025-26 में दिए गए 1.80 लाख करोड़ रुपए से लगभग 21.8 प्रतिशत अधिक है। रक्षा बजट में ये बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है, जब हाल ही में भारत ने कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाया और दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहे हैं।

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट को दृष्टिहीन और दिशाहीन बताया

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को दृष्टिहीन, दिशाहीन और झूठ से भरा बताया, जिसमें राज्य के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया यह वित्तीय बजट 2026-27 पूरी तरह से दिशाहीन, दूरदर्शी, लक्ष्यहीन और कार्रवाईहीन है। अर्थव्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। यह महिला-विरोधी, गरीब-विरोधी, किसान-विरोधी, युवा-विरोधी, आम-विरोधी, अनुसूचित जाति-विरोधी, अनुसूचित जनजाति-विरोधी, और अन्य पिछड़ा वर्ग-विरोधी है।

रक्षा बजट बढ़ने से भारत की रक्षा क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी : राजनाथ सिंह

● रक्षा सचिव ने रक्षा बजट में बढ़ोतरी को केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण कदम बताया

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में रविवार को पेश केंद्रीय बजट में डिफेंस सेक्टर के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे भारत की रक्षा क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सेनाओं के आधुनिकीकरण और सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी को केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण कदम बताया है। केंद्रीय बजट पर रक्षा सचिव ने इस साल के बजट के हिस्से के तौर पर रक्षा क्षेत्र को आवंटित बजट पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय का कुल बजट 7.85 लाख करोड़ होगा, जो पिछले साल के आवंटन से 15 फीसदी ज्यादा है। इससे भी जरूरी

बात यह है कि पूंजीगत व्यय में कुल पूंजीगत व्यय परिव्यय 21 फीसदी बढ़कर लगभग 2.9 लाख करोड़ हो गया है। रक्षा सचिव ने कहा कि असल में बजट का बड़ा हिस्सा सेनाओं के आधुनिकीकरण, आधुनिक हथियार और दूसरे तकनीकी उन्नयन पर खर्च होता है, जो हमारे सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बजट लोगों की भावनाओं और उम्मीदों पर खरा उतरता है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत के विजन के लिए एक मजबूत नींव देता है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद इस बजट ने देश के डिफेंस सिस्टम को और मजबूत करने के हमारे इरादे को और पक्का किया है। इस बजट का मुख्य फोकस हमारी तीनों सेनाओं का आधुनिकीकरण है। इसके लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक है।

3 फरवरी से आम जनता के लिए खुलेगा अमृत उद्यान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया उद्घाटन

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च, 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'अमृत उद्यान शीतकालीन वार्षिक संस्करण 2026' का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति सचिवालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान 3 फरवरी से लोग हफ्ते में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक घूमने आ सकते हैं। आखिरी एंट्री शाम 5.00 बजे तक रहेगी। उद्यान सोमवार के अलावा 4 मार्च को होली के कारण बंद रहेगा। रक्षा कर्मियों के लिए 3 मार्च को अमृत उद्यान खुला रहेगा। वरिष्ठ नागरिक 5 मार्च को घूमने जा सकते हैं। महिलाओं और आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 10 मार्च की तारीख तय की गई है। 13 मार्च को दिव्यांगजनों के लिए उद्यान खुला रहेगा।अमृत उद्यान में बुकिंग और

एंट्री मुफ्त है। ऑनलाइन बुकिंग राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर की जा सकती है। विजिटर्स के अनुभव को बेहतर बनाने के मकसद से इस साल मौके पर बुकिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। विजिटर्स सिर्फ ऑनलाइन मोड से ही टिकट बुक कर सकते हैं। इसलिए, विजिटर्स को सलाह दी गई है कि वे अपने स्लॉट काफी पहले ऑनलाइन बुक कर लें। उन्हें टिकट में बताए गए समय और अन्य निर्देशों का पालन करने की भी सलाह दी जाती है। किसी खास दिन के लिए बुकिंग पिछले दिन सुबह 10 बजे बंद हो जाएगी। सभी विजिटर्स के लिए एंट्री और एग्जिट राष्ट्रपति एस्टेट के गेट नंबर 35 से होगा, जो नॉर्थ एवेन्यू और राष्ट्रपति भवन के पास है। विजिटर्स की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक हर 30 मिनट में सुबह 9.30 बजे से शाम 6 बजे तक शटल बस सेवा उपलब्ध होगी। केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से आखिरी शटल बस सेवा शाम 4 बजे होगी। विजिटर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्स व हैंडबैग, पानी की बोतलें और बच्चों के लिए दूध की बोतलें ले जा सकते हैं। पब्लिक रूट पर कई जगहों पर पीने के पानी, टॉयलेट और मेडिकल सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा। अमृत उद्यान के अलावा लोग हफ्ते में छह दिन (मंगलवार से रविवार तक) राष्ट्रपति भवन और राष्ट्रपति भवन म्यूजियम भी जा सकते हैं।

भारत 2047 के सपने को साकार करने वाला है बजट: नितिन नवीन

सबका साथ, सबका विश्वास का जो मूलमंत्र है, वो इस बजट के पूरे विस्तार में दिखता है।

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बजट 2026 को विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने वाला बताया। उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि प्रधानमंत्री का जो जनता के बीच में विश्वास है, ये बजट उसे पूरी तरह दर्शाता है। सबका साथ, सबका विश्वास का जो मूलमंत्र है, वो इस बजट के पूरे विस्तार में दिखता है। साथ ही यह बजट विकसित भारत 2047 के लिए भी संकल्प से सिद्धि वाला है। नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह बजट सतत विकास की नीति और सुशासन का सशक्त प्रमाण है। सबका साथ, सबका विकास के

संकल्प को सिद्धि तक ले जाने वाला यह बजट वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करता है, जहां 7 प्रतिशत से अधिक विकास दर के साथ इन्फ्लेशन दर पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है जो विकसित भारत 2047 की दिशा में सशक्त पहल है। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा संचालित बजट है। विकसित भारत यंग लीडरर्स डायलॉग 2026 जैसे मंचों के माध्यम से युवाओं द्वारा साझा किए गए नवाचारी विचारों ने इस बजट के प्रमुख प्रावधानों को आकार दिया है। इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से रोजगार सृजन पर विशेष बल दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, सेमीकंडक्टर, कैमिकल, कंटेनर और स्पोर्ट्स मैन्यूफैक्चरिंग को गति देने के साथ इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट के लिए 40 हजार करोड़ और बायोफार्मा उद्योग के लिए 10,000 करोड़ के प्रावधान आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम हैं।

केंद्रीय बजट ने पंजाब और हरियाणा के किसानों के साथ फिर किया धोखा: हरपाल चीमा

कौमी पत्रिका
चंडीगढ, 1 फरवरी। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा के किसानों की जायज चिंताओं को नजरअंदाज किया है, जिससे उसके किसान-हितैषी होने के खोखले दावों की पोल खुल गई है। चीमा ने इशारा किया कि कृषि आधारभूत ढांचा फंड में कोई वृद्धि नहीं की गई और न ही मंडी के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कोई ठोस सहायता दी गई है, जिससे कृषि प्रधान राज्यों को अपने भरोसे छो? दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब का किसान देश का पेट भरता है, फिर भी केंद्र सरकार उन व्यवस्थाओं में निवेश को लगातार अनदेखा कर रही है जो खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। वित्त मंत्री ने उच्च मूल्य वाली फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनाए गए चयनात्मक दृष्टिकोण की भी आलोचना की। जबकि बजट में नारियल, काजू, चंदन और ड्राई फ्रूट्स जैसी फसलों का जिक्र है, लेकिन उत्तरी भारत के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है जो अपनी कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल फसलों पर निर्भर करते हैं। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह बजट स्पष्ट रूप से केंद्र के पक्षपात और अनाज उत्पादक राज्यों, खासकर पंजाब के किसानों के प्रति उसकी निरंतर उदासीनता को दर्शाता है। ये किसान सम्मान, सहयोग और उचित निवेश के हकदार हैं, खोखले नारों के नहीं। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इस केंद्रीय बजट 2026 में कृषि आधारभूत ढांचा फंड में वृद्धि या मंडी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के बारे में पंजाब और हरियाणा के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि राज्यों को अपने ही फंडों से विकास करना होगा। बजट में उच्च-मूल्य वाली फसलों के विकास का जिक्र हुआ लेकिन पंजाब को पूरी तरह से नजरअंदाज रखा गया। उन्होंने कहा कि यूरिया सब्सिडी पिछले साल 1,26,475 करो? से घटाकर 1,16,805 करो? कर दी गई है। इस बजट में 'आम आदमी' के लिए कुछ नहीं है, जबकि आज के समय में जब महंगाई आम आदमी की बचत को खा रही है और आय नहीं ब? रही, तो टैक्स में जीरो राहत उचित नहीं है। दरअसल, भारत सरकार ने एसएसटी (सिक्योरिटी? ट्रांजेक्शन टैक्स) ब?ा दिया है जो आम आदमी पर बुरा प्रभाव डालेगा। इस वृद्धि से बाद लंबी अवधि के पूंजी लाभ पर कोई राहत नहीं है। यह आम आदमी को हर तरफ से निचो?ने जैसा है। रक्षा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि केंद्रीय वित्त मंत्री भारत को रक्षा उत्पादन पर मजबूत बनाने और पिछले साल पाकिस्तान के साथ तनाव के मद्देनजर रक्षा बजट को अर्थपूर्ण ब?ाने के लिए ब?ी योजनाओं का ऐलान करेंगे। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री के भाषण में रक्षा का कुल जिक्र सिर्फ 'चार (4)' बार हुआ। प्रधानमंत्री-विश्वकर्मा योजना को उजागर करते हुए उन्होंने बताया कि यह पिछले साल बहुत जोर-शोर से शुरू की गई थी ताकि पारंपरिक कारीगरों और दस्तकारों को संपूर्ण, आधुनिक सहायता प्रदान की जा सके, कौशल प्रशिक्षण की पेशकश की जा सके। बजट 5,100 करो? से घटाकर 3,861 करो? कर दिया गया। एक तरफ वे कहते हैं कि यह बजट विरासती उद्योगों और युवा-शक्ति बजट को विकसित करने के उद्देश्य से है, फिर उन्होंने इस योजना के लिए बने बजट में कटौती क्यों की? 16वें वित्त आयोग पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्टिकल डिवोल्यूशन (टैक्स पूल में सभी राज्यों का कुल हिस्सा) 41 प्रतिशत पर ही रखा गया है। कोई बदलाव नहीं किया गया। वित्त आयोग ने राज्यों की खराब हालत को पूरी तरह नजरअंदाज किया है और राज्यों को पेश वित्तीय तनाव के बावजूद इस हिस्से को ब?ाने में असफल रहा है। 15वें वित्त आयोग में पंजाब के लिए हॉरिजॉन्टल डिवोल्यूशन 1.807 प्रतिशत से ब?कर 1.996 प्रतिशत हो गया था। 16वें वित्त आयोग से कोई मालिया घाटा अनुदान नहीं है। 15वें वित्त आयोग ने इन अनुदानों की सिफारिश की थी।

शेष पृष्ठ 3 पर

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग, पुलिस बल तैनात

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें वहां पहुंचीं। रोहित शेट्टी मुंबई के जुहू इलाके में रहते हैं। उनके घर के पास बॉलीवुड की कई हस्तियों के घर भी हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 3 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद जुहू में रोहित शेट्टी के घर के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने हर एंगल से जांच कर रही है। हमले की वजह अभी पता नहीं चली है। मामले में अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

लावारिस ट्रॉली बैग देख मची सनसनी, खोला तो निकला युवती का शव, जांच शुरु

रोहतास (एजेंसी)। रोहतास में ट्रॉली बैग में शव मिलने से सनसनी फैल गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और छानबीन शुरू की। मौके पर एफएसएल की टीम भी बुलाई गई। मामला डेहरी थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित सब्जी मंडी के पीछे का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जब बैग को खोलकर देखा गया तो उसमें अंदर युवती की डेडबॉडी निकली। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। युवती की हत्या क्यों और किसने की? इसको लेकर पुलिस जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में रोहतास जिले के साइबर डीएसपी ने बताया कि रविवार सुबह से सूचना मिली कि डेहरी नगर थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी में एक सूटकेस में पड़ा हुआ है, जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची और बैग को खोला। इस दौरान बैग के अंदर एक युवती का शव मिला। हालांकि युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और युवती की पहचान के लिए लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

कोलकाता के रेस्टोरेंट में यूट्यूबर सायक को मटन की जगह बीफ परोसा, वीडियो वायरल

बीजेपी बोली–बांग्लादेश की तरह पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं को जबरन खिलाया जा रहा गोमांस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक रेस्टोरेंट में मटन की जगह बीफ परोसने का मामला सामने आया। बंगाली यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सायक चक्रवर्ती ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मटन स्टेक ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें बीफ स्टेक परोस गया। उन्होंने बीफ को मटन समझकर खा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सायक चक्रवर्ती शुक्रवार रात अपने दोस्तों के साथ पार्क स्ट्रीट स्थित एक पब–रेस्टोरेंट में डिनर करने गए थे। उन्होंने एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था। कुछ देर बाद वेटर एक और प्लेट लेकर आया और कहा कि यह मटन स्टेक है। तब सायक को शक हुआ कि पहले परोसा गया स्टेक मटन नहीं था। सायक ने जब वेटर से सवाल किया तो उसने दावा किया कि दो स्टेक ऑर्डर किए गए थे। एक मटन और एक बीफ। सायक का कहना है कि उन्होंने सिर्फ एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था। वीडियो में सायक वेटर से बहस करते और जवाब मांगते दिख रहे हैं। रेस्टोरेंट मैनेजर और वेटर वीडियो में माफी मांगते नजर आते हैं। वीडियो में सायक यह कहते भी सुने गए कि वह ब्राह्मण हैं। इस घटना से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद पार्क स्ट्रीट पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। वेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीजेपी आईटी हेड अमित मालवीय ने एक्स पर सायक का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि बांग्लादेश की तरह पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं को जबरन गोमांस खिलाया जा रहा है। आज जो हम देख रहे हैं, वह कोई छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि चेतावनी है। अगर टीएमसी सत्ता में वापस आती हैं, तो यह अपवाद नहीं रहेगा, बल्कि आम बात हो जाएगी। यह पसंद या खानपान की आदतों का मामला नहीं है, बल्कि हिंदुओं की आस्था और विश्वासों को पूरी तरह से कुचलने का मामला है। ममता प्रशासन गायों की तस्करी और अवैध हत्या पर लगाम लगाने में विफल रहा है।

अल्मोड़ा में हादसा– दिल्ली के बुजुर्ग दंपति की मौत, खाई में गिरकर दूसरी सड़क पर पलटी कार

अल्मोड़ा (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना सामने आई है, जहां बाड़ेछीना–सेराघाट मोटर मार्ग पर दिल्ली से घूमने आए एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भयावह हादसे में कार सवार बुजुर्ग दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार पहाड़ी से लुढ़कते हुए लगभग 60 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पूरी तरह पिचक गई और दंपति के शव वाहन के मलबे में ही फंस गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के महरौली (मंगलपुरी) निवासी 75 वर्षीय प्रणब राय, अपनी 72 वर्षीय पत्नी शुभी राय और 52 वर्षीय बेटे सिद्धार्थ राय के साथ देवभूमि की यात्रा पर थे। शनिवार की सुबह उन्होंने नैनीताल के प्रसिद्ध कैंची धाम में दर्शन किए थे और वहां से लगभग 250 किलोमीटर दूर मुनस्यारी में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए निकले थे। दोपहर करीब तीन बजे, बाड़ेछीना–सेराघाट मार्ग पर कसान बैंड के पास उनकी स्कॉर्पियो कार अचानक बेकाबू हो गई और सुरक्षा बैरियर को तोड़ते हुए खाई में समा गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और धौलछीना थाना पुलिस तुरंत रेस्क्यू के लिए मौके पर पहुंचे। कार ऊंचाई से गिरने के बाद सड़क पर उल्टी होकर गिरी थी, जिस कारण उसकी छत बुरी तरह पिचक गई थी। कार चला रहे सिद्धार्थ राय को ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला, जिनकी सांसें चल रही थीं। मौके पर मौजूद शिक्षक राकेश मेहरा ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बिना समय गंवाए घायल सिद्धार्थ को अपने निजी वाहन से तुरंत धौलछीना अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। सिद्धार्थ पेशे से आर्किटेक्ट हैं और उनकी पत्नी गंभीर बीमारी के चलते इस यात्रा पर साथ नहीं आई थीं।

एसआईआर से व्यापक जन-पीड़ा हुई और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास कम हुआ

–सीएम ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर जताई आपत्ति, लगाए आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर एसआईआर पर गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से व्यापक जन-पीड़ा हुई है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास कम हो गया है। एक पोस्ट साझा करते हुए ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी है कि इस प्रक्रिया से जनता को व्यापक कष्ट हो रहा है। उन्होंने करीब 8,100 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती पर कड़ी आपत्ति जताई है और बताया है कि उनकी भूमिकाएं, शक्तियां और अधिकार मौजूदा चुनाव कानूनों में निहित नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यह भी बताया है कि कुछ पर्यवेक्षक गैरकानूनी रूप से पोर्टल तक पहुंच बना रहे हैं और उसे नियंत्रित कर रहे हैं, जिससे वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के तरीके से डेटा में हेरफेर किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस संस्थागत अतिक्रमण को रोकने, संवैधानिक निकायों में जनता का विश्वास बहाल करने और नागरिकों की गरिमा, अधिकारों और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

एक पत्र में सीएम ममता ने चेतावनी दी कि जिस तरह से एसआईआर का संचालन किया जा रहा है, उससे लोगों को अत्यधिक असुविधा और पीड़ा हुई। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप करीब 140 मौतें हुई हैं और इसे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए अंजाम दिया गया है। सीएम ममता ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लगभग 8,100 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे भारत के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इन सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण या सिद्ध विशेषज्ञता के बिना चुनाव आयोग द्वारा एकतरफा रूप से नियुक्त किया जा रहा है जिसे उन्होंने विशेषज्ञ, संवेदनशील और अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया बताया।

पहले नफरत भरा भाषण, धमकियां और अब सीएम ममता पर लगा रहे आरोप

-बीजेपी नेता मालवीय ने हुमायूं कबीर के आरोपों की कड़ी आलोचना की

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर के उन आरोपों की कड़ी आलोचना की है, जिनमें उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी ने उन्हें 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाया था। मालवीय ने नफरत फैलाने वाले भाषण से धमकियों और फिर राजनीतिक प्रोत्साहन के दावे तक के इस बदलाव की निंदा की। उन्होंने कहा कि यही वह हुमायूं कबीर हैं जिन्होंने 2024 में हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंकने की धमकी दी थी। नफरत फैलाने वाला भाषण। धमकियां और अब यह दावा कि इसे राजनीतिक प्रोत्साहन दिया गया था। इससे पहले एक कार्यक्रम में कबीर ने 2024 में हिंदुओं के खिलाफ की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव के लिए टीएमसी के प्रचार के दौरान टीएमसी सांसद की जीत तय करने के लिए सीएम ममता बनर्जी के निर्देश पर उन्हें यह भाषण देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुओं से नफरत नहीं की और न ही वे जानबूझकर ऐसा कुछ करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे खेद है। सीएम ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं।

जेलों में बंद सात कैदियो को पाकिस्तान ने किया रिहा, अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत पहुंचे

–रिहा शख्स बोला–पाक जेलों में बंद भारतीयों की हालत है खराब, उन्हें भी कराएं आजाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जेलों में बंद सात कैदियों को रविवार को भारत को सौंप दिया। भारतीय कैदियों की वापसी अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते से हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सीमा पर तैनात अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने सात कैदियों की रिहाई का आदेश दिया था, जिनको पाकिस्तानी रेंजर्स ने 7 कैदियों को भारतीय सीमा सुरक्षा बल के हवाले कर दिया। पाकिस्तान की तरफ से छोड़े गए सात कैदियों को भारत की तरफ आते ही सबसे पहले आव्रजन कार्यालय तक लाया गया। इन सातों में से 6 पंजाब के रहने वाले हैं, जिनमें से 4 फिरोजपुर, एक लुधियाना और एक जालंधर का रहने वाला है। वहीं, बचा एक कैदी उत्तर-प्रदेश का है। सभी साल 2023 में पाकिस्तान चले गए थे। ये तब हुआ, जब तीन साल पहले पंजाब में बाढ़ आई थी और ये साल लोग अपने जानवरों को बचाने की कोशिश कर रहे थे। पाकिस्तान की कैद से छूटकर भारत आने वाले एक शख्स ने बताया कि जब उसके गांव में पानी का तेज बहाव आया तो पुल गिर गया। उस समय पानी का बहाव बहुत तेज था और वह बहकर पाकिस्तान पहुंच गया। पाकिस्तान के अधिकारियों को उन्होंने समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने और जेल भेज दिया। शख्स ने बताया कि उसे तीन महीनों तक पाकिस्तान की जेल में रहना पड़ा, जहां बेरहमी से पीटा गया। पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीयो की हालत बेहद खराब है। कोई अंधा है तो किसी के पैर खराब हैं।

अच्छा बजट वह है जो गरीब के चेहरे पर मुस्कान और जीवन में खुशहाली लाए

सपा प्रमुख ने अखिलेश ने आम बजट पर कसा तंज–सरकार से कोई उम्मीद नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्रीय बजट 2026 के पेश होने से पहले ही हमला बोला। उन्होंने आम बजट को लेकर कहा कि इससे हमें कोई उम्मीद है। उन्होंने सरकार से ही ना उम्मीद होने की बात कही। दरअसल, 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव से पहले आम बजट को अहम माना जा रहा है। ऐसे में अखिलेश इसकी पहले से ही मुखालफत करते नजर आ रहे हैं। दरअसल आम बजट 2026 रविवार सुबह 11 बजे लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश कर रही हैं। इससे पहले संसद भवन परिसर में आयोजिक केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी।

आम बजट 2026 पेश होने से पहले अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, उसके बजट से क्या उम्मीद करें? ये बजट पांच फीसदी लोगों के लिए बनता है। सरकार ने जो वादे अपने घोषणा पत्र में किए थे, क्या उसपर खरी उतरी है? अखिलेश ने कहा पिछले तमाम बजटों में देखने को मिला है कि यह एक बटा

20 लोगों के लिए बनता है यानी 5 फीसदी लोगों के लिए ही बजट बनाया जाता है। उनहोंने आगे कहा कि आज सरकार को यह भी सोचना चाहिए कि उन्होंने जो वादे किए थे, क्या वे पूरे हुए? पीछे मुड़कर वे देखें और सोचें कि क्या उन वादों पर खड़े उतरे हैं? स्मार्ट सिटी बनाने के बहाने पैसा बहाया गया। उन्होंने कहा कि अच्छा बजट वह है जो गरीब के चेहरे पर मुस्कान और जीवन में खुशहाली ले आए। सरकार इसमें विफल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा कि जिस इंदौर शहर को सबसे ज्यादा पुरस्कार मिले थे। सफाई और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर चर्चा हो रही थी। वहां लोगों की कैसे जान चली गई? उन्होंने कहा कि जो सरकार गरीबों की प्रति व्यक्ति आय ना बता पा रही हो। ये कह रहे हैं कि हमने इतने गरीब लोगों को पीडीएस सिस्टम और खाना देने से जोड़ दिया है, उस पर क्या टिप्पणी की जाए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि इस बजट से रिफॉर्म नहीं, डिफॉर्म होगा।

उन्होंने सवाल किया कि किसानों की आय दोगुनी करने के दावों का क्या हुआ। उन्होंने प्रभु श्रीराम का जिक्र भी इस मौके पर किया। उन्होंने कहा कि टीवी वाले राम जी यानी मेरठ सांसद अरुण गोविल को पीछे की पंक्ति में बैठाए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये कैसे रामभक्त हैं। अगर वह टीवी वाले राम जी को प्रधानमंत्री के बगल में बैठाएं तब माना जाए। दरअसल, अखिलेश अपने बगल में अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को बैठाते दिखे। इसके जरिए वे एक बड़ी राजनीति करते दिख रहे हैं।

वहीं, सपा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव ने भी कहा कि इस बजट से हमें कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन-चार व्यापारी जो बता देंगे, वैसा बजट बनकर आ जाएगा। आम जनता के लिए इससे कोई उम्मीद नहीं है। अखिलेश यादव ने बयान से विपक्ष का बजट पर रुख साफ कर दिया है। इस बजट का विपक्ष हर हाल में विरोध करेगा। यह तय माना जा रहा है। वहीं, सत्ताधारी पक्ष की ओर से बजट में गरीब और किसानों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कुछ नई योजनाओं का ऐलान भी हो सकता है। ऐसे में निर्मला सीतारमण के नौवें बजट पर हर किसी की नजर है।

हजार गौरव गोगोई और राहुल गांधी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे: सीएम सरमा

कांग्रेस को सिर्फ अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की चिंता है, न कि मूल निवासियों की

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस को सिर्फ अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की चिंता है, न कि असम के मूल निवासियों के हितों की। उन्होंने गुवाहाटी में कहा कि हजार गौरव गोगोई और राहुल गांधी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे। अभी असम के लोगों के लिए स्थिति बहुत नाजुक है, और यह राज्य में उनके अस्तित्व का सवाल है। मिया मुसलमान विवाद पर उन्होंने कहा कि मिया मुसलमान शब्द मैंने नहीं गढ़ा है और यह शब्द खुद वह समुदाय इस्तेमाल करता है जो बांग्लादेश से आकर बस गए हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस शब्द को इस्तेमाल किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में सरमा ने लिखा- ये कोर्ट के अपने शब्द हैं। असम पर चुपचाप और धोखे से हो रहा जनसांख्यिकीय हमला निचले असम के भू-रणनीतिक रूप से

महत्वपूर्ण जिलों के नुकसान का कारण बन सकता है। अवैध प्रवासियों की संख्या इन जिलों को मुस्लिम-बहुल क्षेत्र में बदल रही है। इसके बाद यह सिर्फ समय की बात होगी जब बांग्लादेश के साथ उनके विलय की मांग की जा सकती है। निचले असम के नुकसान से उत्तर पूर्व का पूरा भूभाग बाकी भारत से अलग हो जाएगा और उस क्षेत्र के समृद्ध प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र के हाथ से निकल जाएंगे। सरमा ने कहा कि ऐसी चिंताओं को स्वीकार करना सांप्रदायिकता या नफरत नहीं है। सीएम सरमा के बयान पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंत सरमा अपने बयानों को सही ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक कार्यकारी रिपोर्ट की भाषा को सुप्रीम कोर्ट से जोड़ना कोर्ट की अवमानना है। सीएम सरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में एसआईआर में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि सरमा और बीजेपी सीधे तौर पर मिया समुदाय के खिलाफ हैं। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम छोड़कर नहीं जाएंगे। मिया बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम सीएम के मुताबिक वे मूल निवासियों के संसाधनों, नौकरियों और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ

–केंद्रीय बजट 2026 पर विपक्ष ने उठाए सवाल, निजी पूंजी निवेश में खास वृद्धि नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रविवार को बजट सत्र में भाग लेने संसद पहुंचीं और कहा कि उन्हें ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। इसके अलावा, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ है। निजी पूंजी निवेश में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। विदेशी निवेश में गिरावट आई है। उम्मीद है कि वित्त मंत्री भारतीय अर्थव्यवस्था में मौजूद ढांचागत असमानताओं को समझेंगे और ईमानदारी से उनका समाधान करेंगी।

आईयूएमएल सांसद ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा कि एमजीएनआरईजीए की दुर्दशा तो सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नाजुक मोड़ है। कई मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है, खासकर भारत की मौजूदा स्थिति में। कई चीजों को गंभीरता से निपटाने की जरुरत है। हमें उम्मीद है कि ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हम सभी एमजीएनआरईजीए की दुर्दशा जानते हैं...उन्होंने इसकी पूरी संरचना बदल दी है। यह मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार द्वारा उठाया गया सबसे क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने इसे बर्बाद कर दिया है।

बशीर ने कहा कि उम्मीद है कि सरकार कदम उठाएगी, अगर गांवों पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। इसलिए इस लिहाज से भी मुझे उम्मीद है कि सरकार न्याय करेगी। इतना ही नहीं, वित्तीय क्षेत्र में भी कई संकट हैं। उनका भी समाधान होगा। केरल के संबंध में हम न्याय चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि वे केरल के लिए भी एम्स और ऐसे ही राष्ट्रीय संस्थानों का उपयोग करेंगे। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संसद में बैठक के बाद केंद्रीय बजट 2026-27 को मंजूरी दे दी। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दही-चीनी भेंट की।

यूजीसी नियम बने बीजेपी के लिए गले की फांस, यूपी में हो सकता है नुकसान

–सवर्ण जाति के संगठनों और छात्रों में नाराजगी बरकरार, फिलहाल कोर्ट ने लगा दी है रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से फिलहाल रोक लगाए जाने के बाद भले ही सरकार को राहत मिली हो, लेकिन इससे बीजेपी की राजनीतिक मुश्किलें खत्म होती नहीं दिख रही हैं। खासकर सवर्ण जातियों के संगठनों और छात्रों में नाराजगी बरकरार है। उनका कहना है कि जब तक यूजीसी के नियम पूरी तरह वापस नहीं लिए जाते, तब तक इसका विरोध करते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूजीसी का यह विवाद अब बीजेपी के लिए 'गले की फांस' बन गया है। सुप्रीम कोर्ट के स्टे के बावजूद करणी सेना, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, ब्राह्मण महासभा, परशुराम सेना समेत कई सवर्ण संगठन सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान कर चुके हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी की चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है। इस विरोध का सबसे बड़ा केंद्र यूपी है। यूपी में बीजेपी के अंदर भी इस मुद्दे को लेकर असंतोष खुलकर सामने आया है।

कई स्थानीय और जिला स्तर के नेताओं ने पद से इस्तीफा तक दे दिया है। पार्टी के कुछ सवर्ण नेताओं का कहना है कि नए नियमों को लेकर समर्थकों को समझाना मुश्किल हो रहा है। एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि परंपरागत सवर्ण वोटरों की अनदेखी से समाज में बेचैनी बढ़ी है और यूजीसी विवाद ने इसे और गहरा कर दिया है। बीजेपी के सामने दुविधा यह है कि यदि वह यूजीसी के नियमों का खुलकर समर्थन करती है तो सवर्णों की नाराजगी झेलनी पड़ेगी, और यदि नियमों को वापस लेती है तो एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के विरोध का खतरा है। ऐसे में पार्टी के लिए सामाजिक संतुलन बनाए रखना चुनौती बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक दृष्टि से यूपी में यह मुद्दा और भी संवेदनशील है। प्रदेश की आबादी में ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य समेत सवर्ण जातियां करीब 22 फीसदी हैं, जिन्हें बीजेपी का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। जनरल कैटेगरी के युवाओं का आरोप है कि नए नियम 'रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन' को बढ़ावा देते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह असंतोष बना रहा तो 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को नुकसान हो सकता है।

दूसरी ओर विपक्ष ने इस मुद्दे पर सधे हुए बयान देकर सवर्ण वोटरों को साधने की कोशिश की है। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और अन्य दलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए सरकार पर बिना पर्याप्त चर्चा के नियम लागू करने का आरोप लगाया है। कुल मिलाकर, यूजीसी नियमों का विवाद अब केवल कानूनी नहीं, बल्कि बीजेपी के लिए सियासी परीक्षा बन चुका है।

आधी रात को घोंट दिया पत्नी का गला, हत्या के बाद साले को फोन कर बोला- लड़ाई हो गई थी

कौमी पत्रिका

गुरुग्राम। गुरुग्राम सेक्टर-37 थाना के अंतर्गत खांडसा में 28/29 जनवरी की रात को एक युवक ने अपनी पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद करीब 12 घंटे बाद 29 जनवरी को दोपहर बाद आरोपी ने अपने साले को कॉल करके पत्नी के साथ मारपीट होने के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद जब गुरुग्राम में रह रहा मृतका का दूसरा भाई व उसकी बहन 29 जनवरी की शाम को कमरे पर पहुंचने पर हत्या के बारे में पता चला। हत्या करने के बाद आरोपी पति भाग गया है। सूचना मिलने पर सेक्टर-37 थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मोर्चरी में पहुंचाया। मृतका की पहचान औरैया (उत्तर प्रदेश) के खास भरा निवासी शीलू (27) के रूप में हुई। उसकी शादी आठ साल पहले कानपुर (उत्तर प्रदेश) के रानी घाट कॉलोनी निवासी सनी दयाल के साथ हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं, जिसमें सात साल का बेटा व तीन साल की बेटी है। दंपती करीब 4 साल से गुरुग्राम के खांडसा में किराये पर रह रहे हैं। सनी दयाल दिहाड़ी-मजदूरी करता है। वहीं, शीलू भी कई बार दिहा?ी का काम करती थी। बताया जा रहा है कि शीलू का कई बार अपने पति सनी दयाल के साथ झगड़ा हो चुका था, जिसमें परिवार वालों की ओर से दोनों को समझाया भी जा चुका था। मृतका शीलू के भाई कपिल ने बताया 29 जनवरी की दोपहर बाद करीब 3.30 बजे उसे शीलू की मौत के बारे में पता चला। कपिल गुरुग्राम के सेक्टर-37 में नौकरी करता है और यहीं किराये पर रहता है। कपिल ने बताया कि उसका जीजा दोनों बच्चों को करीब 10 दिन पहले नाना-नानी के पास छोड़ आया था। पुलिस जांच में सामने आया कि 28/29 जनवरी की रात को किसी बात पर झगड़ा होने के बाद सनी दयाल ने अपनी पत्नी शीलू का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद करीब 12 घंटे बाद सनी दयाल ने 29 जनवरी की दोपहर बाद 3 बजे औरैया के खास भरा में रहने वाले अपने छोटे साले आलोक को कॉल करके बताया कि शीलू के साथ झगड़ा होने के बाद मारपीट हो गई है, उसे आकर संभाल लो। आलोक ने अपनी बड़ी बहन नीरज को कॉल करके सनी दयाल के फोन आने व शीलू की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। नीरज ने अपने पति रवि ने कंपनी में कपिल के पास भेजा। इसके बाद कपिल, रवि व नीरज जब शीलू के कमरे पर गए तो वह मृत अवस्था में पड़ी थी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर सेक्टर-37 थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंची और एफएसएल, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराकर साक्ष्य एकत्रित किए। जांच अधिकारी एसआई महेश ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। हत्या करने वाद आरोपी सनी दयाल गायब है। उसके मोबाइल की लोकेशन के साथ ही उसके छिपने के संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही शीलू के हत्यारोपी पति को गिरफ्तार किया जाएगा।

भगाने के लिए की राइफल से की फायरिंग

मसूरी। मसूरी में बंदरों को भगाने के लिए चलाई गई राइफल की गोली से एक महिला घायल हो गई। पड़ोस की छत पर खड़ी महिला की दोनों टांगों में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मसूरी के मुगल गार्डन में सद्दाम के मकान में किरायेदार वाहिद पुत्र शौकत मूल निवासी शाहजहांपुर किटौर मेरठ अपनी पत्नी गुलिस्तां के साथ रहते हैं, वाहिद ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 29 जनवरी दोपहर साढ़े 3 बजे उनकी पत्नी गुलिस्तां अपने मकान की छत पर खड़ी थीं। तभी पड़ोस में रहने वाले लुकमान ने अपने घर की छत से बन्दरों के ऊपर अपनी लाइसेंसी राइफल से फायर कर दी।

तैयारी थी डोली उठाने की, उठानी पड़ी पायलट शांभवी की अर्थी

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव की ए-1 ब्लॉक की एक गली आज खामोश है। वही गली, जहां कुछ दिन पहले तक नए घर में बसने की खुशी थी, रिश्तेदारों के आने-जाने की बातें थीं, गृह प्रवेश और शादी की तैयारियां चल रही थीं। अब उसी गली में सन्नाटा है। सफदरजंग एन्क्लेव ए-1 मकान नंबर 313 के दरवाजे बंद हैं। घर में जैसे किसी ने वक्त को रोक दिया हो। यह घर है महाराष्ट्र के बारामती विमान हादसे में जान गंवाने वाली को-पायलट शांभवी पाठक का, जिसकी असमय मौत ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है। शांभवी का परिवार हाल ही में यहां शिफ्ट हुआ था। गृह प्रवेश की तारीख तय करने की बातें चल रही थीं। लेकिन, नियति को कुछ और ही मंजूर था। बेटी की मौत की खबर ने उन सभी खुशियों को एक ही पल में मातम में बदल दिया। शांभवी के पड़ोसियों ने बताया कि वह बेहद शांत और विनम्र स्वभाव की थीं। वहीं, सफदरजंग एन्क्लेव में तैनात एक गार्ड ने बताया कि शांभवी अपने परिवार से बहुत जुड़ी हुई थी। नए घर को लेकर वह भी खुश थी। शांभवी की जिंदगी का सबसे खूबसूरत दौर शुरू होने वाला था। रिश्तेदारों ने बताया कि उसकी शादी मार्च में थी। मां अपनी बेटी के लिए नए कपड़े, गहने और भविष्य के सपने सजा रही थीं। वह एक मां थीं, जो अपनी बेटी को दुल्हन के रूप में देखने का सपना हर दिन देखती थी। बृहस्पतिवार को शांभवी की अंतिम विदाई में शामिल होने आए लोगों के आंसू रोके नहीं रुक रहे थे। करीब 25 साल की शांभवी पाठक वीएसआर वेंचर्स के लियरजेट-45 विमान में फर्स्ट ऑफिसर (पायलट) थीं। उनकी मां वायुसेना के बाल भारती स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके पिता वायुसेना से सेवानिवृत्त पायलट हैं। उनका छोटा भाई नौसेना में कार्यरत है। पड़ोस में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली शिल्पी कहती हैं, शांभवी बेहद सुलझी हुई, मीठी और शांत स्वभाव की लड़की थी। सुरक्षा गार्ड जितेंद्र बताते हैं कि शांभवी जब भी दिखती थीं, हमेशा नमस्ते करती थीं। उनका परिवार बेहद विनम्र था और समाज में सबका सम्मान करता है।

केंद्रीय बजट ने पंजाब और हरियाणा के किसानों के साथ फिर किया धोखा: हरपाल चीमा

प्रथम पृष्ठ का शेष

एसडीआरएफ की शर्तें बहुत अधिक सीमित हैं और आपदाओं को प्रभावी ढंग से कम करने व प्रबंधन करने में पंजाब जैसे राज्य को प्रभावित करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि बजट भाषण में राज्य का कोई जिक्र नहीं है। वे पंजाब और पंजाबियों को पूरी तरह भूल गए हैं। शिक्षा के मामले में यह बहुत निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत से कम (98 प्रतिशत) वृद्धि हुई है। बजट में पिछले साल की तुलना में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें पीएम-श्री योजना के लिए 7,500 करो? रुपये रखे गए थे। पूंजी निर्माण के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के बारे में उन्होंने कहा कि इस योजना का कोई जिक्र नहीं है। सभी राज्यों ने सीएपीएक्स के उच्च स्तर को जारी रखने के लिए योजना के रूपरेखा को अर्थपूर्ण ढंग से विस्तार देने की मांग की थी। स्वास्थ्य के मामले में उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया जो 9,500 करो? रुपये है। स्वच्छ भारत मिशन का बजट पिछले साल 5,000 करो? से आधा होकर 2500 करो? घटकर आधा रह गया। मनरेगा के तहत वीबी-जी-राम-जी बजट 88,000 करो? से ब?कर 95,692 करो? रुपये हो गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सीमा आधारभूत ढांचा और प्रबंधन योजना (केंद्रीय योजना) का बजट पिछले साल 5,597 करो? से घटकर वर्तमान बजट में 5,577 करो? रुपये कर दिया गया है। श्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इस बजट में दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी भारत की ओर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। बजट में पंजाब या यहां तक कि उत्तरी भारत के लिए कुछ भी नहीं है। बजट में किसानों और कृषि के लिए कुछ भी नहीं है। इस केंद्रीय बजट में नौकरियों और युवाओं को भी अनदेखा किया गया है।

NAME CHANGE
I, SHRIRANG is legally father of No. JC 463170M Rank- NB SUB Name PAWAR YASHWANT SHRIRANG presently residing at VILL-BORKHAL, POST-BORKHAL, TEH-SATARA, DIST-SATARA, (MAHARASHTRA)-415011, have changed my name from SHRIRANG to SHRIRANG GULABARAV PAWAR and date of birth from 09/07/1958 to 01/06/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated.29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, LALITA is legally mother of No. 2814048M Rank-SEP Name RAUT NILESH DINKAR presently residing at VILL-PANAJ, POST- PANAJ, TEH-AKOT, DIST- AKOLA, (MAHARASHTRA)-444101, have changed my name from LALITA to LALITA DINKARRAO RAUT for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANTHNABAI is legally mother of No. 2812147W Rank- SEP Name SONTAKKE SANTOSH PANDURANG presently residing at VILL-PIMPARKHED POST-BASAMBA TEH-HINGOLI DIST-HINGOLI (MAHARASHTRA)-431513, have changed my name from MANTHNABAI to MANTHNABAI PANDURANG SONTAKKE and date of birth from 20/03/1966 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I RANJANABAI is legally mother of No. 2808006K Rank- HAV Name PATIL NITIN EKNATH presently residing at VILL GONDGAON, POST- GONDGAON TEH-BHADGAON, DIST- JALGAON (MAHARASHTRA)-424103, have changed my name from RANJANABAI TO RANJANABAI EKNATH PATIL and date of birth from 05/06/1970 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Mast. Laki Kumar Sahu S/o Anil Kumar Sahu R/o 00, Gadhi Adhikansh, Khaga, Fatehpur, Uttar Pradesh-212655, have changed my name to Anshul Sahu

NAME CHANGE
I Vishambhar Singh S/o Arjun Singh R/o Tilsua, Malihabad, Lucknow, Uttar Pradesh - 226102, have changed my name to Vishambhar Dayal

NAME CHANGE
I, ATUL KUMAR GUPTA S/O ASHOK KUMAR GUPTA R/O A9/1407, Jaypee Klasic, Near Jaypee Hospital, Sector-134, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed the name of my minor Daughter MEGAN GUPTA aged 06 Years and he shall hereafter be known as MEGAIN GUPTA.

LOST AND FOUND
I,BIRESHWAR BHATTACHARYA, son of Late Shri Kali Das Bhattacharya, resident of D-114, Matri Kutir, Vivek Vihar, Main Road, Shahdara, Delhi, 110095 declare that I have lost MY AUNT NAMELY LATE PURNIMA BHATTACHARYA W/O LATE. DR. D.D BHATTACHARYA ORIGINAL CONVENYANCE DEED OF PRO. D-114, VIVEK VIHAR, MAIN ROAD SAHADARA, DELHI-110095, VIDE BOOK NO. 1 NO. 637, PAGE NO. 25 TO 30, REGISTRATION NO. 10821, DATED 14.02.2003 OFFICE OF THE SUB REGISTRAR VIKAS SADAN DELHI AND OTHER ORIGINAL PROPERTY DOCUMENT at D-114, VIVEK VIHAR, MAIN ROAD SAHADARA, DELHI-110095 then I lodged NCR vide SO No. 430/2014, and LR No. 54350/2026 dated 24.01.2026

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as Sarika Tewatia alias SARIKA RANA D/O Om Singh Tewatia W/O Late Ranjeet Rana R/O House No. 162, Arun Vihar, SecLIC NOTICEtor - 37, NOIDA , Gautam Buddha Nagar - U.P. 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SARIKA RA??.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Vibhuti Sinha D/O: Anshul Sinha R/O R-1 Ramkumar Gutam Marg East Vinod Nagar Patparganj East Delhi Delhi-110091, have changed my name and shall hereafter be known as ISHANI SINHA.

NAME CHANGE
I, SHELKE BALASAHEB is legally father of No. 2814232X Rank-SEP Name- SHELKE SHANKAR BALASAHEB Presently resident of VILL SADESANGVI POST-CHINCHPUR(DHAGE) TEH - BHOOM DIST-DHARASHIV (MAHARASHTRA-413504 have changed my name from SHELKE BALASAHEB to BALASAHEB GURULING SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYSHRI is legally mother of No. 2814232X Rank-SEP Name SHELKE SHANKAR BALASAHEB presently residing at VILL SADESANGVI POST-CHINCHPUR (DHAGE) TEH - BHOOM DIST-DHARASHIV (MAHARASHTRA)-413504, have changed my name from JAYSHRI to JAYSHRI BALASAHEB SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KANTABAI is legally mother of No. 2804347X Rank- HAV Name BHOSALE NAMDEV GORAKSHNATH presently residing at VILL-AGUNDEWADI, POST-VELE (KAMATHI) TEH-SATARA DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415022, have changed my name from KANTABAI to KANTABAI GORAKSHNATH BHOSALE and date of birth from 18/02/1971 to 01/01/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, GORAKSHNATH is legally father of No. 2804347X Rank-HAV Name BHOSALE NAMDEV GORAKSHNATH presently residing at VILL-AGUNDEWADI, POST-VELE(KAMATHI) TEH-SATARA DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415022, have changed my name from GORAKSHNATH to GORAKSHNATH DNYANADEV BHOSALE and date of birth from 18/02/1965 to 12/04/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Yatendra Kumar S/o Mahipal Singh R/o House No-19, VPO-Behra Assa, Tehsil - Jansath, Police Station Sikheda, VTC- Behrhassa, PO- Behra Assa, District-Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251314, have changed my minor daughter's name from Lavika aged 03 years to Lavika Tomar forever.

NAME CHANGE
I, Yatendra Kumar S/o Mahipal Singh R/o House No-19, VPO-Behra Assa, Tehsil - Jansath, Police Station Sikheda, VTC- Behrhassa, PO- Behra Assa, District-Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251314, have changed my minor daughter's name from Ananya aged 10 years to Ananya Tomar forever.

NAME CHANGE
I Durga W/o Late Vinod Joshi R/o H-No-256/3, Ward No12-3, Harinagar, Nainital, Tallital, Uttarakhand - 263002, have changed my name to Damiyanti Joshi

NAME CHANGE
It is for general information that I, HARSHIT AGRAWAL S/O LATE SH. RAMESH CHANDRA AGRAWAL R/O C-94, DDA FLAT, SINDHORA KALA, VTC: ASHOK VIHAR, PO: ASHOK VIHAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110052 declare that name of mine has been wrongly written as HARSHED in my father's Service Record. The actual name of mine is HARSHIT AGRAWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PUNIT S/O RAKESH KUMAR R/O 1003, SECTOR-37, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003,HAVE CHANGED MY NAME TO PUNIT GARG FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, KHYATI AGGARWAL S/o ASHWIN AGARWAL R/o 606A TOWER 6 SECTOR 42 GOLF COUSE ROAD GALLERIA DLF IV GURGAON HARYANA - 122009 I HAVE CHANGED MY NAME KHYATI AGARWAL for future purpose

NAME CHANGE
I, Rajiv Kumar, S/o Ram Naresh Saxena, R/o House No-1231P, 1st Floor Above UG, Sector-9, Near Govt.Middle School, Gurgaon (HR)-122001, have changed my name to Rajiv Kumar Saxena.

NAME CHANGE
I Rajroop S/o Lal Ji R/o village Sewaha (3), Siwaha, Jind, Haryana. 126113 have changed my name to Rajroop Singh aur all future purpose

NAME CHANGE
I Sarabjeet Kaur W/o Prabhjeet Singh Suri R/o 215 FF, Shiv Nagar, Gali No. 12, Jail Road , Hari Nagar West Delhi - 110058 have changed my name to Sarabjit Kaur Suri for all future purposes.

NAME CHANGE
I Mohd Shakir S/o Abdul Hafiz R/o R 11, New R Block, Anand Vihar, Uttam Nagar, Delhi have changed my name to MD Shakir Raja for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHALU D/O RANDHIR SINGH MALIK R/O C-1031-1032, PALAM EXTENSION, SECTOR-7, DWARKA, DELHI-110077, HERE BY DECLARE THAT SHALU AND SHALU MALIK REFER TO ONE ANE THE SAME PERSON. HENCEFORTH, I SHALL BE KNOW AS SHALU FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I RAHUL DEV SHARMA S/o HEM CHAND SHARMA R/o Khasra No - 76/3 , Gali No - 3 , B - Block , Ajit Vihar , Near Triguneshwari Devi Mandir , Kamal Pur Majra Burari , North Delhi , Delhi - 110084 declare that the name of mine and my father has been wrongly written as RAHUL SHARMA and SH H C SHARMA in my Driving Licence No . DL01 20059133796 and as name of mine RAHUL SHARMA in my Passport No E2876869 The actual name of mine and my father are RAHUL DEV SHARMA and HEM CHAND SHARMA , Which may be amended according .

NAME CHANGE
It is for general information that I SHAKTI SINGH S/O A.K SINGH R/O C - 1/45 Ground Floor , Muskan Apartment , Sector - 17 Rohini , PO : Rohini Sector 15 , Narela , North West Delhi , Delhi - 110089 declare that the name of my minor son has been wrongly written as KYANSH in my minor son namely KYANSH SINGH aged 13 years in his School Record. The actual name of my minor son is KYANSH SINGH , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. JC- 879923L Rank-NB/SUB Name-GAIDHANI BHARAT VITHOBA R/o VILL-PALASE, PO- PALASE, TEH-NASIK, DIST-NASIK, (MAHARASHTRA) – 422101 have changed my name from AYUSH BHARAT GAIDHANI to AAYUSH BHARAT GAIDHANI for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 31/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, KRISHN AVTAR SHARMA S/O VISH BANDHU SHARMA R/O C-135, Gali No-7, Rajpur Khurd Colony Raj Pur, Khurd, Ignou, South Delhi, Delhi-110068 have changed the name of my minor daughter GAMINI SHARMA aged 16 years and she shall hereafter be known as KAMINI SHARMA.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल हमारी ग्राहक मोहम्मद यूनुस सीमा नगर पालिका के अंतर्गत मोहल्ला मजीदपुरा हापुड में स्थित भूमि खसरा नंबर 1269 के हिस्से में से 82.50 वर्ग गज यानी 69 वर्ग मीटर यानी 0.0069 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय भाग प्लॉट संख्या 26, 21, 20, 22, 23, 15, 16 और 17 का मालिक है। हापुड परगना एवं तहसील एवं जिला हापुड उत्तर प्रदेश। सेल डीड दिनांक 10.06.2022 वी वीडियो दस्तावेज़ संख्या 4778, खंड संख्या 12689, पुस्तक संख्या 1, पेज 161-190, दिनांक 10.06.2022, एसआरओ-आई हापुड के आधार पर, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में उल्लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी (1) स्वर्गीय श्री हसरत अली पुत्र श्री बशीर का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी और कोर्ट का आदेश (बिक्री के संबंध में) अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल फाइनेंस लिमिटेड शाखा- राज नगर गाजियाबाद, यूपी द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्जस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राजीव गहलोत, राकेश गहलोत, राजेश, संजीव गहलोत समस्त पुत्रगण स्वर्गीय करतार सिंह एवं श्री विजेन्द्र गहलोत व सुरेन्द्र सिंह पुत्रगण स्वर्गीय जय सिंह, एक आवासीय प्लॉट नंबर 98-बी, क्षेत्रफ़ल 65 वर्ग गज, खसरा संख्या 25/17/2, स्थित ग्राम डाबरी, कॉलोनी डाबरी एक्सटेंशन,न्यू दिल्ली 11045, के मालिक व काबिज हक त्याग विलेख दिनांक 06.10.2023, रजिस्टर्ड दिनांक 13.102023, क्रमांक 12328, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 12473,पेज 92/97, सब रजिस्ट्रार IX, न्यू दिल्ली एवं हक त्याग विलेख दिनांक 06.10.2023, रजिस्टर्ड दिनांक 10.10.2023, क्रमांक 12128, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 12464, पेज 115/120, सब रजिस्ट्रार IX, न्यू दिल्ली, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्किल उक्त संपत्ति को श्रीमती वैष्णवी रानी/श्री ईश्वर सिंह को बेच रहे हैं जो बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लि0, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Zainab Fatma, D/o Sharik Ali, R/o Kamalpur, Bulandshahar, Uttar Pradesh-203001, have changed my name from "Zainab Fatma" to Zenab Fatima". Henceforth I would be known by the name of "Zenab Fatima". Zainab Fatma and Zenab Fatima is one and the same person.

PUBLIC NOTICE
That my client Smt. AGYA KAUR W/o late Sh Manmohan Singh Rekhi , R/o H. No. 80 Jagriti Enclave Delhi 110092, (AADHAR CARD NO 4402 7485 8081 hereby declare that through this notice she disowns and debarre her both daughters Smt Rajinder Kaur W/o Parminder Singh Bindra and Smt Paramjit Kaur W/o Gurdeep Singh Dhodi and their all legal heirs, Representatives, from all of my movable and immovable properties.With the immediate effect, they shall have no right, title, interest or claim whatsoever in my properties henceforth. Any person dealing with them in regard to my all properties shall be doing so at their own risk and cost and my client will not be held responsible for any act or dealing done by both of my daughters or their legal heir.

ADV SANDEEP KUMAR
D-214, KARKARDOOMA COURT
COMPLEX DELHI - 110032
MOB : 9871321895

NAME CHANGE
I, DIMPLE GUPTA Wife of No-13625426K Rank-HAV Name-AJIT KUMAR GUPTA Presently residing at VILL-NARIPACHDEVARA, TEH-SAIDPUR, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233303, have changed my name from DIMPLE GUPTA to DIMPLE AJIT GUPTA for all future purposes vide Affidavit dated 30/01/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR S/O BALDEV RAJ KHOKHA R/O C-2/14 3RD FLOOR, RANA PARTAP BAGH, DELHI-110007. have changed my name to MANISH KUMAR KHOKHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAMTA W/O MANISH KUMAR KHOKHA R/O C-2/14 3RD FLOOR, RANA PARTAP BAGH, DELHI-110007. have changed my name to MAMTA KHOKHA for all future purpose.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, RAMAKANT KUSHAWAHA father of NO-14660333K Rank- HAV Name- PAPPU KUSHWAHA residing at VPO-SARAIYA MAHANTH PATTI, TEHSIL-KASIA, DIST-KUSHI NAGAR, UTTAR PRADESH-274401, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 03/05/1951 vide affidavit dated 31/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KALIKA, is legally mother of Army No. 2805394F, Rank – Hav, Name – JADHAV PRAVIN BABAN, presently residing at Vill – Kumthe, Post – Kumthe, Teh – Koregaon, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415501, have changed my name from KALIKA to KALIKA BABAN JADHAV and date of birth from 06/10/1958 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BABAN, is legally father of Army No. 2805394F, Rank – Hav, Name – JADHAV PRAVIN BABAN, presently residing at Vill – Kumthe, Post – Kumthe, Teh – Koregaon, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415501, have changed my name from BABAN to BABAN BABURAV JADHAV and date of birth from 06/10/1953 to 02/10/1953 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Meena Kumari Barman W/O Sonu Kumar R/O T-183, 3rd floor Baljeet nagar delhi 110008 changed my name to Meena

NAME CHANGE
I, Sanya Singh D/O Bhupinder singh rajora R/O 501, kakrola housing complex, N. S. I. T dwarka new delhi, south west delhi 110078 changed my name to Sanya

NAME CHANGE
I, Mohammad Alam S/O Mohammad Umar R/O A-61/2 golden enclave ranaji enclave part-2 Nazafgarh delhi 110043 changed my name to Md Alamgir

NAME CHANGE
I Fulgunee Mishra w/o Ravi Tiwari R/o, B-3 old govindpura street no 22 krishna nagar east delhi delhi,110051 Have changed my name To Falguni Tiwari

NAME CHANGE
I AL TUTMISH S/O MOHAMMAD ZAKI R/O 2658 MOHALLA NIYARIYAN G B ROAD DELHI GPO NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO ALTAMASH ZAKI

PUBLIC NOTICE
This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. 1.Regd. Sale Deed Dated 15.05.2007 With Document No. 3732, Book No. 1, Volume No. 9752/832, Pages 141/54-55 at SR-Gurugram Which executed by Sh. Shiv Lal Saini in favour of Smt. Anguri Devi. 2. Regd. Sale Deed Dated 10.07.2013 With Document No. 8855, Book No. 1, Volume No. 13045/3013, Pages 13/95-96 at SR-Gurugram Which executed by Smt. Anguri Devi in favour of Smt. Uma Devi pertaining to "House No. 1089/29, Area Measuring 75 Sq. Yds., Out of Khasra No.10207/73/12/2949/2/1, Situated at Waka Siwana Moja Gurugram, Tehsil and District Gurugram Haryana". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Borrower i.e. Smt. Kumari Nidhi who has agreed to Mortgage the 'said property' and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., DST-GURUGRAM BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated: 31-01-2026 Advocate Ghanshyam Singh,
Place : Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Amit Kumar S/o Late Mr. Jogaram is the owner of Freehold Commercial Shop No. 676/4, area measuring 50 sq. yds.,& Residential House old Nagar Nigam Palika No. 425/5, area measuring 50 sq. yds., i.e. 41.8 sq. mtrs., Situated at Pratap Vihar Colony (Gagan Vihar) Kasba Dadri, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P., by virtue of Sale Deed dated 01.04.2025 Vide doc. No. 16933, Vol. No. 30914, Book No. I, Page No. 117-140, SRO- Dadri & Sale Deed dated 01.04.2025 Vide doc. No. 16934, Vol. No. 30914, Book No. I, Page No. 141-164, SRO-Dadri., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of late Mrs. Hansa Devi, (2) Death Certificate & SMC of Late Mrs. Usha Rani., now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Utkarsh Small Finance Bank Limited. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Inderpreet Singh Bhatia and Sh. Tirath Singh Bhatia** is the owner of Entire Second Floor along with the roof rights over the Second floor upto sky of the residential plot of land bearing No. 274, in Block `A' measuring 216.66 Sq. Yds., situated at Defence Colony, New Delhi, from Mr. Saleem who is the owner of the property vide Sale Deed dated 27/04/2023 which is registered as doc no. 2467, vol no. 2461, pages 128-145, SR-V (1) and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Finance.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, PARVEEN KUMAR YADAV S/O RANJEET SINGH YADAV R/O AVL-36A,TOWER-2,FLAT NO-205,SECTOR-36A,GURUGRAM,HARYANA-122004,HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVEEN KUMAR YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Safiq S/o Maqbool Ahmad R/o L-2-860, Bandh Road, Sangam vihar, Deoli, South Delhi, Delhi - 110062 declare that name of mine, my wife and my Minor Son have been Wrongly written as Safik , Maksuda and Ashif in my Minor Son Aasif aged 15 years in his School Records. The actual name of mine, my wife and my Minor Son is Safiq , Maksooda and Aasif respectively

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Parveen Kumar S/o Krishan R/o-756, Near Bharat Sewak Samaj Society, Rajokari Pahari, A F Rajokari, PO: A F Rajokari, DIST: South West Delhi, Delhi - 110038, Declare that name of my Father has been Wrongly written as Kishan in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is Krishan

NAME CHANGE
I ELYAS S/O MANSAV R/O , E 20 A -25, SHASTRI MAHLAA , PATPARGANJ DELHI-110091, I have changed my name to ILIYAS Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as TARANNUM W/o MOHD ASIF SHAIKH R/o WZ-166, FF, Ranjeet Nagar, Patel Nagar South, Central Delhi, Delhi-110008, have changed my name and shall hereafter be known as TARANNUM MOHD ASIF SHAIKH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD ASIF SHAIKH S/O SHAHBUDDIN R/o WZ-166, FF, Ranjeet Nagar, Patel Nagar South, Central Delhi, Delhi-110008,declare that name of my minor daughter has been wrongly written as JAVERIA in my minor daughter namely JAVERIA MOHD ASIF SHAIKH aged 11 Years in her School Recode. The actual name of my minor daughter is JAVERIA MOHD ASIF SHAIKH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NASEEM S/O BHOORE HUSAIN R/O FLAT NO.14, 3RD FLOOR, H.NO.64, GALI NO.20A, ZAKIR NAGAR, DELHI-110025, HAVE CHANGED MY NAMR FROM MOHAMMAD NASEEM TO MOHD NASEEM PERMANENTLY.

NAME CHANGE
RASEED MOHAMMED S/O MULTAN R/O HAFJABAD URF SURJAN KA NANGLA, HASSANPUR, DISTT PALWAL HARYANA 121107. HAVE CHANGED OF MY NAME RASID MOHAMMED TO RASEED MOHAMMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as SHAKUR ALI SHEIKH S/O AMIR ALI SHEIKH R/O F-44, NO-2, SHASTRI PARK, SHASTRI PARK, NORTH EAST DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as SUKUR ALI SEIKH.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Baidya Nath Goshwami** is purchasing Plot of land area measuring 150 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 572 Min, situated in the area of village Pasonda, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad (U.P) from Mr. Saleem who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL Dated 20.02.1997 and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited)** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I Satpal Singh S/o Jinda Ram, House No. A-59, Gali No.3, A-Block, Uttrakhand Enclave, Burari, North Delhi, Delhi, 110084 have changed my name to Satpal Sharma for All future purposes.

NAME CHANGE
I Anil Sharma S/o Late Chirangi Lal R/o N-97 THIRD FLOOR, KHYALA ROAD INDIAN BANK SHYAM NAGAR, VISHNU GARDEN, TILAK NAGAR, TILAK NAGAR, WEST, NCT OF DELHI-110018 have change my name to Anil Kumar Sharma Son of Late Chiranji Lal Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I,MOHMMAD SAEED S/O MOHAMMAD SALEEM R/O HOUSE NO. 585 GALI JUTE WALI CHURIWALAN JAMA MASJID DELHI-110006,HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMED SAEED TO MOHAMMAD SAEED.

NAME CHANGE
I, SONALI LAKRA, daughter of Ravinder Dhankar resident of House No 269, Indraprastha Enclave, A2 Sector 17, Dwarka, Delhi-110078, declare that my name SONALI LAKRA is inadvertently mentioned in my some documents as SONALI DHANKAR. But my real and correct name is SONALI LAKRA. That SONALI LAKRA & SONALI DHANKAR is the same and one same person.

NAME CHANGE
I, KULDEEP SINGH, son of Late Balwan Singh, aged 55 years, resident of H No. 388, Near Guga Park,Mundka, Delhi- 110041, declare that my name KULDEEP SINGH is inadvertently mentioned in my some documents as KULDEEP LAKRA and KULDEEP SINGH LAKRA respectively. But my real and correct name is KULDEEP SINGH That KULDEEP SINGH , KULDEEP LAKRA & KULDEEP SINGH LAKRA is the same and one same person.

NAME CHANGE
I KRISHANBEER TANWAR S/o Parsha R/o 131 Darghai Mohalla Fatehpur Beri New Delhi 74 have changed my name KRISHANBIR TANWAR

NAME CHANGE
I, PRITHIVI TANWAR S/o Krishanbir Tanwar R/o 131 Fatehpur Beri South Delhi 74 have changed my name PRITHVI TANWAR

NAME CHANGE
I, DEEPAK CHAUHAN S/o Dinesh Chauhan R/O A 168 BOLCK A Aali Vihar Sarita Vihar DELHI1 10074 changed my name DEEPAK CHAUDHARY

NAME CHANGE
I, DAS GARIMA D/o Manoj Grover R/o B73 Transit Camp Govind Puri New Delhi 19 changed my name GARREEMAA

NAME CHANGE
I, GULAM ASKARI S/o Sibte Abbas R/o D 26 2ND FLOOR ABUL FAZAL ENCLAVE 2 SHAEEN BAGH JAMIA NAGAR NEW DELHI 110025 changed my name TO GHULAM ASKARI

NAME CHANGE
I, SHAHNADAR FATMA W/o GHULAM ASKARI R/o D 26 2ND FLOOR ABUL FAZAL ENCLAVE 2 SHAEEN BAGH JAMIA NAGAR NEW DELHI 110025 changed my name TO SHANDAR FATMA

Public Notice
It is for general information that I, MD SARFARAJ KHAN SON OF MOHD HASIB KHAN RESIDENT OF HOUSE NO.150, CHHAWAGHAR, KUSI, DISTT. GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232326, declare that name of mine has been wrongly written as MD. SARFARAZ KHAN my service record That actual name of mine is MD. SARFARAJ KHAN respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Khushboo Bansal D/O Satveer Singh R/O Garhi Jassi, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Ananya Bansal

NAME CHANGE
I, SUNNY KUMAR alias VIPIN KUMAR S/O RAJENDER SINGH R/o A-356, Sector-69, VTC: Noida, PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh- 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SUNNY KUMAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as ABHISHEK SINGH CHHONKER alias ABHISHEK CHHAUNKAR S/O YASHPAL SINGH R/O Thora, PO: Thora, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203155, have changed my name and shall hereafter be known as ABHISHEK CHHAUNKAR.

NAME CHANGE
I, KAMAL, is legally mother of Army No. 2821133X, Rank – Sep, Name – KSHIRSAGAR KARAN ARJUN, presently residing at Vill – Lonand, Post – Lonand, Teh – Khandala, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415521, have changed my name from KAMAL to KAMAL ARJUN KSHIRSAGAR for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHOBHA, is legally mother of JC No. 463222X, Rank – Nb Sub, Name – SAWASE YUVRAJ NIVARUTTI, presently residing at Vill – Mirajwadi, Post – Mirajwadi, Teh – Walwa, Dist – Sangli, State – Maharashtra – 416301, have changed my name from SHOBHA to SHOBHATAI NIVRUTTI SAWASE and date of birth from 01/02/1957 to 14/05/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, NIVRUTTI, is legally father of JC No. 463222X, Rank – Nb Sub, Name – SAWASE YUVRAJ NIVARUTTI, presently residing at Vill – Mirajwadi, Post – Mirajwadi, Teh – Walwa, Dist – Sangli, State – Maharashtra – 416301, have changed my name from NIVRUTTI to NIVRUTTI AKARAM SAWASE and date of birth from 01/02/1955 to 02/06/1952 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KANCHAN, is legally mother of JC No. 463214Y, Rank – Nb Sub, Name – SHINDE PRAKASH SAMBHAJI, presently residing at Vill – Hanmantwadi, Post – Hanmantwadi, Teh – Karveer, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416010, have changed my name from KANCHAN to *KANCHN SAMBHAJI SHINDE* and date of birth from 28/03/1965 to 01/01/1962 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/01/2026 before Public Notary Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मानसून व शरद ऋतु में बढ़ते हैं मानसिक रोग, अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की शोध

एजेंसी

हिसार। जिले के अग्रोहा स्थित महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर डॉ. सीमा शर्मा व मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. शेखू बिश्नोई के नेतृत्व में किए गए एक महत्वपूर्ण अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि मानसिक रोगों के मामलों में मौसम के अनुसार स्पष्ट और निरंतर उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। यह अध्ययन जनवरी 2022 से दिसंबर 2024 के बीच कॉलेज की मनोरोग ओपीडी में आए मरीजों के रिकॉर्ड के विश्लेषण पर आधारित है। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार मानसून और शरद ऋतु, विशेषकर अगस्त और सितंबर के महीनों में मानसिक रोगों के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अध्ययन में यह भी पाया गया कि मानसिक रोगों से सबसे अधिक प्रभावित आयु वर्ग 20 से 39 वर्ष का है, जो समाज की आर्थिक रूप से सक्रिय एवं कार्यशील आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। यह तथ्य मानसिक स्वास्थ्य को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक चिंता के रूप में रेखांकित करता है। शोध के अनुसार मूड डिसऑर्डर, विशेष रूप से डिप्रेशन सबसे आम मानसिक रोग पाए गए। तनाव के मामले मानसून और शरद ऋतु खासकर अगस्त माह में सर्वाधिक रहे, जबकि सर्दियों के महीनों में इनमें गिरावट देखी गई।

पंजाब यूनिवर्सिटी की एल्युमनाई एसो. ने पूर्व छात्र को किया सम्मानित

सिरसा। पंजाब यूनिवर्सिटी की एल्युमनाई एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सिरसा जिले के गांव सकताखेड़ा पहुंचकर विश्वविद्यालय के सबसे पुराने पूर्व छात्र सहीराम बिश्नोई (104 वर्ष) को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. वाईपी वर्मा, एसोसिएशन की डीन प्रो. लतिका शर्मा, प्रो. दिनेश बिश्नोई, डा. जयदेव बिश्नोई और प्रो. अर्चना चौहान शामिल थे। उन्होंने सहीराम बिश्नोई को गुलदस्ते भेंट करने उपरांत सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल ने सहीराम बिश्नोई के साथ कुछ समय गुजारा और उनसे उनके छात्र जीवन तथा विभाजन काल के अनुभवों को सुना और यादों को ताजा किया। इस दौरान सहीराम ने अपनी पढ़ाई, जीवन यात्रा और लंबी उम्र के रहस्य सहित विभाजन के दौरान हुई कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी सांझा की। विश्वविद्यालय की ओर से एक अत्यंत असाधारण कदम उठाते हुए यह सम्मान पहली बार किसी पूर्व छात्र के घर जाकर दिया गया, क्योंकि आम तौर पर सम्मान समारोह कैंपस में आयोजित होते हैं। इस निर्णय के पीछे सहीराम की उम्र और उनके योगदान की ऐतिहासिक महत्ता को ध्यान में रखा गया है। प्रो. लतिका शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी में सहीराम का सहपाठी 103 वर्षीय है जो अब पाकिस्तान में है।

जींद में हुआ 11 हजार से कन्याओं का पूजन

जींद। ऐतिहासिक जयंती देवी मंदिर में 11 हजार कन्याओं के पूजन को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा पहुंचे और यज्ञ में पूर्णाहुति डाली। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि हिंदू धर्म और संस्कृति में कन्या (बेटी) को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। उसे देवी दुर्गा का साक्षात रूप माना जाता है, जो घर में सुख, समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाती है। कन्या पूजन से जहां कुल दोष दूर होते हैं वहीं सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और यह समर्पण, विनम्रता व नारी के प्रति सम्मान का प्रतीक है। कन्या का जीवन में होना, घर की उन्नति का कारक माना जाता है। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मां जयंती देवी मंदिर के दरबार में हुआ यह कार्यक्रम प्रदेश सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नीति को आगे बढ़ने का काम कर रहा है। सनातन धर्म में कन्या पूजन को सबसे ऊपर माना गया है और 15 हजार से अधिक कन्याओं का पूजन करना अपने आप में एक मिसाल है। उनके पास जब इस कार्यक्रम की जानकारी आई तो उन्होंने इस कार्यक्रम में शिरकत करने का तुरंत फैसला लिया। इस कार्यक्रम में उन्हें मां जयंती का आशीर्वाद तो मिला ही साथ ही कन्या पूजन का अवसर भी मिला। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि नवरात्रि में देवी दुर्गा की नौ शक्तियों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि कन्या में देवी दुर्गा का वास होता है, इसलिए उनका पूजन करना देवी को प्रसन्न करने का सबसे अच्छा तरीका होता है। कन्या पूजन से पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने माता जयंती देवी मंदिर में शेड निर्माण हेतु 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

शराब के ठेके में घुस नकली पिस्टल दिखा मारने की दी धमकी

गुरुग्राम। शराब के ठेके में घुसकर नकली पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने, मारपीट व गाली-गलौच करने के दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयोग की गई एक कार व एक पिस्टलनुमा लाइटर बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बजघेड़ा पुलिस थाना में केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार 29 जनवरी 2026 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना बजघेड़ा की पुलिस टीम को एक शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि वह टाइम्स ऑफ वाइन नामक शराब के ठेके पर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत है। 27 जनवरी 2026 को एक गाड़ी में सवार होकर तीन युवक ठेके पर आए और शराब व बीयर की बोतलें खरीदीं। भुगतान के समय उन्होंने शराब पर डिस्काउंट की मांग की। जब इसने डिस्काउंट के लिए ठेकेदार से बात कराने की बात कही तो उन्होंने ठेके के स्टाफ पर ही डिस्काउंट देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसी दौरान उनमें से एक युवक ने स्वयं को ठेकेदार बताते हुए उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट करनी शुरू कर दी।

कमजोर वर्गों के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं: प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल का मूल मंत्र यूनाइट फॉर गुड केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण, करुणा और निस्वार्थ सेवा की सशक्त अभिव्यक्ति है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति इस बात से आंकी जाती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंच रहा है। यदि गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग पीछे रह जाते हैं, तो विकास अधूरा रह जाता है। यह बात उन्होंने सेक्टर-64 स्थित औरेना कन्वेंशन सेंटर में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3011 द्वारा आयोजित वार्षिक जिला सम्मेलन अभ्युदय में बोलते हुए कही। सम्मेलन के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों के अंतर्गत राज्यपाल ने 1000 बालिकाओं को साइकिलें वितरित कीं। इससे बालिकाओं की स्कूल तक पहुंच सुगम होगी और उनकी शिक्षा निरंतर जारी रह सकेगी। इसके अतिरिक्त नेशनल एसोसिएशन

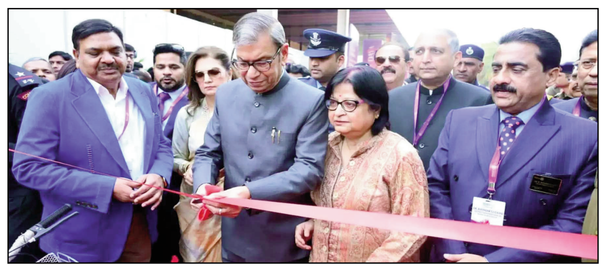

ऑफ ब्लाइंड के बच्चों को लगभग 200 मेटा ग्लासेस प्रदान किए गए, जो आधुनिक तकनीक के माध्यम से उनकी पढ़ाई, पढने़-लिखने और दैनिक गतिविधियों में सहायता करेंगे। राज्यपाल ने लास्ट माइल डेवलपमेंट की अवधारणा पर विशेष बल देते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और समान अवसरों को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने रोटेरियनों से आह्वान किया कि वे अपनी नेतृत्व क्षमता, संसाधनों और सेवा भावना का उपयोग कर समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने सेवा, एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। सम्मेलन स्थल पर विभिन्न क्लबों की उपलब्धियों, परियोजनाओं और सामाजिक प्रभाव को डिजिटल स्क्रीन, प्रदर्शनी और प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को रोटरी के व्यापक सेवा कार्यों की जानकारी मिली। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य क्षेत्र में डॉ. डी.एस. राणा चेयरमैन, सर गंगा राम हॉस्पिटल ट्रस्ट को निःस्वार्थ स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय नेतृत्व के लिए, सिविल सेवा में टी.सी. गुप्ता, मुख्य आयुक्त, हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन को पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन के लिए तथा मीडिया क्षेत्र में अमिश देवगन को प्रभावशाली पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया।

केंद्रीय बजट में विकास, संतुलन और भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा: सुमित गुप्ता

एजेंसी

यमुनानगर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यमुनानगर के महासचिव सुमित गुप्ता ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट को देश की आर्थिक प्रगति के लिए सशक्त और संतुलित दस्तावेज़ बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल वर्तमान आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखता है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भारत की विकास यात्रा को भी स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। सुमित गुप्ता के अनुसार बजट में उद्योग, व्यापार, मध्यम वर्ग और युवाओं की जरूरतों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित किया गया है। कर ढांचे में स्थिरता और सरलता बनाए रखने पर जोर देकर सरकार ने निवेश और व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण मजबूत किया है। इससे करदाताओं का विश्वास बढ़ेगा और आर्थिक गतिविधियों में निरंतरता आएगी। उन्होंने कहा कि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निर्यात क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए बजट में ठोस प्रावधान किए गए हैं। कस्टम ड्यूटी से जुड़े सुधार और निर्यात-आधारित क्षेत्रों को प्रोत्साहन से भारतीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा। इसका सकारात्मक असर विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों पर पड़ेगा, जिससे रोजगार सृजन को भी बल मिलेगा। विदेश यात्रा और शिक्षा से जुड़े कर प्रावधानों में राहत को उन्होंने आम लोगों और विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इससे न केवल मध्यम वर्ग को सुविधा मिलेगी, बल्कि पर्यटन, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में भी नई ऊर्जा का संचार होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर बजट के फोकस की प्रशंसा करते हुए सुमित गुप्ता ने कहा कि हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर जैसी योजनाएं देश की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाएंगी।

फैक्टरी में लगी आग दो मजदूर जिंदा जले

एजेंसी

फरीदाबाद। गांव पाखल स्थित प्लाईवुड बनाने वाली ड्रीम प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में बुरी तरह से जली हुई हुई लाशें मिली हैं।शुक्रवार को इस फैक्ट्री में आग लग गई थी। दोनों कंकाल फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों के बताए जा रहे है। पुलिस मामले की जांच कर कर रही है। धौज पुलिस थाना प्रभारी दर्पण ने बताया कि, जो दो ककांल मिले हैं। उनमें एक संभल यूपी के रहने वाले मोहम्मद आलिम का है, जबकि दूसरा बिहार का रहने वाला अरविंद है। दोनों की कुछ दिन पहले फैक्ट्री में काम करने के लिए आए थे। फैक्ट्री के अंदर प्लाईवुड की शीट पर डिजाइन बनाने का काम किया जाता है। पुलिस की जांच के मुताबिक, शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही है। फैक्ट्री में रात करीब ढाई बजे अचानक से आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने फैक्ट्री के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद दोनों अपना सामान निकालने के वापस फैक्ट्री में गए थे। लेकिन वो लोग नहीं निकल पाए। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। धौंज थाना प्रभारी दर्पण ने बताया कि फैक्ट्री मालिक की तलाश की जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें लापता मजदूरों की तलाश में लगातार जुटी हुई हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने के सही कारणों का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने दोनों कंकाल को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

एमएसएमई, फार्मा और आयुर्वेद को नई ताकत, रोजगार और स्वास्थ्य को मिला बढ़ावा: अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट दूरदृष्टि, संतुलन और समावेशी विकास की सोच के साथ तैयार किया गया है, ताकि समाज के हर वर्ग को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में यह बजट 'बुलेट ट्रेन की गति' से देश को आगे ले जाने वाला साबित होगा। मीडिया कर्मियों से आज बातचीत करते हुए अनिल विज ने कहा कि इस केंद्रीय बजट में किसान, श्रमिक, मध्यम वर्ग, उद्योग, युवा और महिलाओंकृसभी के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। यह बजट न केवल

वर्तमान जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट में एमएसएमई सेक्टर, फार्मा उद्योग और कपड़ा निर्माण को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और आम आदमी की जरूरतों से जुड़ी वस्तुएं सुलभ और किफायती बनेंगी। उन्होंने कहा कि कैंसर की दवाओं और उपचार से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी में कटौती कर सरकार ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है, जिससे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बजट में आयुर्वेद के लिए एक एम्स स्तर के संस्थान की घोषणा अत्यंत सराहनीय कदम है, जिससे पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इससे आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शिक्षा और उपचार को मजबूती मिलेगी। विज ने आगे कहा कि बजट में नए फ्रेट कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा से देश की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था मजबूत होगी, परिवहन लागत कम होगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में संगठन को मिलेगी नई दिशा और ऊर्जा : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट करते हुए उन्हें उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन निरंतर प्रगति करेगा और देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

खेल राज्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ यह मुलाकात अत्यंत प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शक रही। उनके दीर्घ संगठनात्मक अनुभव, गहन जमीनी समझ तथा स्पष्ट एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि संगठन को उनके नेतृत्व में नई दिशा और नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का राजनीतिक

एवं संगठनात्मक जीवन निरंतर समर्पण, अनुशासन और कर्मठता का प्रतीक रहा है। उन्होंने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया है और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा है। उनका कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि वे संगठन की जड़ों को सुदृढ़ करने में विश्वास रखते हैं, क्योंकि किसी भी दल की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ता ही होते हैं। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का नेतृत्व युवाओं को प्रेरित करने वाला है और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों का सम्मान करते हुए संगठन को संतुलित एवं सशक्त दिशा देने में सक्षम है। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, स्पष्टता और परिणामोन्मुख सोच दिखाई देती है, जो निश्चित रूप से पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी।

करनाल में नीलोखेड़ी-तरावड़ी के सेक्टर 16 का बदलेगा नक्शा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने नीलोखेड़ी-तरावड़ी क्षेत्र के मास्टर प्लान 2041 में बड़ा बदलाव किया है। 2041 की संभावित आबादी के हिसाब से यहां विकसित किए जा रहे सेक्टर-16 के सेक्टोरल प्लानिंग में संशोधन को सैद्धांतिक मंजूरी सरकार ने दी है। विभाग ने इस संबंध में पब्लिक नोटिस जारी कर आम जनता से 30 दिनों के भीतर आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित किए हैं। विभाग ने पहले से स्वीकृत सेक्टोरल प्लान और नए प्रस्तावित सेक्टोरल प्लान दोनों की स्कैन कॉपी अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई है। संशोधित प्लान के तहत सेक्टर-16 में आवासीय, वाणिज्यिक व पब्लिक यूटिलिटी क्षेत्र का नया पुनर्गठन किया गया है। मुख्य सड़कों, ग्रीन बेल्ट, ओपन स्पेसेस और यूटिलिटी जोन का भी नये तरीके से निर्धारण किया है।

प्लान के मानचित्र में पुराने व नए क्षेत्रों का स्पष्ट विभाजन और रिहायशी क्षेत्र, कमर्शियल जोन व जनसुविधाओं के क्षेत्र की नई सीमा तय की हैं। इस बदलाव से कई प्लॉटों व मार्गों की दिशा भी बदली जा सकेगी। पब्लिक नोटिस में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति इस प्रस्तावित संशोधन के खिलाफ एसटीपी पंचकूला के कार्यालय में 30 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दाखिल कर सकता है। देर से मिली आपत्तियां स्वीकार नहीं होंगी। इसके बाद एसटीपी पंचकूला की टीम 15 दिनों में सभी आपत्तियों का तकनीकी मूल्यांकन करेगी। रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाएगी। अंतिम निर्णय वहीं से होगा। यह प्रक्रिया इस बात को सुनिश्चित करती है कि किसी भी विकासात्मक परिवर्तन से स्थानीय निवासियों, निवेशकों और संस्थानों को प्रभावित न होने दिया जाए, या उनकी चिंताओं का समाधान पहले ही कर दिया जाए। माना जा रहा है कि नीलोखेड़ी-तरावड़ी तरावड़ी क्षेत्र एनएच-44 कॉरिडोर पर होने के कारण तेजी से विकसित हो रहा है। सेक्टर-16 की नई जोनिंग नए कमर्शियल केंद्रों के लिए रास्ता खोलेगी।

ऑस्ट्रेलिया में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने की न्यू साउथ वेल्स विस अध्यक्ष ग्रेग पाइपर से विधायी विषयों पर चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण अपने सात दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की विधान सभा के अध्यक्ष ग्रेग पाइपर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों विधायी संस्थाओं की परंपराओं, संसदीय कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान विधानसभा संचालन, विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक के उपयोग, सदन की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने, विधायकों के प्रशिक्षण, समितियों की भूमिका तथा संसदीय मर्यादाओं के पालन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों अध्यक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि मजबूत विधान सभाएं लोकतंत्र की रीढ़ होती हैं और इनके माध्यम से जनआकांक्षाओं को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया जा सकता है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि दोनों विधान सभा लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती हैं। एक-दूसरे के संसदीय अनुभवों से सीख लेकर विधायी संस्थाओं को और अधिक

सक्षम, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाया जा सकता है। उन्होंने हरियाणा विधान सभा में अपनाई जा रही विभिन्न नवाचारों और सुधारात्मक प्रयासों की जानकारी भी साझा की।

न्यू साउथ वेल्स विधान सभा अध्यक्ष ग्रेग पाइपर ने हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का स्वागत करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी संसदीय परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। हरियाणा भारत में विशिष्ट स्थान रखता है। दोनों विधान सभाओं के बीच संवाद और सहयोग से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर हरियाणा विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, असंध से विधायक योगेन्द्र राणा भी मौजूद रहे।

दो ट्रकों की टक्कर, टायर बदल रहे चालक की मौत

एजेंसी

जींद। जुलाना क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 152 डी पर बुढ़ा खेड़ा-लाठर गांव के पास दो ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई। जिसमें एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रक चालक बालिस नारनौल से अंबाला की ओर जा रहा था। जब वह बुढ़ा खेड़ा गांव के पास पहुंचा तो ट्रक का टायर पंचर हो गया था। जिसके बाद ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर चालक और कंडक्टर टायर बदल रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक अन्य ट्रक ने खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टायर बदल रहे शामली निवासी 22 वर्षीय चालक बालिस की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस की मदद से तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। सूचना मिलते ही जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सोमित कुमार ने बताया कि एनएच 152डी पर सड़क

हादसे की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बालिस निवासी पंजिठ, जिला शामली की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के शव को एंबुलेंस के जरिये नागरिक अस्पताल जींद भिजवाया गया है। वहीं ट्रक का हेल्पर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है।

सोनीपत के खरखौदा में अवैध कालोनियों चला पीला पंजा

एजेंसी

सोनीपत। जिले में अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि नियमों का उल्लंघन कर विकसित की जा रही कॉलोनियों पर समय रहते कार्रवाई हो सके। इसी क्रम में जिला नगर योजनाकार अजमेर सिंह के नेतृत्व में विभाग की प्रवर्तन टीम ने खरखौदा क्षेत्र की राजस्व सम्पदा में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने खांड़ा बाईपास पर रोहतक रोड से सटी लगभग छह एकड़ भूमि तथा सोनीपत-झज्जर रोड पर गोपालपुर अंडरपास के निकट लगभग तीन एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया। इस दौरान 10 डीपीसी तथा कच्चे सड़क नेटवर्क को पूरी तरह हटाया गया। जिला नगर योजनाकार ने स्पष्ट किया कि जिले में किसी भी अवैध

कॉलोनी के निर्माण की अनुमति नहीं है। यदि कोई व्यक्ति नियमों के विरुद्ध कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। विभाग द्वारा जिले के सभी क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अवैध कॉलोनियों में भूखंड न खरीदें, क्योंकि इनमें सड़क, पानी, सीवरेज और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं। भूखंड खरीदने से पहले यह सुनिश्चित करें कि कॉलोनी विधिवत स्वीकृत है।

लेबर कोड, श्रमिक बोर्ड समस्या को विधानसभा से लेकर संसद तक मजबूती से उठायेंगे: दीपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की मौजूदगी में यहां सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने द इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस इंटक की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में शिरकत की। इस अवसर पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मजदूर संगठनों की मांगों को जायज बताते हुए आगामी 12 फरवर 2026 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के लिये मुश्किल समय है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, लेकिन उन्होंने अर्थव्यवस्था को चौपट करने के भी नौ रिकार्ड बनाए हैं, ऐसा 78 साल में पहली बार हुआ है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने एक-एक कर सारे रिकॉर्ड गिनाते हुए बताया पहला रिकार्ड-78 वर्ष में देश की करेंसी सबसे निम्नतम स्तर पर पहुंच गई। डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे निचले स्तर पर है। दूसरा रिकार्ड-78 साल का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा 41.7 बिलियन डॉलर रिकार्ड हुआ। तीसरा रिकार्ड-गरीब और अमीर के बीच खाई बढ़ती जा रही है। चौथा रिकार्ड-पिछले 10 साल में बड़े-बड़े कार्पोरेट घरानों के 16 लाख करोड़ माफ हुए। यूपीए सरकार ने किसानों का 78 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया तब बीजेपी ने कांग्रेस सरकार की खूब आलोचना की। पांचवां रिकार्ड-सबसे ज्यादा मोनोपॉली ड्यूओपॉली प्राइवेट सेक्टर को दी गई। छठा रिकार्ड-बेरोजगारी का पैटर्न मैन्युफैक्चरिंग से कृषि क्षेत्र की ओर पलट गया जो देश के लिए चिंताजनक ट्रेंड है। यूपीए सरकार के समय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 12.8 प्रतिशत लोग थे, जो घटकर 11.5 प्रतिशत रह गए। सातवां रिकार्ड-देश-प्रदेश की सरकारों पर कुल कर्ज जीडीपी का 82 प्रतिशत तक पहुंच गया। चुनाव जीतने के लिए भी सरकारें कर्ज ले रही है।

रॉयल एनफील्ड की दिसंबर की बिक्री में आया उछाल

नई दिल्ली ।

रॉयल एनफील्ड कंपनी फिलहाल भारतीय बाजार में 350सीसी से 650सीसी सेगमेंट तक कुल नौ मॉडल बेचती है और खास बात यह है कि लगभग सभी अपने-अपने सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं। रॉयल एनफील्ड ने दिसंबर 2025 में एक बार फिर अपने सबसे लोकप्रिय मॉडल क्लासिक 350 की बदौलत मजबूत सेल्स दर्ज कीं।

इन सबमें क्लासिक 350 कंपनी के लिए 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' साबित हो रही है। दिसंबर में इसकी सबसे ज्यादा 34,958 यूनिटें बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 5,321 यूनिट अधिक हैं। इस मॉडल ने सालाना आधार पर 17.95फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की और 37.52फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। बुलेट 350 भी बिक्री में तेजी से आगे बढ़ी। दिसंबर 2025 में इसकी 24,849 यूनिटें बिकीं, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 76.87फीसदी की ग्रोथ है। वहीं हंटर 350 ने 20,654 यूनिटों की बिक्री के साथ 50.28फीसदी की तेजी दर्ज की। मीटिओर 350 की बिक्री भी 10,097 यूनिट के साथ 58.61फीसदी बढ़ी। हालांकि हिमालयन, 650 ट्विन, गुरिल्ला और शॉटगन जैसे मॉडल इस बार पिछड़ गए। इनमें हिमालयन की 23.81फीसदी, 650 ट्विन की 48.91फीसदी, गुरिल्ला की 49.88फीसदी और शॉटगन की 42.62फीसदी की सालाना गिरावट रही। फिर भी कंपनी की कुल बिक्री बहुत मजबूत रही।

दिसंबर 2025 में रॉयल एनफील्ड ने कुल 93,177 यूनिटें बेचीं, जो दिसंबर 2024 के 67,891 यूनिट के मुकाबले 25,286 यूनिट ज्यादा हैं। यानी कंपनी ने सालाना आधार पर 37.24 फीसदी की दमदार ग्रोथ हासिल की। क्लासिक, बुलेट और हंटर ने लगातार तीसरी बार शीर्ष तीन पोजीशन पर कब्जा बनाए रखा और यह इस बात का संकेत है कि 350सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की पकड़ अभी भी बेहद मजबूत है। इन आंकड़ों से साफ है कि कंपनी का 350सीसी पोर्टफोलियो भारतीय बाजार में लगातार भरोसे का प्रतीक बना हुआ है।

फरवरी में बढ़ेगी गर्मी, रबी फसलों पर मंडराया खतरा

- उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से अधिक, बारिश औसत से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने फरवरी महीने के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान में चेतावनी दी है कि इस साल देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि बारिश औसत से कम होने की संभावना है। खासतौर पर उत्तर-पश्चिम भारत में कम बारिश और बढ़ते तापमान से रबी की खड़ी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई गई है। आईएमडी के अनुसार पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में फरवरी के दौरान अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की वृद्धि तेज हो सकती है। इससे गेहूं और जौ जैसी फसलें समय से पहले पक सकती हैं, जिसे जबरन पकाव कहा जाता है। इसका नतीजा बालियों का आंशिक रूप से बंजर होना और दानों का हल्का रहना हो सकता है, जिससे कुल पैदावार घटने की आशंका है। सरसों, चना, मसूर और मटर जैसी फसलों में सामान्य से अधिक तापमान जल्दी फूल आने और समय से पहले पकने का कारण बन सकता है। इससे फलियां पूरी तरह विकसित नहीं होंगी और बीज छोटे रह सकते हैं। साथ ही गर्म मौसम में एफिड्स और अन्य चूसने वाले कीटों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आलू, प्याज, लहसुन, टमाटर, फूलगोभी और बंदगोभी जैसी सब्जियों में अधिक तापमान कंद, फूल और फल विकास को प्रभावित कर सकता है।

फलों में आम, सिट्रस, केला और अंगूर में जल्दी फूल आने, असमान फल लगने और फल झड़ने की संभावना बढ़ सकती है। आईएमडी ने बताया कि उत्तर भारत में बोया गया 80 प्रतिशत से अधिक गेहूं गर्मी सहन करने वाली किस्मों का है और सिंचाई सुविधाएं भी बेहतर हुई हैं। इसके बावजूद किसानों को मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन और कृषि विभाग की सलाह पर अमल करने की जरूरत है।

बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ रचा नया इतिहास

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू ने लग्जरी इलेक्ट्रिक कार बाजार में अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ नया इतिहास रच दिया है। 2.05 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत वाली यह कार बीएमडब्ल्यू इंडिया की लाइन-अप में सबसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान मानी जाती है। बीएमडब्ल्यू आई7की भारत में बिक्री 1,000 यूनिट के आंकड़े को पार कर चुकी है, जो कि कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उन ग्राहकों के लिए डिज़ाइन की गई है, जो हाई-पर्फॉर्मेंस, अत्याधुनिक तकनीक और अल्ट्रा-लक्जरी फीचर्स वाली इलेक्ट्रिक कार की तलाश में हैं।

बीएमडब्ल्यू आई7 ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार के अनुसार, आई7 की बढ़ती बिक्री यह संदेश देती है कि भारत के प्रीमियम ग्राहक अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को पूरी तरह अपनाने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि बीएमडब्ल्यू आई7 सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो डिज़ाइन, लग्जरी और एक्शन में अपनी श्रेणी की सबसे अलग पहचान बनाती है। डिजाइन की बात करें तो आई 7 एक फ्यूचरिस्टिक लुक वाली कार है, जिसमें इल्यूमिनेटेड किडनी ग्रिल, प्रीमियम ड्यूल-हेडलैंप सेटअप और दमदार रोड प्रेजेंस मिलता है। इंटीरियर में 31-इंच 8के थिएटर स्क्रीन, मसाज और वेंटिलेशन वाली रियर एक्जीक्यूटिव सीटें, कर्व्ड डिजिटल डिस्प्ले और लक्जरी फिनिश इसे एक चलते-फिरते 5-स्टार लाउंज जैसा अनुभव देती हैं। बीएमडब्ल्यू इंडिया के लिए आई 7 उसकी इलेक्ट्रिक रणनीति का केंद्र मानी जा रही है।

कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार तेज़ी से कर रही है। आई 7 की सफलता यह साबित करती है कि भारत में लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और ग्राहक अब नई तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी को अपनाने के लिए पहले से अधिक तैयार हैं। परफॉर्मेंस की बात करें तो बीएमडब्ल्यू आई7 कंपनी की 5वीं जेनरेशन ईड्राइव तकनीक से लैस है और 449 एचपी की पावर तथा 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करती है। यह कार मात्र 5.5 सेकंड में 0 से 100 किमी./घंटा की स्पीड पकड़ लेती है।

डिओ 125 स्कूटर का नया एक्स-एडिशन पेश

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में डिओ 125 का नया एक्स-एडिशन पेश किया है। इसमें इंजन या परफॉर्मेंस से जुड़ा कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके कॉस्मेटिक अपडेट इसे स्टैंडर्ड डिओ 125 से काफी अलग और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन को दो नए आकर्षक रंगों में उतारा गया है, जिनमें पियर्ल सिरेन ब्लू और पियर्ल डीप ग्राउंड ग्रे शामिल हैं। यह डुअल-टोन कलर स्कीम स्कूटर को फंकी और यूथफुल अपील देती है। बॉडी पर दिए गए नए ग्राफिक्स और रेड कलर के अलॉय व्हील्स इसके लुक में जबरदस्त कॉन्ट्रास्ट जोड़ते हैं। खासतौर पर लाल अलॉय व्हील्स इस स्कूटर को भीड़ से अलग पहचान दिलाते हैं और इसे एक स्पोर्टी कैरेक्टर देते हैं। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर डिओ 125 के एच-स्मार्ट वैरिएंट जैसा ही है। इसमें टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, कॉल और एसएमएस अलर्ट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। ये सभी सुविधाएं इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी प्रैक्टिकल बनाती हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 123.92सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8.19 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन स्मूद परफॉर्मेंस और अच्छी फ्यूल एफिशिएंसी के लिए जाना जाता है। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन के आने वाले हफ्तों में भारतीय बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 93,000 से 93,500 रुपये के बीच हो सकती है। स्पोर्टी डिजाइन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ यह स्कूटर युवाओं के लिए एक मजबूत विकल्प बनकर उभर सकता है। यह स्कूटर खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस का कॉम्बिनेशन चाहते हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1546 अंक टूटा

निफ्टी 495 अंक नीचे आया, निवेशकों के 9.55 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार बजट के कारण रविवार को खुला रहा पर इस विशेष कारोबारी सत्र में भारी गिरावट रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट 2026 भाषण शुरु होते ही बाजार गिरने लगा और अंत तक यही स्थिति रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1546.84 अंक की गिरावट के साथ ही 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) अंत में 495.20 अंक टूटकर गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनसार बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ाने की घोषणा से बाजार में गिरावट आई है क्योंकि इससे विदेशी निवेशकों में बिकवाली की आशंका बढ़ गयी। इससे बेंचमार्क इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इसके साथ ही मेटल स्टॉक्स में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कमोडिटी फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने की घोषणा की है। प्रस्ताव के तहत ऑप्शंस प्रीमियम पर एसटीटी को 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी कर दिया गया है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा गिरा। इसमें 5.61 फीसदी की गिरावट रही। वहीं अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टीसीएस लगभग 2 फीसदी उछलकर बंद हुआ। इसके अलावा इंफोसिस, सन फार्मा और टाइटन के शेयरों में भी तेजी रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2.24 फीसदी नीचे आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 फीसदी गिरा। आज आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स में बिकवाली हावी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 5.57 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी मेटल 4.05 फीसदी, ऑटो 2.09 फीसदी, बैंक 2 फीसदी, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.31 फीसदी, एफएमसीजी 2.29 फीसदी, रियल्टी 2.22 फीसदी नीचे आये।

वित्त मंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत के विजन की तरफ काम करते रहेंगे। हम ग्लोबल मार्केट के साथ लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि हम दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की तरफ बढ़ रहे हैं।

वहीं वैश्विक स्तर पर शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर केविन वार्श को फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उत्तराधिकारी के रूप में नामित करना रहा।

एसएंडपी 500 में 0.43 फीसदी की गिरावट आई जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.36 फीसदी नीचे रहा।

वहीं एशियाई बाजार भी शुक्रवार को ज्यादातर नुकसान के साथ बंद हुए थे। ।

चीन का शंघाई कंपोजिट 0.96 फीसदी गिरा, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.65 फीसदी और जापान का निक्केई 225 में 0.09 फीसदी की मामूली गिरावट रही पर दक्षिा कोरिया का कोस्पी 0.06 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज केंद्रीय बजट को लेकर आयोजित विशेष कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई।

बाजार में जोरदार गिरावट से निवेशकों को 16 लाख करोड़ का नुकसान

- बाजार का मार्केट कैप बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया

मुंबई । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट पेश किए जाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में रविवार, 1 फरवरी को इंट्राडे कारोबार के दौरान जोरदार गिरावट देखने को मिली। अचानक मार्केट क्रैश के कारण निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बजट में राजकोषीय अनुशासन के साथ आर्थिक विकास पर जोर दिया गया लेकिन सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी के प्रस्ताव से बाजार की धारणा कमजोर पड़ गई। बजट के दिन विशेष कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स एक समय 2,400 अंक तक टूट गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 79,899.42 अंक के दिन के निचले स्तर तक फिसल गया। सुबह सेंसेक्स 82,388.97 अंक पर खुला था और शुरुआती कारोबार में 82,726.65 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी भारी दबाव देखने को मिला। निफ्टी 50 इंडेक्स में कारोबार के दौरान करीब 749 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक आ गया। बाजार में आई इस तेज गिरावट का मुख्य कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रहा। बजट में फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने और ऑप्शंस ट्रांजैक्शन पर एसटीटी को 0.01 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस घोषणा के बाद एफएंडओ से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली देखी गई। बाजार में आई गिरावट का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को बाजार का कुल मार्केट कैप 4,60,02,240.35 करोड़ रुपए था, जो बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया।

वित्तमंत्री सीतारमण ने MSME के लिए 10,000 करोड़ रु मुहैया कराने साथ 4 उपायों का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है। संसद में आज बजट 2026-27 में कहा कि सरकार तीन कर्तव्यों से प्रेरित है। इनमें से पहला कर्तव्य- आर्थिक विकास को गति देते हुए इसे निरंतर कायम रखना है तथा उत्पादकता व प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हुए अस्थिर वैश्विक स्थिति के इस दौर में मजबूती कायम रखना है।

सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास का मत्वपूर्ण इंजन करार देते हुए वित्त मंत्री ने इसके विकास के लिए तीन सूत्रीय दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा। इनमें पहला इक्विटि समर्थन है जिसमें उन्होंने लघु तथा मध्यम उद्यम के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए का एक समर्पित निधि का प्रस्ताव रखा है। इसके अंतर्गत चुनिंदा मानकों पर भविष्य में उत्कृष्ट उद्यमों का सृजन करना है। वित्त मंत्री ने वर्ष 2021 में स्थापित आत्मनिर्भर भारत कोष में बढ़ोतरी के लिए 2,000 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों को मदद पहुंचाना और जोखिम पूंजी तक उनकी पहुंच बनाए रखना है। व्यवसायगत सहायता पर बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि खासकर टियर-2 और टियर-3 नगरों में 'कॉर्पोरेट मित्रों' के समूह का विकास के लिए के लिए अल्पावधि की मॉड्यूलर पाठ्यक्रमों और व्यवहारिक टूल्स की डिजाइन के लिए सरकार आईसीएआई, आईसीएसआई, आईसीएमएआई जैसे संस्थानों की मदद करेगी। ये यह प्रणाणित अर्ध-पेशेवर एमएसएमई को कम लागत पर अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की व्यवस्था की है। इसकी क्षमता का पूरा फायदा उठाने के लिए उन्होंने 4 उपायों का प्रस्ताव रखा है-

(i) एमएसएमई से सावर्जनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा समस्त खरीदों के लिए ट्रेड्स को लेन-देन निपटान प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग करने का अधिदेश करना,

(ii) ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर बीजक छूट के लिए सीजीटीएमएसई के जरिये ऋण गारंटी सहायता तंत्र की शुरुआत करना,

(iii) एमएसएमई से सरकारी खरीदों के बारे में फाइनेंसर्स तक जानकारी साझा करने के लिए जीईएम को टीआरईडीएस को जोड़ना,

(iv) ट्रेड्स प्राप्तियों को आस्ति-समर्थित प्रतिभूतियों के रूप में प्रस्तुत करना। इसका उद्देश्य नगदी एवं लेनदेनों के निपटान करते हुए एक दूसरा बाजार विकसित करना है।

एक्सपोर्ट में क्रेटा-स्कार्पियो पीछे छोडा टोयोटा हायराइडर को

नई दिल्ली । एक्सपोर्ट के मामले में टोयोटा हाइराइडर ने सभी मॉडलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। हाल ही में भारतीय बाजार के बाहर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी की सूची सामने आई है। बीते महीने दिसंबर 2025 में टोयोटा हायराइडर की 5,164 यूनिटें विदेश भेजी गईं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी बनाता है। खास बात यह है कि देश में लगातार टॉप पर रहने वाली नेक्सन, क्रेटा और स्कॉर्पियो जैसी एसयूवी भी एक्सपोर्ट में इसके सामने टिक नहीं पाईं। दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी जिम्नी रही जिसकी 4,592 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। वहीं ई-विटारा की 2,724 और फ्रोंक्स की 2,390 यूनिटें विदेशों में भेजी गईं। हालांकि फ्रोंक्स ने पिछली बार की तुलना में काफी गिरावट दर्ज की। महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्सह्र ने 999 यूनिट एक्सपोर्ट कर अपनी मौजूदगी मजबूत की। किया सोनेट की 966 और ग्रैंड विटारा की 849 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। रेनॉ काइगर ने भी इस बार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 751 यूनिटें एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। क्रेटा की 511 और अल्कजार की 450 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। मारुति ब्रेजा की केवल 53 और स्कॉर्पियो की 50 यूनिटें ही विदेशी बाजार में भेजी गईं, जबकि उनके घरेलू बाजार में यह आंकड़ा बहुत बड़ा रहता है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि टोयोटा हायराइडर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

जनवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 1.93 लाख करोड़, मजबूत बढ़ोतरी जारी

- जीएसटी कलेक्शन में 6.2 फीसदी की वार्षिक बढ़ोतरी

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में भारत का कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 1.93 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 6.2 फीसदी अधिक है। यह दिसंबर 2025 के 1.75 लाख करोड़ रुपये से भी ऊपर है। शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल जीएसटी रिफंड में 3.1 फीसदी की गिरावट हुई और यह 22,665 करोड़ रुपये पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, रिफंड में कमी के बावजूद कर संग्रह में स्थिरता आर्थिक गतिविधियों और मजबूत टैक्स कलेक्शन को दर्शाती है। जनवरी में तंबाकू उत्पादों से उपकर 5,768 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष जनवरी के 13,009 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है, क्योंकि सरकार ने सितंबर 2025 से विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उपकर घटा दिया और केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर क्षतिपूर्ति उपकर लागू किया। घरेलू लेनदेन से जीएसटी संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि आयात से राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद टैक्स कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। दिसंबर 2025 में कुल जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें नेट जीएसटी 1.45 लाख करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी 1.22 लाख करोड़ और आयात जीएसटी 51,977 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इस अवधि में रिफंड 28,980 करोड़ रुपये तक पहुंचा। विश्लेषक मानते हैं कि जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में तेजी से आर्थिक मजबूती और कर प्रशासन की दक्षता दर्शाती है।

हुंदै मोटर इंडिया की जनवरी में बिक्री 11.5 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी 2025 में कुल 73,137 इकाई की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल जनवरी में 65,603 इकाई थी। कंपनी के अनुसार यह कुल बिक्री में 11.5 प्रतिशत की मजबूत सालाना वृद्धि दर्शाती है। घरेलू थोक बिक्री जनवरी 2025 में 59,107 इकाई रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 54,003 इकाई थी। यह हुंदै के घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। निर्यात बिक्री भी मजबूत रही। जनवरी 2025 में 14,030 इकाई निर्यात की गईं, जबकि जनवरी 2024 में यह संख्या 11,600 इकाई थी, यानी लगभग 21 फीसदी वृद्धि। हुंदै मोटर इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ये आंकड़े सिर्फ ब्रांड नेतृत्व नहीं बल्कि कर्मचारियों, भागीदारों और ग्राहकों की सामूहिक सफलता को भी दर्शाते हैं। कुल मिलाकर हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें घरेलू बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ा और निर्यात में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज हुई।

ईरान और अमेरिका के बीच जंग हुई तो खतरे में पड़ जाएगी दुनिया की अर्थव्यवस्था

तेहरान।

मिडिल ईस्ट इस समय एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती तल्खी ने युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। दोनों देशों के बीच जुबानी जंग अब सैन्य शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो चुकी है। ईरान ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर उसकी पकड़ मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिका ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में किसी भी असुरक्षित या उकसावे वाली कार्रवाई को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। इस बढ़ते टकराव के बीच अरब देशों, अरब लीग और कई वैश्विक शक्तियों ने चिंता जताई है कि यदि हालात बिगड़े, तो इसका खामियाजा सिर्फ मिडिल ईस्ट को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

वजह ये है कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। ईरान और अमेरिका के रिश्तों में यह कड़वाहट नई नहीं है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां पहले के मुकाबले अधिक विस्फोटक नजर आ रही हैं। ईरान के भीतर बढ़ता आर्थिक संकट, बेरोजगारी और मुद्रा के गिरते मूल्य ने वहां की आंतरिक स्थिति को अस्थिर कर दिया है, जिससे उपजे सरकार विरोधी प्रदर्शनों और उन पर हुई सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने मानवाधिकारों का मुद्दा गरमा दिया है। अमेरिका ने इन घटनाओं के आधार पर ईरान पर नए कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल से शुरू हुआ ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विवाद एक बार फिर केंद्र में है। अमेरिका का रुख सख्त है कि यदि ईरान वार्ता की मेज पर नहीं आता, तो उसके खिलाफ सैन्य विकल्प का उपयोग किया जा सकता है। तनाव का मुख्य केंद्र इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मूज बना हुआ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा और भारी मात्रा में गैस इसी संकरे रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े तेल निर्यातक इसी रूट पर निर्भर हैं। वर्तमान में ईरान की नौसेना यहां अपना वार्षिक युद्धाभ्यास कर रही है, जो दुनिया को उसकी सैन्य शक्ति दिखाने का एक तरीका है।

तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी के दाम 49 रुपए बढ़ाए

- दिल्ली में 19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,740.50 रुपए पहुंची

नई दिल्ली । तेल कंपनियों ने रविवार को 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 49 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1,740.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस फैसले से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और कैटरिंग कारोबार से जुड़े लोगों पर सीधा असर पड़ा है। गैस महंगी होने से खाना बनाने की लागत बढ़ गई है, जिससे कारोबारियों की परेशानियां फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी तेल कंपनियां कमर्शियल गैस की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। पिछली बार 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये से बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई थी। हालांकि बीते कुछ महीनों में कमर्शियल गैस के दाम अपेक्षाकृत नरम रहे थे। अप्रैल 2025 से अब तक छह बार कीमतों में कटौती की गई थी और कुल मिलाकर 223 रुपये तक की राहत मिली थी। लेकिन अब लगातार बढ़ोतरी से एक बार फिर कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।

विकसित भारत की उड़ान : बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

ललित गर्ग

पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है। चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दशार्ता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है।

विकास की दृष्टि से यह बजट 'इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन' का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत होगा।

नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दशार्ते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है।

युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है, बशर्ते वह दीर्घकालिक विकास को बाधित न करे। इस बजट में दीर्घकालिक दृष्टि और तात्कालिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन दिखाई देता है। समीक्षात्मक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी बजट की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। संसाधनों की उपलब्धता, राज्यों के साथ समन्वय और पारदर्शी प्रशासन इस बजट की वास्तविक परीक्षा होंगे। फिर भी, तुलनात्मक दृष्टि से यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट भारत के विकास की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह वर्तमान की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए रास्ता तैयार करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, ग्रामीण विकास, नारी शक्ति और युवाओं को केंद्र में रखकर यह बजट 'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक सशक्त कदम है। यदि इसे निरंतर सुधार, जवाबदेही और समावेशी क्रियान्वयन का साथ मिला, तो यह बजट इतिहास में केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव के रूप में याद किया जाएगा।

संपादकीय

लोकलुभावन की बजाय बचत का रास्ता चुना सरकार ने

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में जब अपना 9वां बजट भाषण पढ़ना शुरू किया तो सत्ता के गलियारों में चर्चा थी कि क्या सरकार आगामी विधानसभा चुनावों या वैश्विक मंदी की आहट के बीच कोई बड़ा धमाका करेगी, लेकिन डेढ़ घंटे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि वित्तमंत्री ने लोकलुभावन के बजाय बचत का रास्ता चुना। राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर सीमित रखना बड़ी उपलब्धि तो है, लेकिन शेयर बाजार की मायूसी यह सवाल खड़ा करती है कि क्या देश की वित्तीय सेहत सुधारने की कवायद में हम विकास की रफ्तार को नजरअंदाज कर रहे हैं?

वित्तमंत्री ने राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर लाकर एक कड़ा संदेश दिया कि वह देश को कर्ज के जाल से बाहर निकालना चाहती हैं। कम घाटे का अर्थ है कि सरकार को बाजार से कम उधार लेना पड़ेगा। इससे निजी क्षेत्र के लिए कर्ज की उपलब्धता बढ़ेगी और ब्याज दरों में गिरावट की संभावना बनेगी। यह वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, जैसे मूडीज और फिच को सकारात्मक संकेत देता है, जिससे विदेशी निवेश का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि घाटे को कम करने के लिए सरकार को अपने खर्चों पर लगाम लगानी पड़ी है। यही वह बिंदु है, जहां बाजार और सरकार के हित आपस में टकरा रहे हैं। वित्तमंत्री से शेयर बाजार को उम्मीद थी कि वो अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाएंगी, लेकिन बजट ने इसके उल्ट काम किया। बाजार की निराशा के तीन मुख्य बिंदु हैं। पहला, पिछले तीन वर्षों में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखने को मिली थी। इस बार इसे केवल 10 प्रतिशत बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए किया गया। निवेशकों को डर है कि इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश कम होने से सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ जाएगी। दूसरा, मध्यम वर्ग और ग्रामीण आबादी के लिए किसी बड़ी टैक्स कटौती या नकद हस्तांतरण की अनुपस्थिति ने बाजार को चौंका दिया। बाजार का मानना है कि जब तक आम आदमी की जेब में अतिरिक्त पैसा नहीं आएगा, तब तक ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में मांग नहीं बढ़ेगी। तीसरा, बाजार किसी बड़ी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की उम्मीद कर रहा था, जैसे कि विनिवेश का नया लक्ष्य या बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण की स्पष्ट समय सीमा। इन पर चुप्पी ने निवेशकों को मुनाफावसूली के लिए उकसाया। वित्तमंत्री ने नए इनकम टैक्स कानून के जरिए जटिलताओं को कम करने का प्रयास तो किया है, लेकिन करदाताओं के लिए कोई ब्रेकिंग न्यूज नहीं दी। स्टैंडर्ड डिडक्शन में मामूली बढ़ोतरी और स्लैब में छोटे बदलावों को बाजार ने अपर्याप्त माना। निवेशकों को उम्मीद थी कि लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स पर कुछ राहत मिल सकती है, जो नहीं मिली। हालांकि, वित्त मंत्री का बचाव यह हो सकता है कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों के बीच बड़ी घोषणाएं करना जोखिम भरा हो सकता था।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं।

बजट के बाद बाजार में हाहाकार

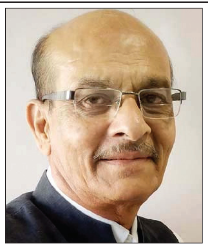
सनत जैन

सोना चांदी और शेयर बाजार अर्श से फर्श पर...

1 फरवरी 2026 को रविवार के दिन भारत का पहली बार बजट पेश हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। बजट में मुख्य लक्ष्य आर्थिक वृद्धि, निवेश को बढ़ावा, टैक्स प्रणाली को सरल बनाना और विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति विश्वास को बहाल करने की कोशिश की गई है। सरकार ने पूंजीगत व्यय को बढ़ाया है। घरेलू उत्पादन और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में निवेश बढ़े, रोजगार सृजन के अवसर को बढ़ावा मिले, बजट में इसका प्रयास किया गया है। इसका क्या परिणाम होगा यह कहना मुश्किल है। बजट प्रस्तुत होने के तुरंत बाद शेयर बाजार में हाहाकार देखने को मिला। स्टॉक मार्केट पर बिकवाली और सेंसेक्स में भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी प्रमुख सूचकांक नीचे आए। कुछ कंपनियों और निवेशकों पर उच्च डेरिवेटिव टैक्स और व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का असर शेयर बाजार में देखने को मिला है। केंद्रीय बजट में कुछ वस्तुएं महंगी हुईं, जैसे खनिज और स्क्रैप जैसे कच्चे माल पर टैक्स एवं शुल्क को बढ़ाया गया है। शराब और वायदा कारोबार पर टैक्स को बढ़ाया गया है। कुछ आवश्यक दवाइयाँ इस बजट में सस्ती करने का प्रावधान किया गया है। कैंसर और शुगर जैसी बीमारियों के उपयोग में आने वाली दवाइयों की कीमतें कम होंगी, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। विदेशी संपत्ति की घोषणा पर छूट और अघोषित संपत्ति पर राहत, आपराधिक मामलों और जुमार्ने में छूट दी गई है। यह सरकारी खजाने को राहत देने वाला एक बड़ा कदम हो सकता है। विदेशी आय और विदेशों में जो संपत्ति भारतीयों ने अवैध रूप से एकत्रित कर रखी है, इसकी घोषणा करने पर सरकार को भारी टैक्स मिलने की आशा है। विदेश मे संपत्ति की घोषणा करने के बाद आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए जाएंगे। भारत सरकार ने विदेशी संपत्ति की घोषणा करने के लिए यह नया अवसर दिया है। मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालने के पूर्व घोषणा की थी कि वह विदेश में जमा काला धन भारत लेकर आएंगे उस दिशा में इसे एक प्रयास के रूप में देखा जा सकता है।

आयकर दाताओं के लिए एक 6 महीने की विशिष्ट घोषणा योजना है। घोषणा करने वाले व्यक्ति की विदेशी आय/संपत्ति का मूल्य यदि 1 करोड़ तक है, वह इसे घोषित करता है, तो ऐसी स्थिति में उसे 30 प्रतिशत टैक्स प्लस 30 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स (कुल 60प्रतिशत) चुकाकर इसे भारत में घोषित कर सकता है। भारत सरकार ने ऐसे मामलों में अभियोजन से छूट देने की घोषणा की है। दूसरी श्रेणी में वे नागरिक आएंगे जिन्होंने आयकर विवरणी में आय तो घोषित की थी, लेकिन संपत्ति की घोषणा नहीं की थी। उनके लिए यह सीमा 5 करोड़ रखी गई है। 1 लाख एक मुस्त देकर दंड व अभियोजन से मुक्ति देने की घोषणा की गई है। अघोषित गैर-अचल विदेशी संपत्तियों के लिए सीमित राशि देकर अपराधिक मामले और अभियोजन से छूट का प्रावधान किया गया है। जो पहले नहीं था। केंद्र सरकार के इस प्रावधान से विदेशी निवेशकों और दीर्घकालिक भारतीय निवेशको के बीच भरोसा बहाल करने की कोशिश के रूप में बजट के इस प्रावधान को देखा जा रहा है। बजट में कुछ मामलों में टैक्स छूट से राहत दी गई है। टैक्स छूट में विदेश यात्रा, शिक्षा और चिकित्सा के लिए रेमिटेंस पर अब टीसीएस केवल 2प्रतिशत किया गया है, जिससे उन भारतीय परिवारों के लिए छूट के रूप में देखा जा रहा है, जिनके बच्चे विदेश में पढ़ाई करने या जो परिवार विदेश घूमने के लिए जाते हैं उनको राहत मिलेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट से जो परेशानी हो रही थी उसमें उन्हें राहत मिलना तय है।

कई वस्तुओं पर भी टीसीएस और टीडीएस नियमों में सुधार कर करदाताओं को राहत देने का प्रयास किया गया है। इस बजट में जो वस्तुएं और सेवाएं महंगी हुई हैं, उनमें वायदा और डेरिवेटिव बाजार पर ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ा दिया गया है, जिससे ट्रेडिंग में खर्च बढ़ना तय है। इसका खराब असर शेयर बाजार और वायदा कारोबार में देखने को मिलेगा। बजट में सरकार ने खनिज, शराब जैसे उत्पादों पर टैक्स बढ़ाया गया है जिससे यह सेवाएं और वस्तुएं महंगी होगी। 2026-27 के बजट में सरकार ने आर्थिक स्थिरता, टैक्स सिस्टम में सुधार कर नियमों को आसान बनाने की कोशिश की है लेकिन जो परिवर्तन किए हैं वह बहुत मामूली हैं, इसका कोई असर देखने को मिलेगा कहना मुश्किल है। बजट में जहाँ कुछ सेवाएं और वस्तुएँ महंगी हुई हैं, वहीं कुछ सेवाएं और वस्तुएं सस्ती भी हुई हैं। जैसे विदेशी यात्रा खर्च, आवश्यक दवाईयाँ, विदेशी आय-संपत्ति की घोषणा पर आपराधिक कार्यवाही की छूट तथा दंड के प्रावधान में छूट दी गई है। सरकार को लगता है कि इस तरह के प्रावधान से विदेश में जमा काला धन और विदेशी निवेशकों के लिए भारत का बाजार आकर्षित करेगा। सरकार को इस बजट से आशा है, यह बजट विदेशी पूंजी प्रवाह और शेयर बाजार में स्थिरता लाने में मदद करेगा। इस वर्ष के बजट में ऐसा कुछ नहीं है इसके बारे में विशेष रूप से कुछ कहा जा सके। बजट भाषण में सरकार के कर्ज ब्याज की अदाएगी, टैक्स कलेक्शन में कमी, महंगाई बेरोजगारी एवं अन्य आर्थिक मामलों में इस बजट में ऐसा कुछ नहीं है जिसे किसी परिवर्तन के रूप में देखा जा सके। ऐसा लगता है कि सरकार ने बजट की औपचारिकता पूरी की है। सरकार ने विदेशी निवेशकों के लिए जो छूट के प्रावधान किए हैं, वे नाकाफी हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की जो चुनौतियां हैं, वह बनी हुई है, महंगाई बेरोजगारी और कर्ज की समस्या से निपटने के लिए बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। जो आम जनता को राहत दे सके। ऐसा लगता है, सरकार के ऊपर जो आर्थिक दबाव है, उसके चलते बजट की औपचारिकता जरूर पूरी हुई है। इस बजट से कोई नई संभावनाएं बनेंगी? ऐसा दिख नहीं रहा है।

बांग्लादेश चुनाव के साये में खून, खौफ और अस्थिरता लोकतंत्र की परीक्षा या इतिहास की पुनरावृत्ति

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ चुनाव लोकतंत्र का उत्सव बनने के बजाय डर, हिंसा और असुरक्षा की तस्वीर पेश कर रहे हैं। 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले देश में जिस तरह राजनीतिक हिंसा तेज हुई है, उसने न सिर्फ आम नागरिकों को भयभीत किया है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता बढ़ा दी है। बीते 48 दिनों में 16 राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या और सिर्फ 24 घंटे में 82 लोगों के घायल होने की घटनाएँ यह बताने के लिए काफी हैं कि हालात कितने नाजुक हो चुके हैं। राजधानी ढाका से लेकर मयमनसिंह, लालमोनिरहाट और चुआडांगा तक हिंसा की आग फैल चुकी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया खून से सनी दिख रही है।

चुनाव की घोषणा 11 दिसंबर को हुई थी और उसी दिन से तनाव का सिलसिला शुरू हो गया। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार अब तक देशभर में 62 से अधिक चुनावी झड़पें दर्ज की जा चुकी हैं। इन घटनाओं में सबसे ज्यादा निशाना विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी के कार्यकर्ता बने हैं। मारे गए 16 लोगों में से 13 बीएनपी से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि उस दहशत का प्रतीक हैं जो चुनाव से पहले राजनीतिक मैदान में फैलाई जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि यह हिंसा सुनियोजित है और इसका मकसद चुनाव को प्रभावित करना तथा मतदाताओं को डराना है।

हिंसा की प्रकृति और तरीके भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 16 में से 7 राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या गोली मारकर की गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि अवैध हथियारों की खुलेआम मौजूदगी है। जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान लूटे गए हजारों हथियारों में से अब तक बड़ी संख्या में हथियार और गोलियाँ बरामद नहीं हो सकी हैं। यही हथियार आज चुनावी हिंसा को और खतरनाक बना रहे हैं। आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि जब सरकार हथियारों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही, तो निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कैसे संभव होंगे।

हालिया झड़पों की बात करें तो मयमनसिंह में बीएनपी समर्थकों और बागी उम्मीदवारों के बीच हुई हिंसा में करीब 20 लोग घायल हुए। लालमोनिरहाट में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच टकराव में कम से कम 11 लोग घायल हुए। चुआडांगा के आलमडांगा क्षेत्र में भी ऐसी ही झड़पें हुईं, जहाँ नौ से अधिक लोग घायल हो गए। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हिंसा अब सिर्फ दूरदराज इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राजधानी ढाका तक पहुँच चुकी है। ढाका में एनसीपी उम्मीदवार अरिफुल इस्लाम अदीच पर हुए हमले ने यह साबित कर दिया कि कोई भी सुरक्षित नहीं है।

इस राजनीतिक हिंसा का सामाजिक असर बेहद गहरा है। चुनाव का समय आमतौर पर बहस, प्रचार और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का होता है, लेकिन बांग्लादेश में यह दौर डर और अस्थिरता का बन गया है। लोग घरों से निकलने में हिचक रहे हैं, व्यापार और रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो रही है। सबसे ज्यादा नुकसान अल्पसंख्यक समुदायों को झेलना पड़ा है। पहले हिंदू समुदाय और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने की घटनाएँ सामने आई थीं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान गई और उनके घर जलाए गए। अब राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या कर चुनावी माहौल को और जहरीला किया जा रहा है। इससे साफ है कि हिंसा का दायरा लगातार फैल रहा है और कोई भी वर्ग इससे अछूता नहीं है।

इस पूरे संकट की पृष्ठभूमि में बांग्लादेश की राजनीति का हालिया इतिहास बेहद अहम है। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भारत आना पड़ा था। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने देश में निष्पक्ष चुनाव कराने का वादा किया। हसीना की पार्टी अवामी लीग को मई 2025 में बैन कर दिया गया, जिससे राजनीतिक संतुलन पूरी तरह बदल गया। यह चुनाव हसीना के 15 साल लंबे शासन के बाद पहली बार ऐसे हालात में हो रहा है जब सत्ता में उनकी पार्टी नहीं है और इसे निष्पक्ष चुनाव के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन मौजूदा हिंसा ने इस उम्मीद पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजनीतिक समीकरण भी काफी जटिल हैं। बीएनपी इस समय 10 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जबकि जमात 11 दलों के अलग गठबंधन के साथ मैदान में है। इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और जतीया पार्टी जैसे दल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इतने सारे गुटों की मौजूदगी में टकराव की आशंका पहले से ही थी, लेकिन जिस स्तर पर हिंसा हो रही है, उसने सभी को चौंका दिया है। विपक्ष सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

विशेषज्ञों को बांग्लादेश के चुनावी इतिहास को देखते हुए डर है कि कहीं एक बार फिर खून-खराबे की पुरानी कहानी न दोहराई जाए। 1991 के चुनाव में 49 लोगों की मौत हुई थी, 2008 में 21 और 2014 में 142 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 2018 और 2023 के चुनाव भी विवादों और हिंसा से अछूते नहीं रहे थे, जिन्हें विपक्ष ने एकतरफा बताया था। ऐसे में मौजूदा हालात देखकर यह आशंका और गहरी हो जाती है कि क्या बांग्लादेश इस बार सचमुच शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव करा पाएगा।

कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन या तो दबाव में हैं या निष्क्रिय। कई मामलों में पुलिस ने राजनीतिक हत्याओं के पीछे किसी साजिश से इनकार किया है, लेकिन जमीन पर फैले डर को नकारा नहीं जा सकता। जब राजनीतिक कार्यकर्ता खुलेआम मारे जा रहे हों और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई न हो, तो आम जनता का भरोसा कानून पर से उठना स्वाभाविक है। यही भरोसे की कमी हिंसा को और बढ़ावा देती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश की छवि दांव पर है। एक ओर अंतरिम सरकार यह संदेश देना चाहती है कि देश लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़कों पर बहता खून इस दावे को कमजोर कर रहा है। पड़ोसी देश भारत में रह रहीं शेख हसीना को लेकर भी तनाव बना हुआ है। उन्हें वापस भेजने की मांग की जा रही है और कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद यह मुद्दा और संवेदनशील हो गया है। इन सबके बावजूद हिंसा का थमना यह बताता है कि समस्या सिर्फ किसी एक व्यक्ति या पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है।

आज बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह चुनाव को हिंसा से अलग कैसे रखे। लोकतंत्र की असली परीक्षा सिर्फ मतदान कराने से नहीं होती, बल्कि यह सुनिश्चित करने से होती है कि हर नागरिक बिना डर के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। अगर चुनाव खौफ के साये में होते हैं, तो उनके नतीजे चाहे जो हों, वे जनता का विश्वास नहीं जीत पाएंगे। अंतरिम सरकार, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को मिलकर यह समझना होगा कि हिंसा किसी के हित में नहीं है।

अगर हालात पर तुरंत काबू नहीं पाया गया, तो यह हिंसा केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लंबे समय तक देश की स्थिरता और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती है। बांग्लादेश पहले ही आर्थिक चुनौतियों, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे में राजनीतिक हिंसा आग में घी डालने का काम कर रही है। अब वक्त है कि सभी पक्ष जिम्मेदारी दिखाएँ, हथियारों पर नियंत्रण हो, दोषियों को सजा मिले और चुनाव को सचमुच लोकतंत्र का पर्व बनाया जाए।

बांग्लादेश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आने वाले दिनों में हिंसा पर कितनी सख्ती से लगाम लगाई जाती है। यह चुनाव सिर्फ सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि देश डर के रास्ते पर चलेगा या लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा। इतिहास की पुनरावृत्ति होगी या एक नया अध्याय लिखा जाएगा, इसका जवाब आने वाले हफ्तों में सामने होगा।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के गृहमंत्री पर अमेरिका ने लगाया नया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पर प्रतिबंध लगाए। उन पर पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आरोप लगाया गया है, जिनमें तेहरान की धार्मिक नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दी गई थी। ये पाबंदियां दमनकारी कार्रवाई को लेकर उच्च पदस्थ अधिकारियों को निशाना बनाते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा की गई नवीनतम कार्रवाई हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि मोमेनी ने ईरान के उन कानून लागू करने वाले सुरक्षा बलों की निगरानी की है, जो हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। ईरान में आर्थिक संकट के कारण दिसंबर के उत्तरार्द्ध में प्रदर्शन शुरू हुए, जो बाद में इस्लामी गणराज्य के लिए एक चुनौती में बदल गए। इसके बाद दमनकारी कार्रवाई शुरू हुई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस कार्रवाई में 6,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। ईरानी अधिकारी और सरकारी मीडिया बार-बार प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बता रहे हैं। यूरोपीय संघ ने बृहस्पतिवार को मोमेनी के साथ-साथ ईरान की न्यायिक प्रणाली के सदस्यों और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाए। यूरोपीय संघ ने कहा, वे सभी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के हिंसक दमन और राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों की मनमानी गिरफ्तारी में शामिल थे। यूरोपीय संघ ने ईरान के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने पर सहमति जताई है, जो काफी हद तक एक प्रतीकात्मक कदम है तथा तेहरान पर दबाव को और बढ़ायेगा। अमेरिका द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों में राष्ट्रीय सुरक्षा की सर्वोच्च परिषद के सचिव का नाम भी शामिल है, जिन पर अमेरिकी वित्त विभाग ने ईरानी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान करने वाले शुरुआती अधिकारियों में से एक होने का आरोप लगाया है।

अदानी समूह के साथ विवादों को निपटाने के लिए ब्रिटिश फर्म की मदद ले रहा बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने शुक्रवार को बताया कि उसने अदानी पावर लिमिटेड के साथ कोयले की कीमत और बिजली दरों को लेकर चल रहे विवादों में अपने सरकारी बिजली विकास बोर्ड (बीपीडीबी) का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक ब्रिटिश कानूनी फर्म को नियुक्त किया है। बीपीडीबी के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने लंदन स्थित 3वीपी को सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआइएसी) में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया है। किंग्स काउंसिल फरहाज खान के नेतृत्व वाली 3वीपी फर्म कई महीनों से अदानी सौदे पर एक राष्ट्रीय समीक्षा समिति को सलाह दे रही है। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ब्रिटिश फर्म को नियुक्त करने का कदम तब आया जब अदानी पावर ने पिछले साल सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता में मध्यस्थता शुरू की थी।

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस को न्यूजीलैंड की ना, निमंत्रण किया अस्वीकार

बेलिग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बोर्ड आफ पीस में शामिल होने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही अपने बोर्ड आफ पीस की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य गाजा में चल रहे अस्थिर युद्धविराम को मजबूत करना था, लेकिन अब उनका मानना है कि यह बोर्ड अन्य वैश्विक शक्तियों से संबंधित व्यापक भूमिका निभाएगा। उन्होंने दर्जनों अन्य विश्व नेताओं को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि तुर्किये, मिस्त्र, सऊदी अरब और कतर और इंडोनेशिया इस बोर्ड में शामिल हो चुके हैं, लेकिन वैश्विक शक्तियां और अमेरिका के पारंपरिक पश्चिमी सहयोगी अधिक सतर्क रहे हैं। लक्सन ने एक ईमेल में बयान जारी कर कहा कि वर्तमान स्वरूप में बोर्ड आफ पीस में शामिल न होने का निर्णय लिया गया है।

नेपाल ने अपने बलिदानियों को किया याद, हर साल मनाया जाता है शहीद सप्ताह

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सभी राजनीतिक दलों और आम जनता से अपील की कि वे उन शहीदों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए अपने प्रयास समर्पित करें, जिन्होंने नागरिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। नेपाल हर वर्ष स्थानीय विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार माघ 10 से 16 तक शहीद सप्ताह मनाता है और इसका अंतिम दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष शुक्रवार, 30 जनवरी को पड़ा है। इस दिन शहीद शुक्लराज शास्त्री, धर्म भक्त, दशरथ चंद और गंगा लाल के श्रेष्ठ बलिदान को याद किया जाता है। साथ ही उन अन्य शहीदों के योगदान को भी याद किया जाता है।

फर्जी जॉब पोस्टिंग का जाल, फिर महिलाओं को बनाता था शिकार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक पंजाबी व्यक्ति ने नौकरी का झांसा देकर कई महिलाओं को अपना शिकार बनाया। आरोपी फर्जी कंपनी का मालिक या रिक्रूटर बनकर ऑनलाइन वेबसाइट्स पर नौकरी के विज्ञापन डालता था और फिर मिलने के बहाने महिलाओं के साथ जबरदस्ती करता था। कनाडा पुलिस ने इस मामले में 47 साल के तजिंदर धालीवाल को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति खासतौर पर लड़कियों को ही निशाना बनाता था और आसान नौकरी का लालच देकर उन्हें बुलाता था।

कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति की शर्मनाक करतूत

ऑनलाइन जॉब विज्ञापन से शुरू होता था खेल : पुलिस के मुताबिक, तजिंदर धालीवाल कनाडा की लोकप्रिय क्लासिफाइड वेबसाइट जैसे प्लेटफॉर्म पर नौकरी के विज्ञापन देता था। इन विज्ञापनों में डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी बताई जाती थी, सिर्फ लड़कियों की मांग होती थी साथ ही किसी तरह की योग्यता या अनुभव नहीं मांगा जाता था। फ्रेशर्स को खास तौर पर टारगेट किया जाता था। इससे लड़कियों को लगता था कि नौकरी आसानी से मिल जाएगी।

सुनसान इंडस्ट्रियल इलाकों में ले जाकर करता था दरिंदगी : कनाडा पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी इंटरव्यू के नाम पर महिलाओं को मिल्टन और हॉल्टन हिल्स जैसे दूर-दराज के इंडस्ट्रियल पार्किंग एरिया में ले जाता था। ये जगहें इतनी सुनसान होती थीं कि आसपास कोई मदद नहीं मिल पाती और चीखने-चिल्लाने पर भी कोई सुनने वाला नहीं होता। पुलिस का कहना है कि तजिंदर जानबूझकर ऐसी जगहें चुनता था, ताकि पीड़ित महिलाएं पूरी तरह असहाय हो जाएं। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब दो महिलाओं ने हॉल्टन रीजनल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पहली पीड़िता की आपबीती : एक लड़की ने बताया कि उसने नौकरी के विज्ञापन पर कॉल किया। तजिंदर ने उसे बुलाया, टैक्सी में बैठाया और फिर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती की।

दूसरी पीड़िता ने बताया डरावना सच : दूसरी लड़की ने बताया कि दिसंबर 2025 में उसने नौकरी के लिए कॉल किया था।

तजिंदर ने उसे जॉब वेबसाइट दिखाने के बहाने टैक्सी में बैठाया, ब्रैम्पटन से कई किलोमीटर दूर एक इंडस्ट्रियल साइट पर ले गया। उसने पहाड़ी और सुनसान इलाके में गाड़ी रोक दी। जब लड़की ने वजह पूछी तो आरोपी ने कहा,मेरे साथ रिलेशन बनाओ, नहीं तो नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद उसने लड़की के साथ जबरदस्ती की।

26 जनवरी को गिरफ्तारी, फोटो जारी : लगातार जांच और सबूत जुटाने के बाद 26 जनवरी 2026 को ब्रैम्पटन पुलिस ने तजिंदर धालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। उस पर रेप, नौकरी के बदले यौन सेवा मांगने और महिलाओं को धोखे से फंसाने जैसी गंभीर धाराएं लगाई गईं। पुलिस ने आरोपी की तस्वीर भी सार्वजनिक की, ताकि अगर कोई और पीड़िता उसके जाल में फंसी हो तो वह आगे आकर शिकायत दर्ज करा सके।

24 घंटे में जमानत, लोगों में गुस्सा : पुलिस के मुताबिक, कनाडा में रेप से जुड़े कानून अपेक्षाकृत नरम हैं। इसी कारण 27 जनवरी को कोर्ट में पेशी के बाद सिर्फ 24 घंटे में आरोपी को जमानत मिल गई। इस फैसले से कनाडा की स्थानीय और प्रवासी कम्युनिटी में भारी नाराजगी है।

कम्युनिटी की मांग – सख्त कानून हों : स्थानीय लोगों का कहना है– रेप एक बेहद गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में जमानत आसानी से नहीं मिलनी चाहिए और प्रवासियों से जुड़े अपराधों पर कड़े नियम बनाए जाने चाहिए। लोगों का मानना है कि अगर सख्ती नहीं होगी, तो ऐसे अपराधी कानून का फायदा उठाकर बार-बार बच निकलेंगे।

यूएन प्रमुख गुटेरस का बड़ा बयान; भारत- ईयू समझौते का दिया हवाला

जिनेवा, एजेंसी। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच हुए व्यापार समझौते का हवाला देते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने बहुध्रुवीय व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि दुनिया एक या दो शक्तियों से नहीं चलेगी। उन्होंने अमेरिका और चीन का परोक्ष संदर्भ देते हुए यह बात कही। गुटेरस ने कहा कि हालिया भारत-ईयू व्यापार समझौते से बहुत सकारात्मक उम्मीदें हैं और यह वैश्विक बहुध्रुवीयता में योगदान दे सकता है।यूएन महासचिव गुटेरस ने 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए यहां गुरुवार को पत्रकारों से कहा, वर्तमान समय में यह स्पष्ट है कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका है। हमारा और कई लोगों का भी भविष्य के संदर्भ में विचार है कि दो ध्रुव हैं- एक अमेरिका केंद्रित और एक चीन केंद्रित। उन्होंने कहा, अगर हम एक स्थिर दुनिया चाहते हैं और अगर हम ऐसी दुनिया चाहते हैं, जिसमें शांति कायम रह सके, जिसमें व्यापक विकास हो सके और जिसमें अंतत हमारे मूल्य कायम रहें तो हमें बहुध्रुवीयता का समर्थन करने की जरूरत है। यूएन प्रमुख अमेरिका और चीन का परोक्ष जिक्र करते हुए

कहा, वैश्विक समस्याओं का समाधान एक ही ताकत का हुकुम चलने से नहीं होगा। न ही उनका समाधान दो शक्तियों द्वारा दुनिया को प्रतिद्वंद्वी प्रभाव क्षेत्रों में बांटने से होगा।

अंतरराष्ट्रीय कानून के खुलेआम उल्लंघन जता चुके हैं चिंता : बता दें कि गुटेरस ने कुछ दिन पहले भी अंतरराष्ट्रीय कानून के खुलेआम उल्लंघन पर चिंता जताई थी। उन्होंने 15 जनवरी को 193 सदस्यीय महासभा में कुछ देशों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून का खुले तौर पर उल्लंघन किए जाने की निंदा की थी और कहा था कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। उनका यह बयान वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले और अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में आया था। गुटेरस का यूएन महासचिव के रूप में यह दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर, 2026 को समाप्त होगा।

जेल से छूटते ही प्रिंस एंड्रयू ने एपस्टीन को बकिंघम पैलेस में किया गया था आमंत्रित

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य प्रिंस एंड्रयू और दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के रिश्तों को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी किए गए नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि एंड्रयू ने साल 2010 में एपस्टीन को नजरबंदी से रिहा होने के तुरंत बाद बकिंघम पैलेस में आमंत्रित किया था। ईमेल्स के जरिए सामने आई इस बातचीत में पता चला है कि राजा चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने एपस्टीन को महल में एकांत और निजी समय बिताने का प्रस्ताव दिया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार शुक्रवार लाखों नए पन्नों का दस्तावेज सार्वजनिक किया। जिसमें मध्य लंदन स्थित शाही निवास (बकिंघम पैलेस) का कथित निमंत्रण का खुलासा हुआ है। एपस्टीन को नजरबंदी से रिहा होने के तुरंत बाद बकिंघम पैलेस में आमंत्रित किया था। एक संदेश के अनुसार, एपस्टीन ने 27 सितंबर, 2010 को लंदन में प्रवास के दौरान एंड्रयू से संपर्क किया और लिखा,

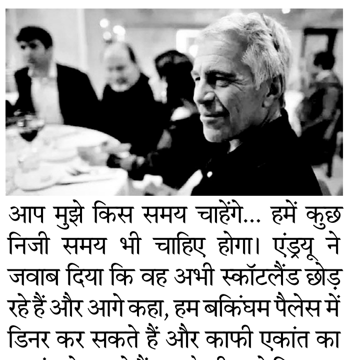

आप मुझे किस समय चाहेंगे... हमें कुछ निजी समय भी चाहिए होगा। एंड्रयू ने जवाब दिया कि वह अभी स्कॉटलैंड छोड़ रहे हैं और आगे कहा, हम बकिंघम पैलेस में डिनर कर सकते हैं और काफी एकांत का आनंद ले सकते हैं। इसके ठीक दो दिन बाद एंड्रयू ने फिर से ईमेल भेजा। उन्होंने लिखा, आपका बकिंघम पैलेस आना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। आप जिसके साथ भी आएं, मैं शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक यहां मुफ्त में मौजूद रहूंगा। लंदन स्थित जिस शाही निवास एपस्टीन को आमंत्रित किया गया, वह उस समय दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का लंदन स्थित आधिकारिक निवास था। हालांकि, दस्तावेजों से यह स्पष्ट नहीं है कि महल में कभी कोई रात्रिभोज आयोजित हुआ था।

'रशियन लड़कियों' से संबंध से बिल गेट्स को हुआ था यौन रोग? एपस्टीन फ़ाइलें में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार बिल गेट्स एक बार फिरजेफरी एपस्टीन मामले की वजह से सुर्खियों में हैं। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए नए दस्तावेजों ने माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक पर ऐसे आरोप लगाए हैं जो न केवल सनसनीखेज हैं, बल्कि उनकी निजी छवि पर भी गहरे सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, ये तमाम दावे अभी तक सिर्फ कागजों तक सीमित हैं और इनके पीछे कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया है।

मेलिंडा गेट्स का जिक्रः सबसे गंभीर आरोप यह है कि गेट्स कथित तौर पर एंटीबायोटिक्स की तलाश में थे ताकि वे अपनी तत्कालीन पत्नी मेलिंडा को भी अनजाने में दवा दे सकें। सबूत मिटाने की कोशिशः एपस्टीन ने यह भी लिखा कि गेट्स ने उससे इस मामले से संबंधित पुराने

संवाद हटाने का अनुरोध किया था। गेट्स खेमे का पलटवारः यह सिर्फ एक कुंठित अपराधी की खुन्नस है बिल गेट्स के प्रतिनिधियों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे चरित्र हनन का प्रयास बताया है। प्रवक्ता के अनुसार, ये दस्तावेज सिर्फ यह साबित करते हैं कि जब गेट्स ने एपस्टीन से दूरी बना ली थी, तो वह बौखला गया था। एपस्टीन अपनी नाराजगी निकालने और गेट्स को बदनाम करने के लिए मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहा था।

न्याय विभाग की सफाई और पुरानी तस्वीरों का साया : अमेरिकी प्रशासन ने अब तक एपस्टीन मामले से जुड़ी करीब 30 लाख फाइलों और लाखों तस्वीरों को जनता के सामने रखा है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी फाइल में नाम होने का मतलब यह कतई नहीं है कि वह व्यक्ति अपराधी है। इन दस्तावेजों के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें एपस्टीन एक साथ नजर आ रहे हैं। गेट्स पहले भी कई बार सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर चुके हैं कि एपस्टीन से मिलना उनकी एक बड़ी भूल थी और उन्हें इसका गहरा पछतावा है।

मेलिंडा गेट्स और तलाक का वो अनकहा सच : गौरतलब है कि बिल और मेलिंडा गेट्स का 27 साल पुराना रिश्ता 2021 में टूट गया था। उस वक्त मेलिंडा ने संकेत दिया था कि एपस्टीन के साथ बिल की बढ़ती नजदीकी और कुछ निजी कारण इस अलगाव की बड़ी वजह थे। हालांकि, उन्होंने कभी भी इन स्ज्ञष्ठ या रूसी महिलाओं जैसे आरोपों का खुलकर जिक्र नहीं किया।

बेरहम मां! 10 माह के मासूम पर सैंकड़ों बार सुई से हमला

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी चीन से सामने आई एक घटना ने इंसानियत को झकझोर दिया है। महज 10 महीने के एक बच्चे के शरीर पर सैकड़ों बार सुई चुभोने का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया कि यह क्रूरता किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि बच्चे की अपनी मां ने की थी। हॉन्गकॉन्ग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके शरीर पर सुई चुभने के असंख्य निशान पाए। मामला युन्नान प्रांत के एक काउंटी अस्पताल का है, जहां बच्चे को तेज बुखार और झटकों की शिकायत के साथ लाया गया था।

इलाज के नाम पर अमानवीय तरीका : डॉक्टरों की शुरुआती जांच में सामने आया कि बच्चे के सिर, गर्दन, धड़ और पैरों पर काले पपड़ी जैसे घाव थे। आगे की पड़ताल में यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि बच्चे की मां कथित तौर पर घरेलू इलाज और सजा के तौर पर उसके शरीर में सुई चुभोती थी। अनुमान है कि यह हरकत 500 से 600 बार दोहराई गई। हालात तब और गंभीर हो गए जब जूते सिलने में इस्तेमाल होने वाली एक सुई बच्चे की गर्दन में टूटकर रीढ़ के पास फंस गई। इसके बाद डॉक्टरों को जटिल सर्जरी करनी पड़ी।

डॉक्टरों के लिए भी चुनौती : शिन्हुआ अस्पताल के वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. सुई वेनयुआन ने बताया कि सर्जरी बेहद जोखिम भरी थी। सुई की बनावट और स्थिति स्पष्ट न होने के कारण जरा-सी चूक से बच्चे की नसों और आसपास के ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था। सभी जरूरी जांचों के बाद ऑपरेशन किया गया, जो सफल रहा। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे को जो तेज बुखार था, उसकी एक वजह शरीर में फंसी जंग लगी सुई भी हो सकती है। सर्जरी के कुछ दिनों बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और उसे आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया गया।

सरकारी जांच में मां पर आरोप तय : 21 जनवरी को चीन की विभिन्न सरकारी एजेंसियों- पब्लिक सिक्योरिटी ब्यूरो, स्वास्थ्य आयोग और महिला महासंघ- की संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि बच्चे को चोटें उसकी मां ने ही दी थीं। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि मां कम शिक्षित है और उसने बिना वैज्ञानिक समझ के यह तरीका अपनाया। उसमें मानसिक तनाव और चिंता के लक्षण भी पाए गए। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस मामले में महिला के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किस स्तर तक पहुंची है।

सोशल मीडिया पर आक्रोश : घटना सामने आते ही चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गुस्सा फूट पड़ा। कई यूजर्स ने इसे भयावह और अमानवीय बताया, वहीं कुछ ने मांग की कि बच्चे को उसके माता-पिता से अलग सुरक्षित माहौल में रखा जाए।

शादी करो, ?12.5 लाख पाओ! बच्चा होने पर इनाम होगा डबल, यूएई के अरबपति बॉस का बड़ा ऐलान

अबुधावी, एजेंसी। यूएई के कॉर्पोरेट जगत से एक ऐसी खबर आई है जो किसी फिल्मी स्टोरी जैसी सुनहरी लगती है, जहां एक कर्मचारी की निजी खुशियों को कंपनी अपनी जिम्मेदारी मानकर जश्न मना रही है। कल्पना कीजिए कि आप ऑफिस में काम कर रहे हैं और आपकी शादी के तोहफे के तौर पर कंपनी की तरफ से आपके बैंक खाते में सीधे 12.5 लाख रुपये (50,000 दिरहम) आ जाएं। संयुक्त अरब अमीरात के दिग्गज कारोबारी समूह अल हब्तूर ग्रुप ने अपने अमीराती कर्मचारियों के लिए इस हकीकत को जमीन पर उतार दिया है। इस अनूठी पहल के सूत्रधार हैं अरबपति उद्योगपति खलाफ अल हब्तूर, जिन्होंने समाज की बुनियादी इकाई यानी परिवार को मजबूत करने के लिए अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। उनका विजन सिर्फ आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि वह इसे राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया मानते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई युवा कर्मचारी शादी के बंधन में बंधता है, तो उसे 50,000 दिरहम का शुरुआती सहयोग दिया जाएगा। उत्साह बढ़ाने वाली बात यह है कि यदि अगले दो वर्षों के भीतर उस कर्मचारी के घर संतान का सुख मिलता है, तो कंपनी की ओर से मिलने वाली यह वित्तीय सहायता दोगुनी होकर सीधा लाभ पहुंचाएगी। खलाफ अल हब्तूर ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी इस सोच को दुनिया के सामने रखते हुए कहा कि विवाह और संतानोत्पत्ति केवल किसी व्यक्ति का निजी चुनाव नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ और मजबूत समाज की नींव है। उनका मानना है कि वर्तमान दौर की महंगाई और करियर की भागदौड़ में अक्सर युवा परिवार शुरू करने से कतराते हैं, ऐसे में एक नियोक्ता के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे इस राह को आसान बनाएं। 1970 में स्थापित अल हब्तूर ग्रुप, जो आज होटल से लेकर रियल एस्टेट तक के बड़े साम्राज्यों का मालिक है, अब अपनी इस मानवीय पहल के जरिए अमीरात के युवाओं को एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर भविष्य का भरोसा दे रहा है। यह कदम न केवल कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता दिखाता है, बल्कि अन्य कंपनियों के लिए भी एक मिसाल पेश करता है कि कैसे व्यापारिक लाभ से परे जाकर सामाजिक स्थिरता में निवेश किया जा सकता है।

पनामा नहर पर दबदबे के चीन के मंसूबों को झटका, कंपनी को बंदरगाह संचालन की छूट खतरे में

पनामा सिटी एजेंसी। पनामा के सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सुनाए गए एक फैसले से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पनामा नहर पर वर्चस्व कायम करने के चीनी मंसूबों को झटका लगा है। पनामा के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार देर रात अपने एक फैसले में पनामा नहर के दोनों छोरों पर बंदरगाह के संचालन के लिए हांगकांग की कंपनी को दी गई छूट को असांविधानिक बताया। इससे रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग पर चीनी प्रभाव को रोकने की अमेरिकी कोशिश को बल मिलेगा।

चीनी कंपनी ने फैसले पर जताई नाराजगी : पनामा के सुप्रीम कोर्ट के बयान में इस बारे में कोई दिशा-निर्देश नहीं दिया गया है कि अब बंदरगाहों का क्या होगा। सीके हचिसन की सहयोगी चीनी कंपनी पनामा पोर्ट्स कंपनी ने कहा कि उसे अभी तक इस फैसले के बारे में सूचित नहीं किया गया है। हालांकि, उसने जोर देकर कहा कि उसकी रियायत पारदर्शी अंतरराष्ट्रीय बोली का नतीजा थी। कंपनी ने बयान में कहा कि यह फैसला कानून पर आधारित नहीं है। यह न केवल पीपीसी और उसके अनुबंध को खतरे में डालता है बल्कि उन हजारों पनामानियाई परिवारों की भलाई और स्थिरता को भी खतरे में डालता है जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से बंदरगाह की गतिविधि पर निर्भर हैं। कंपनी ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा, यह फैसला देश में कानून के शासन और कानूनी निश्चितता को भी खतरे में डालता है। कंपनी ने कहा कि वह पनामा या कहीं और कानूनी कार्रवाई करने के सभी अधिकार सुरक्षित रखती है।

ऑडिट के बाद आया फैसला : कोर्ट का यह फैसला पनामा के कंट्रोलर की तरफ से किए गए ऑडिट के बाद आया। इसमें 2021 में दी गई छूट के 25 साल के विस्तार में गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था। पनामा नहर पर चीन के प्रभाव को रोकना

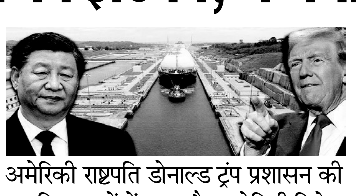

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शुमार है। अमेरिकी विदेश मंत्री के तौर पर मार्को रूबियो अपनी पहली यात्रा पर पनामा पहुंचे थे। पनामा सरकार के संचालन में चीन के दखल न होने की बात पर रूबियो ने साफ कर दिया था कि अमेरिका इन बंदरगाहों के संचालन को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला मानता है। पनामा नहर क्यों है अहम, जिस पर कब्जे से घबराया अमेरिका पनामा नहर वैश्विक भू-राजनीति में अहम मानी जाती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। पूरी दुनिया का छह फीसदी समुद्री व्यापार पनामा नहर से ही होता है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए भी पनामा नहर बेहद अहम है क्योंकि अभी न्यूयॉर्क से सैन फ्रांसिस्को जाने वाले मालवाहक जहाजों को पनामा नहर के जरिए दूरी 8370 किलोमीटर पड़ती है, लेकिन अगर पनामा नहर की बजाय पुराने मार्ग से माल भेजा जाए तो जहाजों को पूरे दक्षिण अमेरिकी देशों का चक्कर लगाने के बाद सैन फ्रांसिस्को जाना होगा और ये दूरी 22 हजार किलोमीटर से ज्यादा होगी। अमेरिका का 14 फीसदी व्यापार पनामा नहर के जरिए ही होता है। कह सकते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ही पनामा नहर लाइफलाइन का काम करती है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। खुद पनामा की अर्थव्यवस्था इस नहर पर निर्भर है और पनामा की सरकार को पनामा के प्रबंधन से ही हर साल अरबों डॉलर की कमाई होती है। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंख्ला बाधित होने का खतरा है। पनामा नहर का निर्माण साल 1881 में फ्रांस ने शुरू किया था, लेकिन इसे साल 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर के निर्माण को पूरा किया गया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण रहा, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा की सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी द्वारा किया जाता है। पनामा नहर को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है और इसे आधुनिक दुनिया के इंजीनियरिंग के सात अजूबों में से एक माना जाता है। पनामा नहर को लेकर पर्दे के पीछे चीन और अमेरिका के बीच तनातनी चल रही है। इसे लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ रहा है। चीन अपनी बढ़ती आर्थिक ताकत के जरिए पूरी दुनिया के जलमार्गों पर अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा है।

होंठों को चाहिए सही देखभाल

होंठों की त्वचा चेहरे के अन्य हिस्सों की अपेक्षा काफी संवेदनशील होती है इसलिए फेशियल स्क्रब करना कभी-कभी समस्याजनक हो जाता है। होंठों की मृत त्वचा को हटाने के लिए हफ्ते में एक बार कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में भिगोकर होंठों पर कुछ देर रखें, जिससे होंठों की पपडी मुलायम हो जाए। उसके बाद किसी मुलायम और सूखे टूथब्रश को हलके हाथों से होंठों पर रगडें ताकि मृत त्वचा आसानी से निकल जाए। इसके अलावा रात में सोने से पहले होंठों पर पेट्रोलियम जेली लगाकर कुछ देर हलका मसाज करें। फिर उसे ऐसे ही छोड दें। दूसरे दिन सुबह चेहरा ठंडे पानी से साफ करके गुलाब की तीन-चार ताजा पंखुडियों को हथेलियों पर रगडकर उसके रस को होंठों पर लगाएं। सूखने पर साफ पानी से धो लें।

आवश्यक है अतिरिक्त देखभाल

सर्दियों में होंठों को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्ता बताती हैं कि शुष्क और सर्द हवाओं के कारण रूखेपन का सामना सिर्फ आपके होंठों को ही नहीं करना पडता, बल्कि रैंप पर कैटवॉक करती खूबसूरत मॉडल्स भी इस समस्या का सामना करती हैं। इसीलिए मेकअप आर्टिस्ट मॉडल्स के रूखे होंठों का उपचार कुछ इस तरह करते हैं - एक टूथब्रश पर थोडा-सा लिप क्रीम लगाकर होंठों पर हलके हाथों से मलते हैं। उसके बाद होंठों पर एलिजाबेथ अर्डन की ऐट ऑवर क्रीम लगाकर जज्ब होने के लिए 15 मिनट के लिए छोड देते हैं। उसके बाद मेकअप करते हैं।

नमी बनाए रखें

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर खूब सारा लिप बाम लगाएं, फिर अतिरिक्त बाम को पोंछकर या सुखाकर लिपस्टिक लगाएं। फ्लेवर्ड लिप बाम से बचें। जो बाम आपको सूट करता हो या आप जिसे ज्यादातर इस्तेमाल करती हों, उसका ही प्रयोग करें। फटे होंठों के लिए कोई एंटी बैक्टीरियल ऑइंटमेंट इस्तेमाल करें, ताकि संक्रमण न होने पाए। इसके अलावा पके पपीते को मैश करके एक चम्मच रस निकालकर होंठों पर रुई की सहायता से लगाएं। 10-15 मिनट बाद होंठों को साफ पानी से धोकर लिप बाम लगा लें। पपीते में एक्सफोलिएट तत्व होते हैं, जो होंठों की मृत त्वचा को हटाकर उन्हें नर्म, मुलायम और चिकना बनाते हैं।

नर्म होंठों के लिए

फटे होंठों को छिपाने के लिए लिपस्टिक का सहारा न लें, बल्कि उनका उपचार करें। इसके लिए शहद, नीबू का रस, ऑलिव ऑयल और ग्लिसरीन को बराबर-बराबर मात्रा में मिलाकर फटे होंठों पर लगाएं। या फिर एक स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसमें एक चम्मच मिल्क क्रीम और शहद मिलाकर होंठों पर 10-15 मिनट तक लगाएं। धोकर सुखा लें और लिप बाम लगाएं।

लिपस्टिक का चयन

अपने मनपसंद शेड वाली लिपस्टिक अपने निचले होंठों के आरपार लगाएं फिर अपने होंठों को एक-दूसरे पर दबाएं ताकि अतिरिक्त लिपस्टिक ऊपर वाले होंठों पर लग जाए। फिर अपनी अंगुली की सहायता से लिपस्टिक को होंठों पर सावधानीपूर्वक फैलाएं। अगर आप होंठों पर ग्लॉस लगाना पसंद करती हैं तो इस प्रकार लगाएं कि आपको आईने की जरूरत न हो। इसके लिए ऊपर व नीचे के होंठों पर बीचोबीच ग्लॉस लगाएं फिर दोनों होंठों को एक-दूसरे पर रखकर इस प्रकार बाहर की ओर फैलाएं, जैसे आप किसी दीवार या आसमान को चूम रही हैं। लगातार होंठों पर लिपिस्टक लगी न रहने दें। अगर होंठों का मेकअप करने के बाद आपने चाय/कॉफी, स्नैक्स या खाना खाया है तो ट्िश्यू पेपर की सहायता से धीरे से लिपस्टिक उतार कर कुछ देर के लिए लिपग्लॉस लगाएं।

घरेलू उपचार

दो चम्मच ग्लिसरीन में आधा नीबू का रस मिलाकर एक छोटी शीशी में भरकर रख लें। इसे रोज अपने होंठों पर लिब जेल की तरह लगाएं। हलका सूखने पर साफ पानी से धो लें। रात में सोने से पहले होंठों पर पेट्रोलियम जेली लगाना न भूलें।

सेयल डबलरोटी

सामग्री : 3 पाव, टमाटर, आधा-आधा टीस्पून लहसुन व हरी धनिया-सभी कटे हुए, तलने के लिए तेल, आधा-आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, चाट मसाला, पाव, नमक स्वादानुसार।

विधि : कड़ाही में तेल डालकर प्याज और टमाटर को हल्का-सा भून लें। इसमें उपरोक्त अन्य सभी सामग्रियां डाल दें। फिर एक टेबलस्पून पानी डालें, उबाल आने पर पाव के चार टुकड़े करके डाल दें। जब पाव पानी सोख ले तब आंच पर से उतार दें।

त्वचा पर न दिखे उम्र का असर

लोग यह मानकर चलते हैं कि त्वचा में परिवर्तन उम्र बढने की सामान्य प्रक्रिया है। वे यह नहीं जानते कि स्वस्थ जीवन शैली और त्वचा की अच्छी देखभाल के तरीके अपनाकर परिवर्तन की इस प्रक्रिया को कम किया जा सकता है।

कारगर उपाय

इसके लिए कारगर उपाय है एंटी एजिंग ट्रीटमेंट। अगर आप इसे आजमाना चाहती हैं तो किसी कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें। पर उनसे कोई भी उपचार करवाने से पहले आप उसके सभी भावी जोखिमों और साइड इफेक्ट को भी जान लें। त्वचा की सबसे ऊपरी परत को एपिडर्मिस कहा जाता है। इस परत में पिग्मेंट बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं, जो त्वचा को उसका रंग देती हैं। नए एपिडर्मिस सेल का जन्म एपिडर्मिस के बैसल सेल परत में होता है। यह एपिडर्मिस की जीवित परत होती है।

उम्र बढने के लक्षण

एपिडर्मिस का पतला होना-एपिडर्मिस के बेसल सेल लेयर सेल बनाने की अपनी रफ्तार कम कर देते हैं और एपिडर्मिस को पतला कर देते हैं। इन परिवर्तनों के मिलने से त्वचा में झुर्रियां ज्यादा बनती हैं।

सैगिंग-पुरानी हुई त्वचा इलास्टिन और कोलैजेन कम बनाती है। इससे उसमें झोल पडने और उसके लटक जाने की संभावना बन जाती है। उम्रदराज त्वचा पर इस प्रभाव का असर जल्दी और साफ दिखता है।

झुर्रियां-इलास्टिन और कोलैजेन कम बनने तथा त्वचा के पतले होने से चेहरे के ज्यादा काम करने वाले हिस्से (आंखें और मुंह) लाइनों और झुर्रियों के शिकार जल्दी होते हैं। झुर्रियां वहां उजागर होने लगती हैं।

एज स्पॉट- बाकी बचे पिग्मेंट सेल कुछ क्षेत्रों में बढ जाते हैं। वे एकसाथ रहते हैं व एज स्पॉट का निर्माण करते हैं। शरीर के जो हिस्से धूप में ज्यादा समय तक रहते हैं, उन पर एज स्पॉट खास तौर से जल्दी बनता है।

शुष्की-त्वचा की तैलीय ग्रंथियों की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है। इससे त्वचा शुष्की का शिकार हो रफ हो जाती है और उसमें खुजली होती है।

क्षतिग्रस्त होना-पुरानी पतली त्वचा में रक्त कोशिकाओं के टूट जाने और क्षतिग्रस्त होने की संभावना ज्यादा रहती है। आम बोलचाल की भाषा में इसे ब्रोकन वेसल्स कहा जाता है।

कई दुश्मन भी

त्वचा के कई दुश्मन भी हैं और वे भी उसकी उम्र बढाने की प्रक्रिया को गति देते हैं। वे हैं -

सूर्य : त्वचा के धूप में लगातार रहने से वह समय से पूर्व वृद्ध हो जाती है। इसे फोटो एजिंग के नाम से जाना जाता है। सूर्य से निकलने वाली पराबैगनी किरणें हमारी त्वचा के कोलाजेन और इलास्टिन को तोड देती हैं। यूवी किरणें स्किन पिग्मेंट (मेलानिन) के उत्पादन के लिए टर्बो चार्ज के रूप में भी काम करती हैं। इसके परिणामस्वरूप त्वचा पर दाग-धब्बे हो जाते हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ कहते हैं कि उम्र बढने से जुडी तकरीबन 90 प्रतिशत समस्या ज्यादा समय तक धूप में रहने से होती है। अगर आप धूप से होने वाले नुकसान का सबूत चाहती हैं तो सिर्फ अपने चेहरे की त्वचा की तुलना शरीर के किसी ऐसे भाग की त्वचा से कीजिए, जो अकसर धूप में नहीं रहती है।

धूम्रपान : सिगरेट पीने से धूप में रहने से जो नुकसान होता है उसे गति मिल जाती है। त्वचा में झुर्रियां पडना और बढ जाता है। धूम्रपान से त्वचा पर और भी कई प्रतिकूल प्रभाव पडते हैं, क्योंकि सिगरेट का निकोटिन रक्त कोशिकाओं को संकरा कर देता है और इससे खून त्वचा की ऊपरी परत की छोटी कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता है। धूम्रपान से कोलाजेन जो इलास्टिन के साथ त्वचा को लचीला और मजबूत बनाकर रखता है, कम बनता है। धूम्रपान से जख्मों के ठीक होने की प्रक्रिया भी धीमी हो जाती है। धूम्रपान करने वाले की पहचान ज्यादा झुर्रियों और हलके ग्रे हो गए कॉम्प्लेक्स से होती है।

प्रदूषण और पर्यावरण : आज हम सभी प्रदूषित माहौल में रह रहे हैं। इससे हमारी त्वचा पर गंदगी की परत बैठ जाती है। यह हमारे रोमछिद्रों को बंद कर देती है। लगातार सेंट्रली हीटेड व एयरकंडीशन्ड माहौल में रहने से भी समस्याएं हो सकती हैं। इससे त्वचा शुष्क और डीहाइड्रेट होती रहती है।

तनाव, नींद न आना : हम सभी लोग तनाव के हमले के शिकार होते हैं और तनाव के आंतरिक संकेतों को दिखाने वाले शरीर के पहले अंगों में त्वचा ही होती है। खुश्की, दाग धब्बे व चिपचिपापन इसके लक्षण होते हैं। पर्याप्त नींद न आना भी एक कारण है, जब कि सोने से त्वचा को मरम्मत और नई ताजगी पाने में सहायता मिलती है।

त्वचा में कसाव लाने के तरीके

स्वस्थ त्वचा के लिए स्वस्थ व संतुलित आहार जरूरी है। त्वचा को परफ्यूम वाले साबुन, क्लोरीन वाले स्विमिंग पूल और ज्यादा समय तक गर्म शावर में रहने से बचाइए। न्यूट्रल पीएच बैलेंस वाले साबुन या बॉडी वॉश का उपयोग कीजिए। शुष्क त्वचा पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां सामने आने की संभावना ज्यादा होती है, अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो इसे नियमित रूप से मॉयस्चराइज कीजिए। आवश्यक हो तो चिकित्सीय सलाह लीजिए।

एंटी एजिंग ट्रीटमेंट

इन दिनों हमारे पास कई तरह के एंटी एजिंग ट्रीटमेंट भी उपलब्ध हैं। पर ये उपचार बगैर जोखिम के नहीं हैं। इसलिए सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं व उपचार के साइड इफेक्ट को समझने के लिए किसी अनुभवी कॉस्मेटिक सर्जन से संपर्क कीजिए। कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के अनुसार कुछ एंटी एजिंग ट्रीटमेंट निम्नलिखित हैं -

लोशंस

ऐसे सभी क्रीम और लोशन सिर्फ डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर उपलब्ध होते हैं। ऐसी क्रीम के नियमित उपयोग से बारीक लाइनों और त्वचा के असामान्य रंग में कमी आती है।

इंजेक्शन

इसमें ग्राहक के शरीर की दूसरी जगहों से हारवेस्ट किया गया सिंथेटिक कोलाजेन या बॉडी फैट छोटी हाइपोडर्मिक सुई के जरिए झुर्रियों के साथ पाइप किया जा जाता है।

फेशियल पील

इसमें चेहरे पर रसायन लगाए जाते हैं, ताकि त्वचा की ऊपर की परत जल जाए। इससे झुर्रियां खत्म हो जाती हैं और नई, जवां दिखने वाली त्वचा तेजी से बढती है।

बोटोक्स

रिंकल प्रोन एरिया, जैसे आंखों के चारों ओर और भौंह के बीच बोटुलिनियम टॉक्सिस इंजेक्ट किए जाते हैं। इसका प्रभाव मांसपेशियों को कसता है और त्वचा पर झुर्रियों को रोकता है।

जोखिम

कुछ कॉस्मेटिक सर्जरी इस तरह से डिजाइन की जाती हैं कि वे त्वचा पर से उम्र का असर कम कर सकें। इसमें आंखों और चेहरे पर कसाव लाना शामिल है। इसके लिए किसी अनुभवी प्लास्टिक सर्जन से संपर्क कीजिए और सुनिश्चित कीजिए कि आप सर्जरी की सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं और साइड इफेक्ट की समझते हैं। यह भी याद रखिए कि सौंदर्य उत्पादों के दावे तो बहुत किए जाते है, पर अभी तक कोई भी उत्पाद ऐसा नहीं है, जो समय की सुई को पीछे कर सके।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 1975

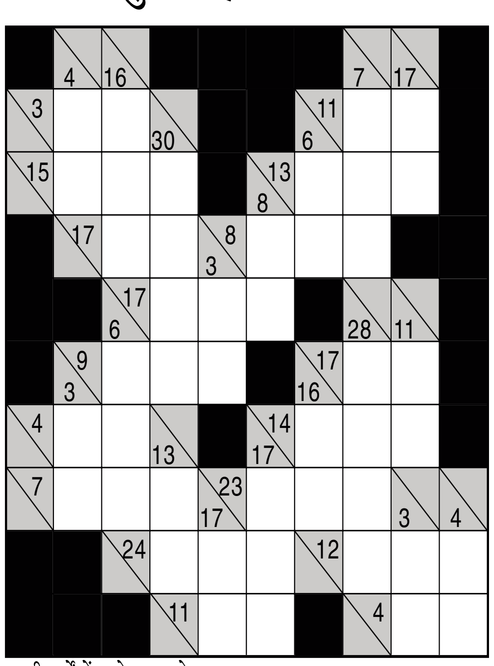

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

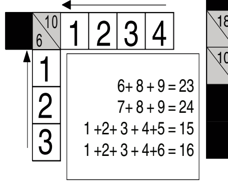

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1974 का हल

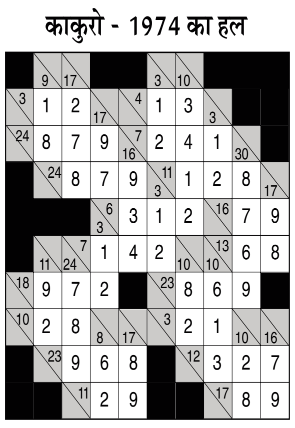

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 1975

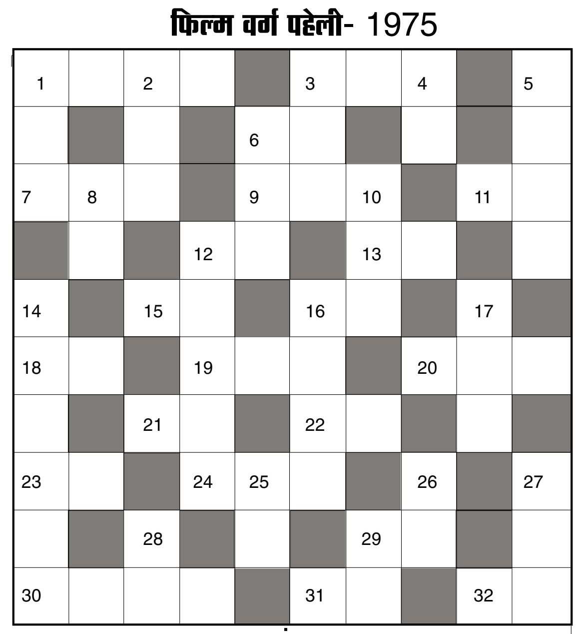

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1974

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

सूडोकु -1975

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1974 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 1975

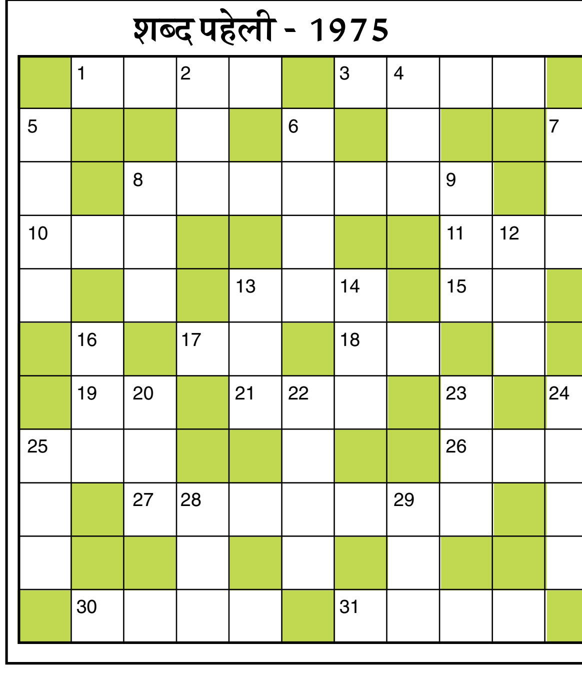

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली - 1972 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

सीएम भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 41 जिलों में 1 हजार 17 पशु चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

एजेंसरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश के 41 जिलों में जिला कलक्टर्स तथा अन्य अधिकारियों ने पशुपालन विभाग के विभिन्न श्रेणी के पशु चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने राज्य सरकार की ओर से पशुपालकों को उपलब्ध कराई जा रही पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, संसाधनों की उपलब्धता तथा व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया। मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश के 41 जिलों में कुल 1017 संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 68 पॉलीक्लिनीक, 246 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, 299 पशु चिकित्सालय, 83 ब्लॉक वेटनरी हेल्थ ऑफिस तथा 321 उप चिकित्सा केंद्र शामिल हैं। इस दौरान पशु चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई सहित जरूरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में एक हजार पशुपालकों से संवाद किया गया। इस निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशु चिकित्सा संस्थानों में आवश्यकतानुसार सुधार के भी निर्देश दिए। जिला कलक्टर्स, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर्स, उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार तथा विकास अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न श्रेणी के पशु चिकित्सालयों एवं उप-केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, टीकाकरण व्यवस्था, चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं स्टाफ की उपस्थिति की समीक्षा की गई। इस निरीक्षण में मौके पर उपस्थित पशुपालकों से अधिकारियों ने संवाद कर समस्याएं जानी और उनके सुझाव प्राप्त किए।

पार्क स्ट्रीट के रेस्तरां में यूट्यूबर को मटन की जगह बीफ परोसने का आरोप, एक कर्मचारी गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में स्थित एक लोकप्रिय बार-कम-रेस्तरां में यूट्यूबर को मटन की जगह बीफ परोसने के आरोप में कोलकाता पुलिस ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई की गई। मामले में पार्क स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, यूट्यूबर सायक चक्रवर्ती शुक्रवार रात अपने दो मित्रों के साथ पार्क स्ट्रीट स्थित प्रसिद्ध बार-कम-रेस्तरां ओलिपब पहुंचे थे। उन्होंने वहां मटन स्टेक का ऑर्डर दिया था, लेकिन आरोप है कि उन्हें बीफ परोसा गया। इस पर आपत्ति जताए जाने पर संबंधित वेटर ने इसे गलती बताते हुए दोबारा मटन स्टेक लाने की बात कही। घटना को लेकर सायक चक्रवर्ती ने पार्क स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रेस्तरां के एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और रेस्तरां प्रबंधन की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

'भारत पर्व' के समापन समारोह के दौरान तीन राज्यों का दिखा सांस्कृतिक तालमेल

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में लाल किले में आयोजित 'भारत पर्व' के समापन समारोह के दौरान कर्नाटक का शास्त्रीय नृत्य, आंध्र प्रदेश का कुचिपुड़ी नृत्य और झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों का सम्मिश्रण देखने को मिला। यह राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक, कलात्मक और पर्यटन विरासत का एक जीवंत प्रदर्शन रहा। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक, यह सांस्कृतिक कार्यक्रम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, पर्यटन, व्यंजन, हथकरघा और विरासत को दर्शाने वाला एक भव्य राष्ट्रीय मंच था। कर्नाटक सरकार के कन्नड़, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से शास्त्रीय नृत्य, संगीत और पारंपरिक लोक प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, जिसमें कन्नड़ कलाकारों ने जीवंत प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। इस अवसर पर कर्नाटक के शिवमोग्गा क्षेत्र का शक्तिशाली और लयबद्ध ढोल नृत्य डोलू कुनिथा मुख्य आकर्षण रहा। इस प्रस्तुति में शानदार यक्षगान भी शामिल था, जो तटीय कर्नाटक की एक अनूठी नृत्य-नाट्य परंपरा है और जिसका इतिहास चार शताब्दियों से अधिक पुराना है। नृत्य, संगीत, रंगमंच और तात्कालिक संवादों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण यक्षगान, आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण मुद्राओं तथा सशक्त संगीत के माध्यम से पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देता है।

मासिक धर्म पर सुप्रीम फैसले का स्वागत करते हुए आईएमए ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और शिक्षा के अधिकार की दिशा में एक बड़ा और प्रगतिशील कदम बताया है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के तहत मौलिक अधिकार बताया है। अदालत ने कहा कि यह अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और निजता के अधिकार का हिस्सा है। न्यायालय ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और स्कूलों को लड़कियों के लिए मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड और पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आईएमए ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख कर कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए अनुरोध किया कि इस फैसले को देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तत्काल और सख्ती से लागू कराया जाए।

पलामू में अंधविश्वास के चलते परिवार के तीन लोगों की टांगी से हत्या, एक बच्ची गंभीर घायल

एजेंसी

पलामू। झारखंड में पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार तड़के करीब 4 बजे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की टांगी से हत्या कर दी गई, जबकि हमले में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल 15 वर्षीय ममता कुमारी को प्राथमिक इलाज के बाद मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

मृतकों की पहचान 45 वर्षीय विजय भुइंया, उनकी पत्नी 40 वर्षीय हेमंती देवी और पुत्र 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। मृतकों पर हमला उनके ही पड़ोसी और सगे भाई रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने किया। दोनों आरोपित घटना के बाद से फरार हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन बजे आरोपित रविंद्र

और प्रमोद के पिता 65 वर्षीय महेशी भुइयां का निधन हुआ। आरोप है कि उनकी मृत्यु को भूत-प्रेत से हुई मौत मानते हुए दोनों भाइयों ने पड़ोसी विजय भुइंया और उसके परिवार पर हमला कर दिया। पहले विजय भुइंया को ओझा या जादू-टोना करने वाला मानकर टांगी से मारा गया, उसके बाद उसकी पत्नी और पुत्र को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में ममता कुमारी गंभीर रूप से घायल हुई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से दोनों परिवारों में ओझा और जादू-टोना को लेकर विवाद चल रहा था। महेशी भुइयां पिछले कई दिनों से बीमार थे और उनके परिवार का आरोप था कि विजय भुइंया ने उन पर भूत लगा दिया था। गांव में कई बार समझौते हुए, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इधर, घटना के करीब चार घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हालांकि, सुबह करीब 9 बजे पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरु की। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने घटना की पुष्टि की और बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे जा रहे हैं। पुलिस आरोपित भाइयों की तलाश में छापेमारी कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

शांति भंग में भीलवाड़ा पुलिस की कार्रवाई, विभिन्न थानों से कई लोग गिरफ्तार

एजेंसी

भीलवाड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देश पर शहर की विभिन्न थाना पुलिस ने शांति भंग के आरोप में बीएनएसएस की धारा 126/170 के तहत कईयों को गिरफ्तार किया है। जिनमें प्रतापनगर थाना पुलिस द्वारा लोकेश पुत्र रामजी लाल वर्मा निवासी बापूनगर,सुभाष नगर थाना पुलिस द्वारा महेन्द्र पुत्र गौरू बंजारा निवासी डुंगरी ढीकोला थाना शाहपुरा,श्यामलाल पुत्र मदन लाल सैन निवासी वाल मोटर गेराज के पास,प्रकाश पुत्र लक्ष्मण माली निवासी संजय कॉलोनी,गांधीनगर थाना पुलिस द्वारा नारू हुसैन पुत्र मकबुल बिसायती निवासी मांडल,बनवारी पुत्र रामचन्द्र गुर्जर निवासी जोधडास,पुर थाना पुलिस द्वारा देबी लाल पुत्र रतन लाल जाट निवासी चुगीनाका पुर,सदर थाना पुलिस द्वारा कैलाश सिंह पुत्र देबी सिंह निवासी पालड़ी प्रमुख है।

दक्षिण कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी, रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई है, जिससे श्रीनगर शहर सहित कुछ स्थानों पर रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर चला गया। अनंतनाग जिले के पहलगाम और कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी देखी गई, जबकि दक्षिण कश्मीर के कई हिस्से बारिश से प्रभावित हुए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर शहर में भी सुबह-सुबह बारिश हुई। श्रीनगर शहर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछली रात के शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसम के सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक था। गांदरबल जिले के सोनमर्ग सहित कई स्थानों के तापमान डेटा उपलब्ध नहीं थे। बारामूला जिले में गुलमर्ग का स्की रिसॉर्ट शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस कम तापमान के साथ जम्मू और कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटक स्थल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4

डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसमी सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक था। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि कोकेरनाग में शून्य डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि 'चिल्लई-कलां' की समाप्ति के बाद 20 दिवसीय 'चिल्लई खुर्द' (छोटी ठंड) शुरू हुई। चिल्लई खुर्द के बाद 10 दिवसीय 'चिल्लई बच्चा' (बच्चों को ठंडा) मनाया जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक बादल छाए रहेंगे और रविवार को खासकर ऊंचे इलाकों में गरज या तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 2-3 फरवरी को कई स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी संभावना है।

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर चलीं गोलियां, जांच शुरू

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के आवास के बाहर देर रात फायरिंग की घटना हुई। कुछ अज्ञात युवकों ने निर्देशक के घर के बाहर लगभग चार राउंड गोलियां चलाईं और उसके बाद मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि इस हमले में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की

पुलिस को फायरिंग की सूचना मिलते ही स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां और मुंबई क्राइम ब्रांच सक्रिय हो गईं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जोनल यूनिट और क्राइम ब्रांच की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई हैं। पुलिस ने तुरंत इलाके में घेराबंदी कर दी है और आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोलियों की आवाज के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए और पुलिस को सूचना दी।

मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने रोहित शेट्टी के घर के बाहर गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि क्राइम ब्रांच और जोनल पुलिस इस मामले की गहन

जांच कर रही हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्यों और आसपास के लोगों के बयानों के आधार पर हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

हर एंगल से जांच जारी

पुलिस ने यह भी संकेत दिया है कि जांच में यह देखा जा रहा है कि क्या यह फायरिंग सिर्फ डराने-धमकाने के इरादे से की गई थी या इसके पीछे किसी और मकसद का हाथ है। अधिकारियों ने बताया कि जांच को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है और यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इस घटना का कोई अंतरराष्ट्रीय गिरोह या आपराधिक नेटवर्क से संबंध तो नहीं है। इस बीच, रोहित शेट्टी और उनके परिवार की ओर से अभी तक कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। बॉलीवुड की कई हस्तियों की सुरक्षा को लेकर पहले से चिंताएं उठ रही हैं, और इस घटना ने उन चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

एसआईआर विवाद: बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पहुंचेंगी दिल्ली, कर सकती हैं मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर सकती हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली पहुंचेंगी। जानकारी सामने आई है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ आम सहमति बनाने के मकसद से दिल्ली में विपक्षी पार्टियों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर सकती हैं। टीएमसी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा के लिए यह समय चुना है, क्योंकि चल रहे बजट सत्र के कारण सभी विपक्षी पार्टियों के प्रमुख नेता वहां मौजूद रहेंगे। मुख्य

चुनाव आयुक्त से मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े बिंदुओं को रख सकती हैं। इससे पहले, उन्होंने सीईसी ज्ञानेश कुमार को एक पत्र भी लिखा था, जिसमें स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) और माइक्रो-ऑब्जर्वर के अधिकार पर सवाल उठाया गया था। पत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि एसआरओ और माइक्रो-ऑब्जर्वर की भूमिका एसआईआर प्रक्रिया की देखरेख तक सीमित नहीं थी, क्योंकि उन्हें अप्रूविंग अथॉरिटी के रूप में भी नामित किया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे अपने पत्र में ममता बनर्जी ने दावा किया कि माइक्रो-ऑब्जर्वर को यह अधिकार देने से चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक चुनावी पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) सिर्फ दर्शक बनकर रह गए हैं। उन्होंने दावा किया कि ऑब्जर्वर और माइक्रो-ऑब्जर्वर को दिए गए अतिरिक्त अधिकार अथॉरिटी भारतीय संविधान के 'लोकतांत्रिक मूल्यों, संघवाद और मौलिक अधिकारों' की भावना के खिलाफ है। हालांकि सीएम ममता बनर्जी के कोलकाता लौटने की तारीख अभी तय नहीं है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि वह 5 फरवरी से पहले लौटेंगी, क्योंकि उस दिन पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'वोट ऑन अकाउंट' पेश किया जाएगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र भी महत्वपूर्ण है, और सत्ता पक्ष सदन में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश करेगा। एक प्रस्ताव केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ लाया जाएगा।

नवजोत कौर सिद्धू ने प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब आने से पहले छोड़ी कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले पूर्व मुख्य संसदीय सचिव नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस को अलविदा बोल दिया है। नवजोत कौर सिद्धू पूर्व मंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू की पत्नी हैं। पिछले कई महीने से सिद्धू दम्पति पंजाब की सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू को हाल ही में राहुल गांधी की हुई बैठक में भी नहीं बुलाया गया था। कैंसर से ठीक होने के बाद दोबारा सक्रिय हुई नवजोत कौर सिद्धू हाल ही में उस समय सुर्खियों में आई थी, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में 500 करोड़ की अटैची देने वाला ही मुख्यमंत्री बनता था। इसके बाद वह समूची कांग्रेस के निशाने पर आ गई थी। इस पर प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने 8 दिसंबर को उन्हें नोटिस जारी करके पार्टी से निलंबित कर दिया था। इसके बाद वह पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिली।

नवजोत कौर सिद्धू ने देर रात सोशल मीडिया 'एक्स' पर कांग्रेस से दूरी बनाने का ऐलान किया। रविवार को अमृतसर में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस छोड़ने की वजह गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस में मेहनती और काबिल नेताओं की बात नहीं सुनी जाती। फैसले निजी स्वार्थों के आधार पर लिए जाते हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने सांसद व पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा पर भी आरोप लगाए थे। अब रंधावा ने डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के पार्टी छोड़ने पर कहा कि अच्छा हुआ, छुटकारा मिला।

हिमाचल, उत्तराखंड समेत पहाड़ी इलाकों में पर्वतीय ट्रेल्स का ऐलान, कंगना बोलीं- विकसित भारत का बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में यूनियन बजट 2026-27 पेश किया। यह उनका नौवां बजट है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को तेजी से विकास की राह पर ले जाना है। बजट में पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण पर खास फोकस है।

बजट में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ पर्वतीय ट्रेल्स विकसित करने की घोषणा की गई है। घाटी में नए ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ये ट्रेल्स ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए खास अनुभव देंगे। इसके अलावा, वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ओडिशा, कर्नाटक और केरल में प्रमुख कछुआ प्रजनन स्थलों पर कछुआ ट्रेल्स विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही पूर्वी घाट के अराकू घाटी और पश्चिमी घाट के पुडिगई मलै में भी ऐसे ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ये ट्रेल्स पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देंगे। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत

ने पर्यटन, पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली इन योजनाओं की सराहना की। इन घोषणाओं पर कंगना रनौत ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'यह विकसित भारत का बजट है। हम विकसित भारत के लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच गए हैं।'

सरकार का मानना है कि भारत में ट्रेकिंग और प्रकृति-आधारित पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं। ये योजनाएं स्थानीय रोजगार बढ़ाएंगी, पर्यावरण की रक्षा करेंगी और पर्यटकों को बेहतर अनुभव देंगी। ये घोषणाएं हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों के लिए खास फायदेमंद साबित होंगी।

पर्यटन क्षेत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। देश के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 10 हजार टूर गाइड्स को प्रशिक्षित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा। यह 12 हफ्ते का उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण हाइब्रिड मोड में भारतीय प्रबंधन संस्थान के साथ मिलकर दिया जाएगा। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय डिजिटल डेस्टिनेशन नॉलेज ग्रिड तैयार किया जाएगा। इसमें भारत के सभी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत स्थलों की जानकारी डिजिटल रूप से संकलित और उपलब्ध कराई जाएगी।

राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद सोनम वांगचुक को एम्स ले जाया गया

एजेंसी

जोधपुर। हरियाणा के जोधपुर की सेंट्रल जेल में चार माह से अधिक समय से बंद लद्दाख के पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा के साथ एम्स ले जाया गया। यहां उनकी स्वास्थ्य जांच की गई है। एम्स के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने वांगचुक का परीक्षण किया गया है। इसकी रिपोर्ट सोमवार को उच्चतम न्यायालय में पेश की जाएगी। हाल ही सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में उनके वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा था कि जेल के पानी से उन्हें पेट की गंभीर समस्या हो रही है। कोर्ट ने उनकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। सोनम की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया पर अगली सुनवाई दो फरवरी को होने की जानकारी साझा की थी। वांगचुक की लोकप्रियता और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एम्स परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मातृशक्ति समाज की आधारशिला, संवेदनशीलता हर माता का स्वाभाविक गुण : भैय्याजी जोशी

एजेंसी

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य भैय्याजी जोशी ने मातृशक्ति की भूमिका को समाज की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता हर माता का स्वाभाविक गुण है। प्रकृति ने महिला को ऐसा स्वरूप दिया है, जो केवल जन्म ही नहीं देता बल्कि जीवन को संवारता भी है।

भैय्याजी जोशी विश्वमांगल्य सभा के मालवा प्रांत के पहले अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यह अधिवेशन मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में शनिवार से भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। शिप्रा तट स्थित ऐतिहासिक झालरिया मठ में आयोजित इस दो दिवसीय आवासीय अधिवेशन में मालवा प्रांत के 10 जिलों से आई लगभग 1200 मातृशक्तियों ने सहभागिता की। भैय्याजी जोशी ने चिकित्सा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि चिकित्सालयों में परिचारिका की भूमिका प्रायः महिला निभाती है,

क्योंकि प्रकृति जानती है कि वही बेहतर तरीके से पीड़ा को समझकर उपचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति ज्ञान और शिक्षा को बच्चे में संचारित करती है, जबकि पुरुष ज्ञान का भंडार प्रदान करता है। मां संस्कार देती है और पुरुष पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान देता है। इस प्रकार महिला ऊर्जा का केंद्र होने के साथ-साथ प्रकृति की अमूल्य देन भी है। भैय्याजी जोशी ने व्यवहार और सेवा के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यवहार एक भावना है, जबकि सेवा संस्कारों की प्रतिपूर्ति है। समाज जीवन के हर क्षेत्र में माता की भूमिका कमतर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो कार्य महिला कर सकती है, वह कार्य पुरुष नहीं कर सकता। महिलाओं को यह सोच नहीं लानी चाहिए कि पुरुष जो काम करते हैं, वे उनके लिए नहीं हैं। यदि कुछ कार्य सामाजिक दृष्टि से अनुचित या बुरे हैं, उन्हें छोड़ दिया जाए, तो शेष सभी कार्य महिलाएं पूरी क्षमता के साथ कर सकती हैं। ऐसा दृष्टिकोण ही शक्ति के वास्तविक प्रकटीकरण का प्रतीक है। विश्वमांगल्य स्वनाथ परिषद् की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पायल कनोड़िया ने कहा कि मातृशक्ति केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने आत्मबल और संगठनात्मक शक्ति को पहचानकर समाज के सकारात्मक परिवर्तन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की चेयरपर्सन डॉ. मृदुला धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अर्थ केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्तव्यों के प्रति सजग होना भी है। उन्होंने कहा कि जब मातृशक्ति जागरूक होती है, तब समाज स्वतः ही सशक्त बनता है।

किरेन रिजिजू समेत कई नेताओं ने बजट को बताया ऐतिहासिक, बोले-सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश कर रही हैं, ऐसे में विभिन्न राज्यों के नेताओं ने इस बजट को किसानों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में सभी को प्राथमिकता दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, 'जिस विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर देश की सरकार काम कर रही है। 2014 से निरंतर हर बजट इसी दिशा में आगे बढ़ने के पायदान की तरह होता है। इस बार का बजट भी भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि देश की सरकार पिछले 11 सालों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के जिस लक्ष्य के लिए काम कर रही है, उस दिशा में 2014 से पेश किए गए हर बजट ने लगातार प्रगति की है। हर

बजट एक कदम आगे बढ़ा है। इस साल का बजट भी भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में एक कदम और आगे ले जाएगा।'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक बजट है। प्रधानमंत्री की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ेगी। रिफॉर्म एक्सप्रेस बहुत आसानी से आगे बढ़ रही है। इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है।'

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट सत्र के लिए संसद जाने से पहले अपने आवास पर एक पौधा लगाया। उन्होंने इस बजट को 'यह विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का बजट' बताया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केंद्रीय बजट 2026 पर कहा, 'यह बजट समावेशी होगा, जो किसानों, युवाओं, महिलाओं और देश के सभी क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत को विकसित भारत बनाने के विजन को सपोर्ट करेगा।' उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'हम भारत के वित्त मंत्री की ओर से पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमें भरोसा है कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर पहल प्रगतिशील रही है।'

बजट में खेलों पर भी जोर , 'खेलो इंडिया मिशन' होगा शुरु

प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के रविवार को पेश किये गये आम बजट में खेलों पर भी काफी जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का लक्ष्य अगले 10 साल में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास कर नई प्रतिभाओं को सामने लाना रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में और भी बदलाव आयें।

सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा कोचों और सहायक स्टाफ का भी व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इसमे खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने आने के लिए बेहतर मंच और संसाधन मिलेगा।

कम कीमतों में उच्च गुणवत्ता के खेल सामान निर्माण की दिशा में भी सरकार काम करने जा रही है। इससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने पर जोर दिया है।

भारत की देविका ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। देविका को इस टूर्नामेंट के महिला एकल के खिताबी मुकाबले में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद आसानी से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब हासिल को गया। देविका तब मैच में 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी तभी मलेशिया की वेई हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हट गयीं। इससे देविका को अपने करियर का एक बड़ा खिताब मिल गया। दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही वेई ने इससे पहले के मैच में भी थकान की शिकायत की थी। देविका ने फाइनल में तेज शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। वहीं एक नेट कॉर्ड की बदौलत वेई ने अपना पहला अंक हासिल किया।वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर बरकार 20 साल की देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही हैं। वह पिछले कुछ समय से ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से भी खेल की टिप्स ले रहीं थीं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 : भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने किया चित, 58 रनों से जीता मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करते हुए 58 रनों से हरा दिया है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वेदांत त्रिवेदी के अर्धशतक की बदलौत एक गेंदें शेष रहते सभी 10 विकेट के नुकसान पर पाकिस्तान को 253 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पाकिस्तान 194 रनों पर ढेर हो गई। त्रिवेदी ने 98 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन बनाए जिससे भारत 250 का आंकड़ा पार कर पाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंदों पर मात्र 30 रन ही बना पाए जबकि ओपनर ऑरोन जॉर्ज ने भी 16 रन की छोटी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल सके।

प्लेइंग 11

भारत अंडर-19 : एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन

पाकिस्तान अंडर-19 : हमजा जहूर (विकेटकीपर), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, फरहान यूसुफ (कप्तान), हुजैफा अहसन, अली हसन बलूच, अब्दुल सुभान, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, अली रजा

वैभव सूर्यवंशी को नेशनल टीम में शामिल करने का समय आ गया: सबा करीम

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और अपना सातवां बड़ा खिताब जीता।

वर्ल्ड नंबर 1 ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच को एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल (2-6 6-2 6-3 7-5) में हराकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अल्काराज ने फाइनल तीन घंटे और दो मिनट में जीता। ATP के अनुसार अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी भी बन गए हैं। गौरतलब है कि यह अल्काराज का ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू के बाद पहला मेलबर्न फाइनल भी था।

ATP के अनुसार 21वीं सदी में केवल चार खिलाड़ियों ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया है। जोकोविच ने 2016 में ऐसा किया था, उसके बाद राफेल नडाल (2010) और रोजर फेडरर (2009) का नंबर आता है। इसके साथ ही 22 वर्षीय अल्काराज ने दिग्गजों के बीच अपनी जगह पक्की कर ली है। पुरुषों में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज (22 साल और 272 दिन) रॉड लेवर (24 साल और 32 दिन), राफेल नडाल (24 साल और 102 दिन), रोजर फेडरर (27 साल और 303 दिन), नोवाक जोकोविच (29 साल और 15 दिन) और आंद्रे अगासी (29 साल और 68 दिन) हैं।

ATP के अनुसार लेवर ने 1962 में एक शौकिया खिलाड़ी के तौर पर और 1969 में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। वर्ल्ड नंबर 1 ओपन एरा में सात बड़े सिंगल्स टाइटल जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं, जो ब्योर्न बोर्ग से आगे हैं, जिन्होंने 1979 में रोलैंड गैरोस में सातवां बड़ा टाइटल जीता था। 2022 में अल्काराज ने US ओपन में अपना पहला बड़ा टाइटल जीता और इस जीत के साथ वह PIF ATP रैंकिंग (1973 से) में सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने 2023 में अपनी पहली विंबलडन ट्रॉफी जीती और 2024 ग्रैंड स्लैम इवेंट में अपने टाइटल का बचाव किया। रोलैंड गैरोस में अल्काराज 2024 और 2025 में विजयी रहे।

बुमराह ने अपने टी20 करियर का सबसे महंगा ओवर किया

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 में असफल रहे। बुमराह इस मैच में सबसे महंगे साबित हुए। वह 58 रन देने के बाद भी कोई विकेट नहीं ले पाये। ये पहली बार रहा जब बुमराह ने किसी मैच में इतने अधिक रन दिये। इससे पहले का उनका सबसे महंगे मैच 2021 का आईपीएल रहा था। तब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चार ओवर में 56 रन देकर केवल एक विकेट लिया था। बुमराह ने इस अंतिम मैच में अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना सबसे महंगा ओवर भी किया। इसमें बुमराह ने 22 रन दिये। वहीं इससे पहले बुमराह का सबसे महंगा ओवर साल 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, तब उन्होंने एक ही ओवर में 21 रन दिए थे। बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज भी काफी महंगे रहे। अर्शदीप सिंह ने 51 रन दिये हालांकि उन्होंने पांच विकेट लिए। हार्दिक पांड्या ने 15 रन, वरुण चक्रवर्ती ने एक विकेट लेकर 36 रन वह अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर 33 रन दिये। बुमराह और अर्शदीप के इस प्रकार के महंगे ओवरों से टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। भारत ही नहीं यहां अंतिम मैच में कीवी गेंदबाजों की भी जमकर कुटाई हुई। कीवी गेंदबाज जेकब डफी, काइल जेमिसन और मिचेल सैंटनर ने 50 रनों से अधिक दिये। सैंटनर के ओवर में 60 रन बने।

अर्शदीप टी20 में सबसे अधिक रन देकर पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने पांचवे और अंतिम टी20 में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा दिया।

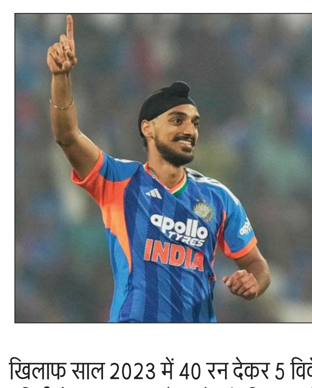

इसी के साथ ही भारतीय टीम ने ये सीरीज 4-1 से जीती पर मैच में पांच विकेट लेने के बाद भी अर्शदीप के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। अर्शदीप इसी के साथ ही किसी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में सबसे ज्यादा रन देकर 5 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ के नाम दर्ज था। जोसेफ ने जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2023 में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एंगिडी ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल में 39 रन देकर 5 विकेट लिए थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही अर्शदीप ने 76 मैचों में 118 विकेट लिए हैं। यह पहला मौका था, जब अर्शदीप ने एक पारी में 5 विकेट लिए।

वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

बुलावायो। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। अब उनके यूथ एकदिवसीय में 1150 रन हो गये हैं। इस मैच के दौरान जैसे ही वैभव ने अपने 11 रन पूरे किए। वह भारत के लिए यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हो गये हैं। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 22 गेंदों का सामना करते हुए कुल 30 रन बनाए जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था। अब वैभव की नजरें यूथ एकदिवसीय में सबसे रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर टिक गई हैं। वह जल्द ही विजय जोल के 1404 रन और यशस्वी जयसवाल के 1386 रन के रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं।यूथ एकदिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज तन्मय श्रीवास्तव हैं उनके नाम 1316 रन हैं।

भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम: सेंटनर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम कप्तान मिचेल सेंटनर ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम है क्योंकि वह बखूबी जानती है कि अपने मैदानों में किस प्रकार खेलना है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने कीवी टीम बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी टिक नहीं पायी। भारतीय टीम सीरीज में केवल एक ही मैच में हारी थी। पहले तीन मैच जीतने के बाद भारतीय टीम को चौथे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने अंतिम मैच में 46 रनों की जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए सेंटनर की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं क्योंकि अब उसे 7 फरवरी से होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम से उसी की धरती पर खेलना है। विश्वकप संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

सेंटनर ने कहा, पूरी सीरीज को देखें तो हमें काफी सकारात्मक बातें भी सीखने को मिलीं। मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भारतीय टीम काफी अच्छी है। उसे इन हालातों में हराना बहुत कठिन है। ये सीरीज कुल मिलाकर मनोरंजक रही। साथ ही कहा कि जब आपको पूरी सीरीज में चुनौती मिलती है तो यह हमेशा अच्छी बात होती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है और उससे आप उससे सीखते हैं। परिणाम भले ही हमारे पक्ष में भले ही नहीं रहे पर हमें हर एक मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिला। अब न्यूजीलैंड टीम आठ फरवरी से टी20 विश्वकप में उतरेगी। कीवी टीम इसमें ग्रुप डी में शामिल है, जिसमें अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और यूएई हैं। न्यूजीलैंड को अपने मैच भारतीय धरती पर खेलने हैं। वहीं सेंटनर ने कहा कि विश्वकप को लेकर उन्हें काफी सुधार करने होंगे। गेंदबाजी में हमें विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के तरीके तलाशने होंगे।

अंडर-19 विश्वकप में भी भारत-पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने आज यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर 6 ग्रुप 2 मैच में हाथ नहीं मिलाया। टॉस के बाद भारतीय अंडर-19 कप्तानी आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ हाथ मिलाये बिना ही वापस हो गये। इस प्रकार एशेया कप में जिस प्रकार भारतीय सीनियर टीम ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। वही सिलसिला इस मैच में भी बरकरार रहा। भारतीय सीनियर टी10 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साल 2025 एशिया कप के दौरान अपने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था, तब से ही भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैचों में टॉस के दौरान हाथ न मिलने का सिलसिला जारी है। भारत ए टीम के कप्तान ने भी एशिया कप। इससे के अलावा महिला विश्वकप में भी भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तपान से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय टीम के पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाने का कारण पाक का पहलगाम आतंकी हमले में शामिल होना रहा है। इसके बाद भारतीय सेना ने पाक में आतंकी ठिकानों को धवस्त कर दिया था।

ईशान को अंतिम टी20 में विकेटकीपर बनाने का कारण सूर्यकुमार ने बताया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में ईशान किशन के विकेटकीपिंग किये जाने के कारणों का खुलासा किया है। सूर्या ने खुलासा किया कि सीरीज शुरू होने से पहले ही तय हो गया ता कि संजू पहले तीन मैच में विकेट कीपिंग करेंगे, वहीं आखिरी दो मुकाबलों में ईशान किशन को मौका मिलेगा। सूर्या ने कहा, तिलक वर्मा के नहीं होने की वजह से संजू सैमसन और ईशान दोनो को ही शामिल किया गया था। हमने सीरीज से पहले ही तय कर लिया था कि संजू तीन मैचों में विकेटकीपिंग करेंगे और ईशान अंतिम दो मैचों में ये जिम्मेदारी संभालेंगे। ईशान फिट नहीं होने के कारण पिछले मैच से बाहर थे। ईशान की शतकीय पारी के लिए भी सूर्या ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम उनके कौशल के बारे में पहले से ही जानती थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 卐हम हमेशा जानते थे कि वह क्या कर सकते हैं और हमने इस सीरीज से पहले घरेलू क्रिकेट में उनकी बल्लेबाजी देखी थी। हम चाहते थे कि वह उसी तरह बल्लेबाज करें और अपनी पहचान न बदलें। वह घरेलू क्रिकेट में पारी शुरुकर रहे थे, और यहां वह नंबर तीन पर बल्लेबाज कर रहे थे। हम चाहते थे कि वह गेम-चेंजर बनें, उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमें बेहद खुशी हुई है ' ईशान को टीम में जगह तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण मिली थी और उन्होंने अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शतक बनाया। ऐसे में माना जा रहा है कि तिलक की टीम में वापसी होते ही सैमसन को बाहर होना पड़ेगा क्योंकि कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों में सैमसन बूरी तरह से असफल रहे थे।

ईशान किशन बनाम संजू सैमसन : ओपनिंग स्लॉट पर कब होगा फैसला, सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम में ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही बहस अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया है कि ईशान किशन और संजू सैमसन में से कौन ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 में ओपनिंग करेगा, इसका अंतिम फैसला 7 फरवरी को लिया जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीत के बाद स्यङ्ग ने टीम कॉम्बिनेशन, बल्लेबाजी अप्रोच और घरेलू वर्ल्ड कप के दबाव को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी।

ओपनिंग स्लॉट पर सस्पेंस बरकरार

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद ब्रॉडकास्टर से बातचीत में सूर्यकुमार यादव ने माना कि ओपनर को लेकर चयन की दुविधा अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईशान किशन और संजू सैमसन दोनों ही प्लेइंग XI के मजबूत दावेदार हैं और इस मुद्दे पर स्पष्टता 7 फरवरी को सामने आएगी। कप्तान के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट हर पहलू पर विचार कर रही है।

तिलक वर्मा की वापसी से बढ़ी मुश्किल

SKY ने यह भी बताया कि तिलक वर्मा की फिटनेस और फॉर्म चयन प्रक्रिया को और चुनौतीपूर्ण बना रही है। उनके अनुसार, तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में स्क्वाड के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं, जिससे सिलेक्शन कॉल और भी मुश्किल हो गया है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत का रणनीतिक प्लान

सूर्यकुमार यादव ने भारत की संभावित रणनीति पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा टी20 क्रिकेट में आक्रामक टॉप ऑर्डर बेहद जरूरी है। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। कप्तान के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मिलकर 16 ओवर डाल सकते हैं, जिससे बल्लेबाजी को गहराई देने का मौका मिलता है।

ऑलराउंडर्स से मिल रही है फ्लेक्सिबिलिटी

SKY ने बताया कि हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और जरूरत पड़ने पर अभिषेक शर्मा गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प देते हैं। इससे टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत कॉम्बिनेशन बना सकती है, जो वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम साबित हो सकता है।

घरेलू वर्ल्ड कप का दबाव और उत्साह

भारत में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सूर्यकुमार यादव ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में खेलना दबाव जरूर लाता है, लेकिन यही दबाव खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने माना कि लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतना ऐतिहासिक चुनौती है, लेकिन इसे वह सकारात्मक दबाव और बड़ी जिम्मेदारी के तौर पर देख रहे हैं।

निडर बल्लेबाजी से कप्तान खुश

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की सीरीज जीत के बाद कप्तान ने भारतीय बल्लेबाजों की निडर सोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अप्रोच पर टिके रहने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'पहली गेंद पर छक्का भी सही फैसला हो सकता है'

SKY के मुताबिक, टी20 क्रिकेट में हालात के हिसाब से फैसले लेने जरूरी हैं। अगर पिच और कंडीशन इजाजत देती है, तो पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने में कोई बुराई नहीं है। कप्तान का मानना है कि खिलाड़ियों का यह बेखौफ रवैया उनकी कप्तानी को आसान बनाता है।

पांड्या डेथ ओवरों में 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। ऑलराउडर हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 17 गेंदों पर ही 42 रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस पारी में पांड्या का स्ट्राइक रेट 247.06 का रहा। इससे वह अन्य खिलाड़ियों से अलग नजर आये। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी इस आक्रामक पारी से पांड्या ने अंतिम ओवरों

(डेथ ओवरों) में 1000 रन बनाने का एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या के नाम अब अंतिम ओवरों में 1030 रन हो गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के नाम अंतिम ओवरों में 986 रन हो गये हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि अफगानिस्तान के मो नबी 973 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। पांड्या जब बल्लेबाजी के लिए आये थे। तब भारतीय टीम ने 14.3 ओवर में 3 विकेट पर 185 रन बनाये थे। वहीं इसेक बाद पांड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 20 ओवर में 271 रन तक पहुंचा दिया जिससे कीवी टीम पर दबाव आया और वह 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 225 रनों पर ही सिमट गयी।

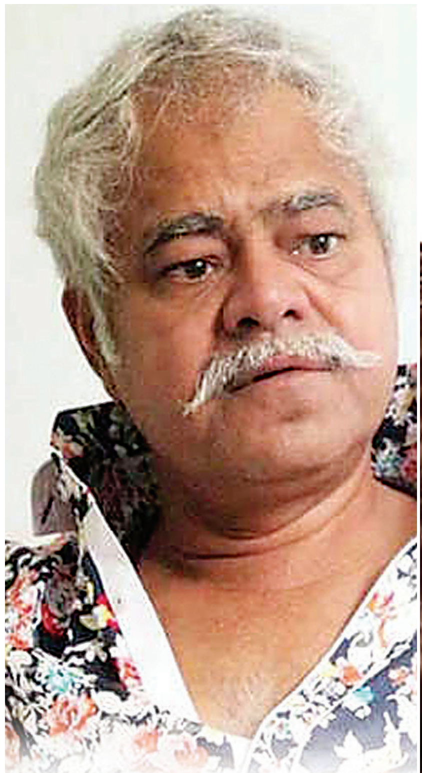

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा, 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज

साल 2022 में फिल्म 'वध' रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। 'वध 2' को लेकर दर्शक काफी समय से इंतजार रहे थे। मंगलवार को 'वध 2' का ट्रेलर सामने आया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

'वध 2' के ट्रेलर में नजर आई नई मिस्ट्री?

फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के डायेक्टर, राइटर जसपाल सिंह संधू हैं। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के अलावा कुमुद मिश्रा, अमित के. सिंह, अक्षय डोगरा, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। फिल्म फेस्टिवल में सराही गई 'वध 2' थिएटर में रिलीज होने से पहले फिल्म फेस्टिवल्स में वध 2 सराही गई थी। इस फिल्म को रिलीज से पहले 56वें आईएफएफआई 2025 में काफी तारीफ मिली थी। गाला प्रीमियर सेक्शन में इसकी स्क्रीनिंग हाउसफुल रही थी।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है।

श्रिया सरन ने खास बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग, सोशल मीडिया ने बदली जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

रियलिटी शोज में रोमांस अब फेक और स्ट्रैटेजी बन चुका है

रियलिटी शो के स्टार प्रिंस नरूला का मानना है कि आजकल रियलिटी शो में रोमांस ज्यादातर नकली हो गया है। उनका कहना है कि कई कंटेस्टेंट गेम में आगे बढ़ने और लाइमलाइट में आने के लिए रिश्तों को स्ट्रैटेजी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। प्रिंस जल्द ही पत्नी युविका चौधरी के साथ अपकमिंग रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगे। उन्होंने बताया, अब रियलिटी शो में रोमांस नकली हो गया है। लोग शो में रिश्ते बनाते हैं, लेकिन बाहर आने के बाद अलग हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यह शो में सर्वाइव करने का आसान तरीका है। प्रिंस ने बताया कि जब उन्होंने बिग बॉस 9 में हिस्सा लिया था, तब भी ऐसी चीजें होती थीं। लेकिन उनका मानना है कि अगर कोई सच में प्यार ढूंढ रहा है, तो रियलिटी शो में भी सच्चा रिश्ता बन सकता है। उन्होंने कहा, मुझे भी अपना प्यार एक रियलिटी शो में ही मिला और पत्नी के साथ द 50 में एंट्री को लेकर मैं उत्साहित हूं। पत्नी के साथ होने से मुझे एक्स्ट्रा ताकत मिलेगी, जब भी युविका मेरे साथ होती है तो मुझे टेंशन नहीं होती और शो में भी मैं टेंशन के बिना रह सकूंगा।

जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी वेलकम टू द जंगल

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है। कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मैं खुद एक बेटी की मां हूं, डर तो लगा ही रहता है

एक लड़की जिसे अव्वल तो एक्ट्रेस बनना नहीं था, पर किस्मत ने फिल्म के सेट पर पहुंचा दिया। फिर सितारों की इस दुनिया में वह ऐसी चमकी कि बॉलीवुड की रानी बन गई। हम बात कर रहे हैं, नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं रानी मुखर्जी की। इस साल इंडस्ट्री में 30 साल का शानदार सफर पूरा करने वाली रानी अपनी फिल्म मर्दानी 3 के लिए चर्चा में हैं। वह पर्दे पर एक बार फिर टॉप कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापसी कर रही हैं। इस बार वह उन लड़कियों को बचाने के लिए वापस आ गई हैं, जो बिना किसी सुराग के अचानक गायब हो जाती हैं। रानी ने बातचीत में फिल्म, निजी जीवन, करियर और बेटी आदिरा की परवरिश को लेकर बात की।

आपने सिनेमा जगत में 30 साल का सफर तय कर लिया है। ढेरों फिल्में, अवॉर्ड्स, कैसे देखती हैं आप अपने इस सफर को?

पैरेंट्स नहीं, सिर्फ डैडी नहीं चाहते थे कि मैं एक्टर बनूं। मम्मी बहुत एक्साइटेड थीं। मम्मी की वजह से ही तो मैं आई हूं पर आप सही हैं, मैं वो लड़की थी जिसे एक्ट्रेस नहीं बनना था। मैं बाय चांस एक्ट्रेस बन गई, लेकिन इंडस्ट्री में आने के बाद इस काम, इस कला से मुझे प्यार हो गया तो मुझे लगता है कि शायद मैं एक्ट्रेस बनने के लिए ही पैदा हुई थी, क्योंकि इन तीस साल में मुझे दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिला, वह बहुत खास है। इसमें ऊपरवाले का बहुत बड़ा हाथ है कि वह मुझे यहां तक खींचकर लाए।

बीते साल आपको मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में बेहतरीन अदाकारी के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। आपको लगता है कि अगर आप मां नहीं होती तो वो इमोशन निभा पाती? खुद मां होने का कितना श्रेय है उसमें?

मां का किरदार मैंने पहले भी निभाया है। तारा रम पम में किया था। कुछ कुछ होता है में भी मेरा मां का किरदार था तो मुझे लगता है कि जब आप एक औरत के रूप में जन्म लेते हैं, तभी आपके अंदर एक मां का भी जन्म हो जाता है, तो मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे पहले भी आती तो शायद मेरा वही भाव होता, क्योंकि मेरी भतीजी भी है, उसे भी मैं अपने बच्चे की तरह ही प्यार करती हूं। मुझे नहीं लगता है कि एक औरत के भीतर बच्चा होने के बाद ही वो मदरली फीलिंग आती है। आप किसी बड़ी बहन से बात करें तो वो अपनी छोटी बहन या भाई के लिए यही कहती है, यह मेरे बच्चे जैसा है। एक औरत होना अपने में ही महान चीज है। ममता का भाव हममें जन्म से ही होता है। इसलिए हम, गुड्डे-गुड़ियों का खेल खेलते हैं, घर बनाते हैं तो वह एक फीलिंग हममें हमेशा से ही होती है।

एक औरत होने की सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी आप क्या मानती हैं?

हमारी ताकत ही हमारी कमजोरी है। हमारा जो प्यार है, हम जिस तरह से प्यार करते हैं कि प्यार में सब कुछ दे देते हैं। सबको खुद से आगे रखते हैं। यह हमारी ताकत भी है और कमजोरी भी। मैं भी ऐसी ही हूं, क्योंकि मैंने अपनी मां को ऐसा करते देखा है, लेकिन मेरा मानना है कि हर इंसान को खुद को आगे रखना चाहिए, क्योंकि अगर खुद पर ध्यान नहीं देंगे तो दूसरे को कहां वो प्यार दे पाएंगे, तो ऐसा करना जरूरी है।

करियर के शुरुआत में आपकी आवाज को लेकर आलोचना हुई, उन चीजों से कैसे डील किया?

असल में, चाइनीज कैलेंडर में मेरी राशि घोड़ा है तो मैं वैसी ही हूं। मैं ब्लिंकर्स पहनती हूं और सामने देखती हूं। इधर-उधर देखती ही नहीं हूं। कौन क्या कह रहा है, सोच रहा है, उसमें वक्त बर्बाद नहीं करती हूं। मुझे जो करना है, करती हूं और यही सोच मेरे काम आई।

आप एक्स, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया से दूर हैं। ये चीजें आपको नहीं लुभाती?

नहीं। मेरे इतने सारे रिश्ते हैं। मैं एक बेटी हूं, बीवी हूं, मां हूं, दोस्त हूं, एक्टर हूं तो मुझे कितनी भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उस पर एक सोशल मीडिया की जिम्मेदारी मैं क्यों अपने ऊपर लादूं? वो भी तो एक जिम्मेदारी बन जाएगी तो कम से कम उससे तो बचूं। (हंसती हैं)

मर्दानी 2 में कहानी एक रेप केस की थी, अब मर्दानी 3 में आप गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी गंभीर सामाजिक खतरे से डील कर रही हैं। ये फिल्में करते वक्त आप पर क्या असर पड़ता है? ये मुद्दे परेशान करते हैं?

परेशान तो करते ही हैं ना, क्योंकि समाज में ये चीजें हो रही हैं। बहुत बार हम सोचते हैं कि यार, हमें ऐसी डिस्टर्बिंग चीज से बचना चाहिए, क्योंकि हम इससे असहज हो जाते हैं, लेकिन ऐसी चीजों में असहज होना जरूरी है। डिस्टर्बिंग चीज देखनी है क्योंकि उसी से जागरूकता आएगी। मैं ये कहानियां इसीलिए लेकर आती हूं कि लोगों को बताऊं कि ये सब हो रहा है। हमारे नुक्कड़, पड़ोस में हो रहा है, तो जागो। हम सिर्फ अपने आरामदायक कमरों में नहीं रह सकते। इस दौर में हमें हर चीज का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सुझाव

लाइफस्टाइल में शामिल करें ये हेल्थी आदतें

अस्थमा अटैक से हमेशा रहेंगे दूर

बिगड़ते लाइफस्टाइल के कारण लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आते जा रहे है। इन्हीं में से एक है अस्थमा अटैक। ऐसे में अपनी आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन बीमारियों से बत सकते है। अच्छी डाइट के साथ रोजाना प्रोपर एक्सरसाइज से आप अस्थमा के साथ-साथ कई बीमारियों को दूर कर सकते है। आइए जानते है कि किस तरह लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करके आप बीमारियों से बट सकते है।

अपनाए ये हेबिट्स

- अस्थमा की समस्या तो बहुत से लोगों को होती है लेकिन अस्थमा अटैक जानलेवा हो सकता है। ऐसे में इससे बचने के लिए आप रोजाना योग निद्रा आसन कर सकते है।
- रोजाना अपनी डाइट में प्रोटीन पदार्थ, फल और सब्जियों को शामिल करके भी इससे बचा जा सकता है।
- हाल ही में हुए एक शोध में बताया गया है कि ज्यादा रोटिन चेकअप न करवाने लोगों को ही अस्थमा अटैक आता है। इसलिए टाइम टू टाइम अपनी रोटीन चेकअप करवाते रहें।
- अक्सर मोटापे के कारण लोगों को अस्थमा की समस्या हो जाती है। इसलिए रोजाना वर्कआउट से अपने वजन को कंट्रोल में रखें।
- बाहर निकलते समय अपने मुंह पर कोई कपड़ा बांध लें। ताकि धूल-मिट्टी से आपको सांस लेने में तकलीफ न हो।
- रोजाना दिन में 2 बार एक्सरसाइज करने से अस्थना अटैक का खतरा 80 प्रतिशत तक कम हो जाता है।
- शोध के मुताबिक अस्थमा से पीड़ित लोगों को शारीरिक गतिविधि में भाग लेते रहना चाहिए। इससे अस्थमा से लड़ने के लिए शरीर को एनर्जी मिलती रहती है।
- एक्सरसाइज करते समय इस बात का ध्यान रहें की आसन ज्यादा कठोर न हो। इससे अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ सकता है।
- अस्थमा में अपनी दवाइयों और पम्प की एक्सपायरी डेट का भी ध्यान रखें। एक्सपायरी दवाइयां खाने से आपकी अस्थमा की समस्या बढ़ सकती है।
- अस्थमा में धूम्रपान, तम्बाकू और शराब का सेवन करने से बचे। इससे अटैक का खतरे के साथ-साथ दूसरी बीमारियां होने का डर भी रहता है।

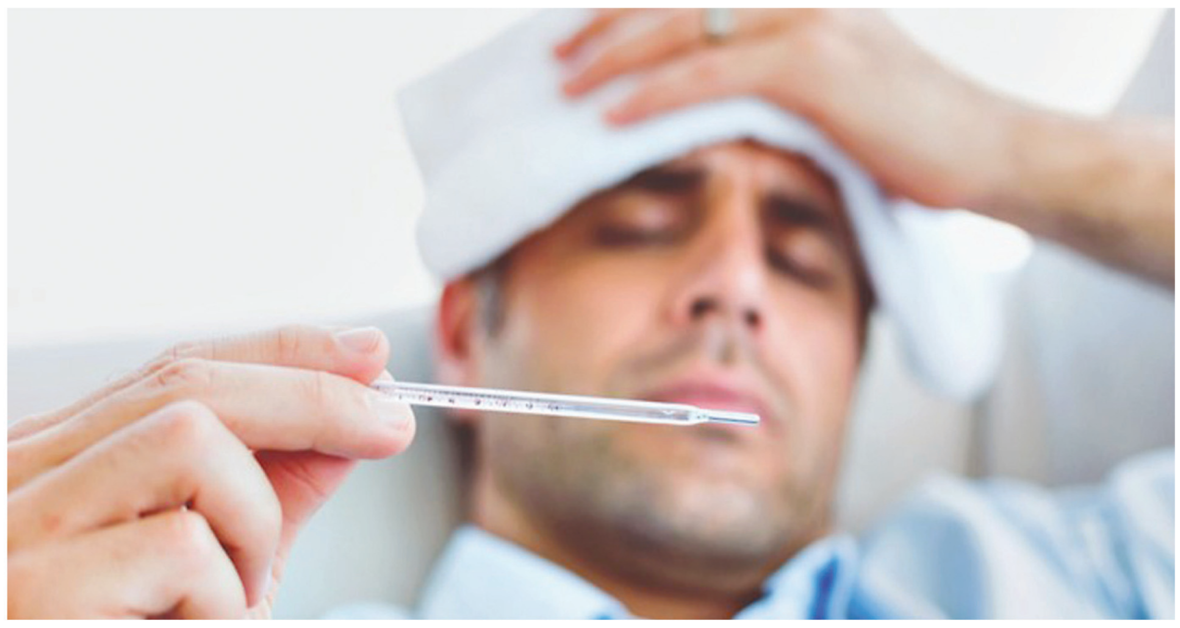

वायरल बुखार

से बचना है तो अपनाएं ये घरेलु उपचार

इस मौसम में वायरल बुखार होना आम है। वायरल फीवर इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर में तेजी से इंफैक्शन बढ़ता जाता है। वायरल फीवर में बॉडी का टेम्प्रेचर बढ़ने के साथ गले में दर्द, खांसी, सिर दर्द, थकान, जो?ों में दर्द और आंखों का लाल होना अन्य जैसे संकेत दिखने लगते है। ऐसे में जरूरी है कि कुछ जरूरी बातों पर ध्यान रख कर वायरल फीवर से बचा जा सकता है।

ध्यान रखें जरूरी बाते

- पानी को हमेशा उबाल कर या प्यूरीफाय पानी पिएं।
- खांसते या छींकते समय मुंह पर रुमाल रखें।
- अपना टॉवल अलग रखें।
- बाहर का खाना बिल्कुल न खाएं।
- बाहर जाते समय हमेशा अपना मुंह और नाक ढक लें।
- किसी भीड़ वाली जगह पर जाने से बचें।

वायरल बुखार का घरेलु उपचार

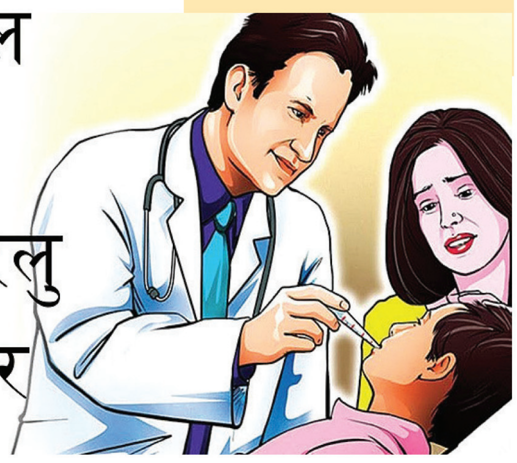

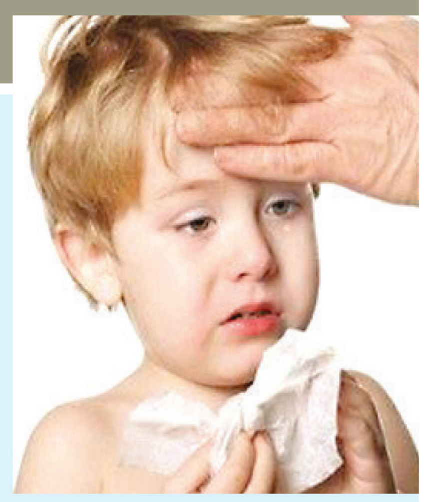

ऐसे करें वायरल बुखार कम

आलूः आलू के टुकड़ों को विनेगर में भिगोएं और फिर किसी साफ कपड़ें पर लपेटकर माथे पर रखें। बुखार कम होगा।

नींबूः नींबू के टुकड़े अपने तलवों पर रगड़ें या फिर मोजे में नींबू का टुकड़ा डालकर रातभर ऐसे ही रखें। राहत मिलेगी।

लहसुनः लहसुन का पेस्ट बनाकर उसमें शहद मिला लें। इसके अलावा लहसुन की कलियों को सरसों तेल में तलकर, उससे तलवो की मालिश करें।

तुलसी : 4-5 गिलास पानी में तुलसी की 30-45 पत्तियां मिलाएं। फिर उसमें अदरक और 4-5 लौंग मिलाकर उबाल लें। दिन में हर 2 घंटे बाद इस पानी का सेवन करें।

नीमः नीम की पत्तियों को चबाए या फिर नीम की पत्तियों में पानी में उबालकर उस पानी से नहाएं। बुखार में काफी आराम मिलेगा।

जानकारी

ये हैं अमरूद के अनगिनत फायदे

कब्ज और सूजन हो जाएगी गायब

अमरूद मीठे और स्वादिष्ट फलों में से एक हैं जो कई बीमारियों का इलाज भी करता है। अमरूद में विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, आयरन जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इतना ही नहीं, इसके बीज और पत्तियां भी काफी फायदेमंद हैं। अमरूद खाने की सलाह तो डॉक्टर्स भी देते है क्योंकि इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियां जैसे कब्ज, मधुमेह अन्य से छुटकारा मिलता है। आइए जानते है अमरूद के अनगिनत फायदे, जिनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

पाचन क्रिया दुरुस्तः अमरूद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होगी।

पेट के कीड़े : अगर बच्चे के पेट में कीड़े है जिस वजह से वह काफी परेशान है तो बच्चे को अमरूद का सेवन करवाएं। काफी फायदा मिलेगा।

आंखों की सूजन : कई बार आंखों के नीचे काले घरे और सूजन आने लगती है जिससे आंखे काफी अजीब लगती है। ऐसे में अमरूद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।

कब्ज : कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरूद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध : अमरूद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर : अमरूद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते है। रोजाना अमरूद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंद : अमरूद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते है। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकामः नियमित अमरूद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती है।

कैंसरः अमरूद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में पानी पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे भी अच्छा है कि आप पूरे दिन में 8 से 10 गिलास गर्म पानी पीएं। गर्म पानी पीने में भले ही अच्छा न लगे लेकिन इसे पीने से आपकी कई हेल्थ प्रॉब्लम दूर हो जाती है। अगर दिन में कम से कम 3 बार भी गर्म पानी पीने की आदत डाल ली जाए तो आपकी कई हेल्थ प्रॉब्लम दूर हो सकती है।

रोजाना दिन में 3 बार करें गर्म पानी का सेवन

इन बीमारियों से मिलेगा छुटकारा

- सुबह खाली पेट गर्म पानी में नींबू और शहद डालकर पीने से आपका वजन कुछ ही दिनों में कम जाएगा। आप चाहें तो इसे खाना खाने के बाद भी पी सकते है।
- सर्दी में रोजाना गर्म पानी पीने से आप छाती में जकड़न और सर्दी-जुकाम से बचे रहते है। गर्म पानी पीने से आपका गला भी ठीक रहता है।

- पीरियड्स दर्द को कम करने के लिए दिन में ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें। इसके अलावा इस दौरान आप गर्म पानी से सिकांई करने से भी आपको आराम मिलता है।
- दिन में 3 बार रोजाना गर्म पानी का सेवन आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इससे यूरिन के रास्ते शरीर से सारे विषैले पदार्थ निकल जाते है।
- रोजाना गर्म पानी पीने से आपकी पाचन क्रिया ठीक रहती है। इसके अलावा इससे आपकी गैस और एसिडिटी की समस्यां भी दूर हो जाती है। भोजन के बाद गर्म पानी पीने से आपका खाना जल्दी डाइजेस्ट हो जाता है।
- नियमित रूप से गर्म पानी का सेवन करने से पूरी बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है।
- सॉफ्ट ड्रिंक की जगहें सुबह गर्म पानी या नींबू पानी पीने से पूरा दिन एनर्जी लेवल बना रहता है।
- मांसपेशियों का 80 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है। इसलिए रोजाना गर्म पानी पीने से मांसपेशियों की ऐंठन और सूजन की समस्या दूर हो जाती है।

रेसिपी

काजू मटर

सामग्री

▪ तेल- 1 टेबलस्पून ▪ काजू- 60 ग्राम ▪ गर्म दूध- 110 मि.ली ▪ टमाटर- 25 ग्राम ▪ अदरक- 1 टीस्पून ▪ काजू पाउडर- 2 टेबलस्पून ▪ तेल- 1 टेबलस्पून ▪ जीरा- 1 टीस्पून ▪ हींग- 1/4 टीस्पून ▪ धनिया के सूखे पत्ते- 1 टीस्पून ▪ लाल मिर्च- 1/4 टीस्पून ▪ हल्दी- 1/4 टीस्पून ▪ धनिया पाउडर- 1 टीस्पून ▪ हरे मटर

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फ्राई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फ्राई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर,अदरक,काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी,सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर,चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

पटेटो सूप

सामग्री

▪ शकरकंदी- 2 ▪ शिमला मिर्च- 2 (कटी हुई) ▪ ऑलिव ऑयल- 4 टेबलस्पून ▪ प्याज- 2 (मोटे कटे हुए) ▪ धनिया- 2 स्टिक (कटा हुआ) ▪ लौंग, लहसुन पेस्ट- 4 ▪ चिकन- 1 लीटर (स्टॉक क्यूब) ▪ काली मिर्च- 1 पिंच ▪ लाल मिर्च पाउडर- 0.5 टीस्पून ▪ नमक- 1 पिंच ▪ चिल्ली फ्लेक्स- 0.5 टीस्पून

विधि

ओवन को 180एष्ट तक प्रहीट करें। बेंकिंग शीट पर शिमला मिर्च और शकरकंदी रख कर उसपर तेल लगाने के बाद उसे 20-25 मिनट तक रोस्ट कर लें। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें प्याज और धनिया को 1 मिनट तक फ्राई करके इसमें रोस्ट शकरकंदी डालकर पका लें। इसके बाद इसमें चिकन स्टॉक क्यूब और सारी सामग्री डालकर 20-25 मिनट तक सब्जियों के सॉफ्ट होने तक पकाए। अब इसमें क्रीम डालकर इसे बीन स्प्राउट्स और चिल्ली फ्लेक्स के साथ गार्निश करें। आपका रोस्टेड स्वीट पटेटो सूप बन कर तैयार है। इसे बाउल में डालकर गर्मा-गर्म सर्व करें। पीसीओएस महिलाओं में आम दिखने वाली समस्या है। पीसीओएस (पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) हार्मोन्स से संबंधिक समस्या है। बहुत सी महिलाओं में यह समस्या मोटापे के कारण देखने को मिलती है। वहीं इसका जिम्मेदार हमारा बदलता लाइफस्टाइल और खान-पान की आदते है। अधिकांश महिलाएं ऐसे फूड्स का सेवन कर लेती है, जिससे पीसीओएस को खतरा बढ़ जाता है।